https://www.instagram.com/sachbedhadakd https://www.youtube.com/@SachBedhadakD https://x.com/SachBedhadakD https://www.facebook.com/SachBedhadakD

पृष्ठ: 12 I मूल्य: 3.00

FIRST INDIA

दैनिक हिंदी अखबार

सच बेधड़क

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित

Scan to Subscribe

वर्ष: 5 I अंक: 218 जयपुर, शनिवार, 18 जुलाई, 2026 I आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष-पंचमी, विसं 2083

जरूरी खबर

सर गैरी सोबर्स का 89 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन के साथ क्रिकेट के एक महान युग का अंत हो गया। 1936 में बारबाडोस में जन्मे सोबर्स ने अपने कॅरिअर में 93 टेस्ट और एक वनडे मैच खेला। उन्होंने टेस्ट में 160 पारियों में 57.78 की औसत से 8032 रन बनाए, जिसमें 26 शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 365 रन रहा।

देखे पेज 09

पेट्रोल-डीजल व ATF पर 31 मार्च 2027 तक वैट छूट

जयपुर। राजस्थान सरकार ने बाड़मेर स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) की बिक्री पर 31 मार्च 2027 तक वैट से छूट प्रदान की है। यह कर छूट केवल उन मामलों में लागू होगी, जब HRRL राज्य के भीतर एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल को पेट्रोल, डीजल और ATF की बिक्री करेगी।

एंडी बर्नहैम बनेंगे ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री

लंदन। लेबर पार्टी ने एंडी बर्नहैम को ब्रिटेन का नया नेता चुन लिया है। ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व मेयर और मेकरफील्ड से सांसद बर्नहैम सोमवार को प्रधानमंत्री पद संभालेंगे। उन्होंने अपने भाषण में नई राजनीति की शुरुआत और कामकाजी वर्ग को सम्मान लौटाने का संकल्प जताया। 1970 में जन्मे बर्नहैम लेबर पार्टी के पारंपरिक वामपंथी चेहरे माने जाते हैं।

भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट आज भरेगा उड़ान

नई दिल्ली। हैदराबाद की निजी अंतरिक्ष कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस शनिवार को अपना पहला ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च करेगी। 'आगमन' मिशन के तहत यह भारत की पहली निजी कंपनी द्वारा विकसित स्वदेशी ऑर्बिटल रॉकेट उड़ान होगी। श्रीहरिकोटा से सुबह 11:30 बजे होने वाले इस प्रक्षेपण को भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के नए युग की शुरुआत माना जा रहा है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 95711 98777
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

भारतीय रेल का नया युग: जींद स्टेशन से प्रधानमंत्री ने ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

मोदी ने दी पहली हाइड्रोजन ट्रेन, दुनिया का 5वां देश बना भारत

14,700 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी

> यह हाइड्रोजन ट्रेन दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन चालित ट्रेन है। मैं इसके लिए पूरे देश को बधाई देता हूं। -**नरेंद्र मोदी,** पीएम

बेधड़क | जींद

भारतीय रेलवे के इतिहास में शुक्रवार को एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से सोनीपत के बीच शुरू हुई यह ट्रेन बिना डीजल और बिना बिजली के सिर्फ पानी और हवा की मदद से दौड़ेगी। पीएम मोदी ने इसे 'मेक इन इंडिया' अभियान का एक सफल उदाहरण बताया। इसके साथ ही भारत जर्मनी, जापान, फ्रांस और चीन के बाद दुनिया का पांचवा देश बन गया है, जहां हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनें परिचालन में हैं। जींद और सोनीपत के बीच 89 किलोमीटर की दूरी यह ट्रेन दो घंटे में तय करेगी। इस दौरान यह 12 स्टेशनों पर रुकेगी। प्रधानमंत्री ने 14,700 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। जींद के बाद प्रधानमंत्री मोदी चंडीगढ़ पहुंचे और 4,700 करोड़ रुपए से अधिक की सौगात दी। इसके बाद पीएम ने जालंधर में 5,470 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

जींद रेलवे स्टेशन पर देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते पीएम मोदी।

जींद और सोनीपत के बीच दौड़ेगी हाइड्रोजन ट्रेन

89 किमी का सफर | **02** घंटे में तय | **12** स्टेशनों पर रुकेगी

हाइड्रोजन ट्रेन की खासियत

- हाइड्रोजन चालित ट्रेनें डीजल ट्रेनों की तरह प्रदूषणकारी गैसों का उत्सर्जन नहीं करतीं और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करती हैं। हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन के भीतर ही बिजली उत्पन्न करता है।

3,200 हॉर्सपावर (एचपी) की क्षमता वाला प्रणोदन तंत्र

2,600 यात्रियों को ले जाने में सक्षम

10 डिब्बों के साथ अब तक विकसित सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन

प्रदेश के 8 स्टेशनों का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जालंधर से वर्चुअल माध्यम से देशभर के 75 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। इनमें राजस्थान के बाड़मेर, दौसा, डीग, गंगापुर सिटी, गोटन, जैसलमेर, खैरथल और सोमेसर रेलवे स्टेशन भी शामिल हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1,570 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से इन स्टेशनों का पुनर्विकास किया गया है। इन आधुनिक स्टेशनों पर यात्रियों को बेहतर सुविधाएं, उन्नत कनेक्टिविटी और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा मिलेगा, जिससे इन्हें आधुनिक ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित किया जा सकेगा।

तेल संकट के बीच भारतीय रेल की जीत

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते बड़ी मात्रा में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी गैस और उर्वरकों की आपूर्ति होती है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार महीनों से यह मार्ग लगातार संघर्ष का क्षेत्र बना हुआ है। मोदी ने कहा कि युद्ध और तेल संकट के बावजूद भारतीय रेल और देश के विकास की रफ्तार नहीं रुकी है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसी स्थिति 2014 से पहले उत्पन्न हुई होती, तो भारतीय रेलवे का कामकाज पूरी तरह ठप हो गया होता। प्रधानमंत्री ने कहा कि जींद की उनकी यात्रा ने पुरानी यादों को ताजा कर दिया है। मुझे यहां जो स्नेह मिला है, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। जींद का घी और घेवर वर्षों से नहीं बदले हैं, लेकिन इसके तेवर जरूर बदल गए हैं। जींद भाजपा के सुशासन का एक मॉडल बनता जा रहा है।

पीएम के कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े मुख्यमंत्री भजनलाल

'विकसित राजस्थान के संकल्प को नई दिशा देंगे अमृत स्टेशन'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में भारतीय रेलवे की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे का अभूतपूर्व विस्तार और आधुनिकीकरण हुआ है, जिससे देश की प्रगति और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला तैयार हुई है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को नागौर के गोटन रेलवे स्टेशन से वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से जुड़े, जहां देशभर के 75 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान को गोटन सहित आठ अमृत स्टेशनों की सौगात मिली है, जो विकसित राजस्थान के संकल्प को नई गति देंगे। उन्होंने कहा कि आधुनिक रेलवे स्टेशन, सुरक्षित और सुविधाजनक सेवाएं तथा मजबूत रेल कनेक्टिविटी प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई दिशा प्रदान करेगी।

पंचायत-निकाय चुनाव में देरी

आरक्षण प्रक्रिया पूरी होते ही दो दिन में घोषित होंगे चुनाव

- राज्य निर्वाचन आयुक्त ने हाई कोर्ट में रखा पक्ष

बेधड़क | जयपुर

पंचायत राज और शहरी निकाय चुनावों में हो रही देरी के बीच राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने हाई कोर्ट में दिए अपने पक्ष को सार्वजनिक किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव कार्यक्रम घोषित करने की प्रक्रिया राज्य सरकार द्वारा आरक्षण संबंधी सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद ही शुरू हो सकती हैं। 16 जुलाई को हाई कोर्ट की खंडपीठ में हुई सुनवाई में सिंह ने बताया कि एससी, एसटी, ओबीसी और महिला आरक्षण तय करना चुनाव आयोग नहीं, बल्कि राज्य सरकार का अधिकार है। उन्होंने कहा कि यदि ओबीसी आयोग की रिपोर्ट के अभाव में ओबीसी आरक्षण के बिना चुनाव कराने का निर्णय लिया जाता है, तो यह फैसला भी सरकार को ही करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार जिस दिन वार्डों और पदों का वर्गवार आरक्षण तय कर देगी, उसके अगले दो दिनों के भीतर आयोग चुनाव कार्यक्रम जारी कर देगा। हाई कोर्ट ने ओबीसी आयोग को रिपोर्ट देने, पदवार आरक्षण की लॉटरी प्रक्रिया पूरी करने और फिर आयोग को चुनाव कार्यक्रम घोषित करने के निर्देश दिए हैं। 20 जुलाई को तीनों पक्ष अपनी कार्ययोजना कोर्ट में पेश करेंगे।

तथ्यात्मक जानकारी मिलनी चाहिए

राजेश्वर सिंह ने कहा कि जनता को तथ्यात्मक जानकारी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, "भोजन में मिर्च-मसाला होना चाहिए, लेकिन इतना भी नहीं कि भोजन का स्वाद ही नष्ट हो जाए।" उनका संकेत चुनाव प्रक्रिया को लेकर चल रही मीडिया रिपोर्टों की ओर था।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

'SIR में नाम कटने पर नागरिकता नहीं जाती'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के तहत वोटर लिस्ट से नाम हटने से किसी व्यक्ति की नागरिकता खत्म नहीं होती। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में SIR के कारण प्रभावित लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ जारी रखने की मांग वाली याचिका पर चुनाव आयोग और राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। याचिका में कहा गया है कि नागरिकता पर अंतिम फैसला होने तक लोगों को राशन और अन्य सरकारी सुविधाओं से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में ये याचिका पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की SIR कमेटी के चेयरमैन प्रसेनजीत बोस ने दायर की थी। इस याचिका पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और वी. मोहना की बेंच ने सुनवाई की।

यूएस और ईरान के बीच संघर्ष गहराया

अमेरिका ने चाबहार पोर्ट को बनाया निशाना, भारत का है अरबों का निवेश

- ईरान के पुल, बिजली ढांचों और रेलवे स्टेशनों को बनाया निशाना

एजेंसी | दुबई

अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और तेज कर दी। लगातार छठी रात किए गए हवाई हमलों में पुलों, बिजली ढांचों, रेलवे स्टेशनों और एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया। अमेरिकी हमलों में ओमान की खाड़ी स्थित चाबहार बंदरगाह भी प्रभावित हुआ, जहां मैरीटाइम ट्रैफिक कंट्रोल टावर ढह गया। भारत के सहयोग से विकसित यह बंदरगाह अफगानिस्तान और मध्य एशिया के लिए महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र है। चाबहार भारत को पाकिस्तान को दरकिनार कर क्षेत्रीय व्यापार पहुंच उपलब्ध कराता है। अमेरिका ने चाबहार पर तीन बार हमले किए हैं। इस परियोजना में भारत ने करीब 120 मिलियन डॉलर यानी लगभग 11 अरब रुपए का निवेश किया है। अमेरिकी कार्रवाई का उद्देश्य ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह को देश के अन्य हिस्सों और तेहरान से जोड़ने वाले परिवहन नेटवर्क को कमजोर करना बताया जा रहा है। ईरान ने पहली बार बिजली ढांचे को नुकसान पहुंचने की पुष्टि की। जवाब में ईरान ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल हमले किए और पहली बार सीरिया में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान में कई रणनीतिक ठिकानों पर हमले की जानकारी दी है।

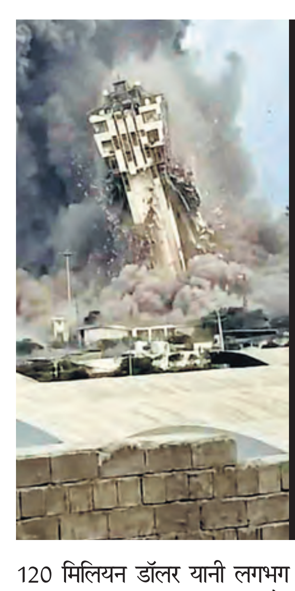

अब तक 38 की मौत, 400 घायल

ईरान के सरकारी टेलीविजन के अनुसार, दक्षिणी होर्मोजगान प्रांत में अमेरिकी हवाई हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हुई। हमले बंदर खमीर शहर और कई राजमार्ग व रेलवे पुलों को निशाना बनाकर किए गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक अमेरिकी हमलों में 38 लोगों की मौत और 400 से अधिक लोगों के घायल होने की जानकारी है। बता दें कि 7 जुलाई को ईरान द्वारा होर्मुज में पोतों पर हमले के बाद अमेरिका ने हवाई हमले किए थे।

अमेरिकी ठिकानों पर ईरान का हमला

ईरान ने दावा किया कि उसने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों तथा ओमान में एक अमेरिकी रडार स्टेशन को निशाना बनाया। ईरान ने पहली बार सीरिया में भी अमेरिकी विशेष बलों के ठिकाने पर हमले का दावा किया। वहीं, कतर की राजधानी दोहा में धमाकों की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद अधिकारियों ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी। ईरान ने कुवैत के एक बिजली और समुद्री जल शोधन (डिसैलिनेशन) संयंत्र पर मिसाइल हमला किया, जिससे देश के प्रमुख पेयजल स्रोतों में से एक को नुकसान पहुंचा। कतर में मिसाइल के मलबे की चपेट में आने से एक बच्चा घायल हो गया।

आरबीआई ने शुरू की तैयारी: 2027 से बड़े स्तर पर लागू होने की संभावना

देश में जल्द आएंगे प्लास्टिक के नोट, टेंडर जारी

- सबसे पहले 10 और 20 रुपए के पॉलीमर नोट होंगे जारी

एजेंसी | नई दिल्ली

देश की करेंसी व्यवस्था में जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) पॉलीमर यानी प्लास्टिक बैंक नोट लाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए आरबीआई ने पॉलीमर सब्सट्रेट शीट के निर्माण और आपूर्ति के लिए वैश्विक निविदाएं आमंत्रित की हैं। पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद ही इन्हें चरणबद्ध तरीके से देशभर में जारी किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती चरण में 10 और 20 रुपए के पॉलीमर नोट जारी किए जा सकते हैं। बाद में अन्य मूल्य वर्ग के नोटों को भी इस तकनीक में बदला जा सकता है। संभावना है कि वर्ष 2027 से प्लास्टिक नोटों का बड़े स्तर पर चलन शुरू हो।

कागजी नोटों की तुलना में अधिक टिकाऊ

पॉलीमर नोट विशेष प्लास्टिक बेस सामग्री से बनाए जाते हैं, जो कागजी नोटों की तुलना में अधिक मजबूत और टिकाऊ होते हैं। ये पानी, नमी और गंदगी से कम प्रभावित होते हैं और लंबे समय तक चलते हैं। इनमें अत्याधुनिक सुरक्षा फीचर्स भी शामिल होंगे, जिससे नकली नोटों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

छपाई की लागत घटेगी

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में नोटों की छपाई पर 6,372 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। पॉलीमर नोटों की लंबी उम्र से बार-बार छपाई की जरूरत कम होगी और भविष्य में लागत घट सकती है।

60 देशों में चलन

60 से ज्यादा देशों में प्लास्टिक के नोट यूज होते हैं। सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया में इसकी शुरुआत हुई थी। इसके अलावा कनाडा, सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया और रोमानिया में भी पॉलीमर करेंसी चलती है।

गुजरात ATS ने जैश से जुड़े 5 संदिग्धों को पकड़ा

एजेंसी | पाटन

गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (ATS) ने जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी मॉड्यूल से जुड़े पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इन्हें पाटन जिले के सिद्धपुर तालुका के खाडियाल गांव से पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिलाल आबिदभाई शेरा, मोहम्मद अयूब कादीवाला, मोहम्मद पालनपुरी उर्फ खाली अयूब सुनसारा, शफिया रईस मुख्ती और मोहम्मद हसन कार्डिया के रूप में हुई है। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 24 जुलाई तक ATS हिरासत में भेज दिया गया है। इससे पहले 3 जुलाई को जैश से जुड़े आठ संदिग्ध गिरफ्तार किए गए थे। पूछताछ के बाद यह कार्रवाई की गई। जांच एजेंसी बम बनाने की सामग्री और जैश साहित्य की तलाश कर रही है।

जरूरी खबर

महेश जोशी ने हाई कोर्ट में लगाई जमानत की गुहार

जयपुर। जल जीवन मिशन (जेजेएम) में कथित 20 हजार करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार पूर्व मंत्री महेश जोशी और संजय बड़ाया ने राजस्थान हाई कोर्ट का रुख किया है। दोनों ने नियमित जमानत याचिका दायर कर राहत देने की मांग की है। इन जमानत याचिकाओं पर हाई कोर्ट में 21 जुलाई को सुनवाई होगी। इससे पहले 6 जुलाई को एसीबी की विशेष अदालत ने दोनों आरोपियों की नियमित जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। इसके बाद दोनों ने हाई कोर्ट में चुनौती देते हुए जमानत की मांग की है। उल्लेखनीय है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जल जीवन मिशन में कथित 20 हजार करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार की जांच कर रही है। इसी मामले में पूर्व मंत्री महेश जोशी और संजय बड़ाया को आरोपी बनाया गया है।

कांग्रेस: बुडानिया बने जिला कमेटी के सचिव

जयपुर। जयपुर ग्रामीण पश्चिम जिला कांग्रेस कमेटी में झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता रविन बुडानिया को जिला सचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति जिला कांग्रेस अध्यक्ष विद्याधर चौधरी के नेतृत्व में संगठन को और मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है। नियुक्ति पर रविन बुडानिया ने कांग्रेस नेतृत्व, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विद्याधर चौधरी और अभिषेक चौधरी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उनकी प्राथमिकता संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना और आमजन की समस्याओं को पार्टी मंच पर प्रभावी ढंग से उठाना रहेगी। बुडानिया की नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उन्हें बधाई देते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

एकल पट्टा प्रकरण: अब 13 अगस्त को होगी सुनवाई

जयपुर। प्रदेश के बहुचर्चित एकल पट्टा प्रकरण में शुक्रवार को राजस्थान हाई कोर्ट में प्रस्तावित सुनवाई टल गई। मामले में शांति धारीवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एस.एस. होरा ने अदालत से समय देने का आग्रह किया। इस पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा की विशेष एकलपीठ ने सुनवाई 13 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। अदालत ने शांति धारीवाल सहित अन्य याचिकाकर्ताओं की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए अगली तारीख निर्धारित की। अब इस चर्चित मामले में 13 अगस्त को हाई कोर्ट में विस्तृत सुनवाई होगी।

CET-2026 को लेकर अभ्यर्थियों में उत्साह, अब तक 21 लाख आवेदन आए

11 साल में पहली बार आरएसएसबी ने कराए साक्षात्कार

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आरएसएसबी) की समान पात्रता परीक्षा (सीईटी)-2026 के लिए इस बार अभ्यर्थियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। विभिन्न सरकारी भर्तियों के लिए अनिवार्य इस परीक्षा में आवेदन का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। अब तक सीनियर सेकेंडरी स्तर के लिए करीब 14 लाख और स्नातक स्तर के लिए करीब 7 लाख आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। यानी दोनों स्तरों को मिलाकर लगभग 21 लाख अभ्यर्थी पंजीकरण करा चुके हैं।

बोर्ड के अनुसार सीनियर सेकेंडरी स्तर के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 23 जुलाई, 2026 है। इस स्तर की परीक्षा 23 से 25 अक्टूबर, 2026 तक आयोजित होगी।

वहीं, स्नातक स्तर की सीईटी के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है और इसकी परीक्षा 1 से 3 दिसंबर, 2026 तक प्रस्तावित है। बोर्ड ने पात्र अभ्यर्थियों से अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन करने की अपील की है। सीईटी (स्नातक)-2026 का स्कोर 12 भर्ती परीक्षाओं और सीनियर सेकेंडरी-2026 का स्कोर 14 विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की पात्रता तय करेगा।

वहीं बोर्ड ने अपने 11 वर्षों के इतिहास में पहली बार किसी भर्ती के लिए इंटरव्यू आयोजित किए। प्लाटून कमांडर (होमगार्ड) भर्ती के तहत 8 से 16 जुलाई तक साक्षात्कार आयोजित किए गए, जिनमें इंटरव्यू के लिए बुलाए गए 253 अभ्यर्थियों में से 242 उपस्थित हुए। इंटरव्यू प्रक्रिया पूरी होने के बाद बोर्ड ने अब प्री-डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन का परिणाम जारी कर दिया है। इस सूची में शामिल अभ्यर्थियों को अगले चरण में दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाएगा, जिसके बाद अंतिम चयन सूची जारी की जाएगी।

प्लाटून कमांडर व स्टेनोग्राफर भर्ती का परिणाम जारी

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB) ने शुक्रवार को दो भर्ती परीक्षाओं के परिणाम जारी किए। बोर्ड ने प्लाटून कमांडर (होमगार्ड) भर्ती-2025 का इंटरव्यू के बाद प्री-डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन (प्री-डीवी) रिजल्ट जारी किया, जबकि स्टेनोग्राफर/पर्सनल असिस्टेंट ग्रेड-II संयुक्त भर्ती-2024 का भी परिणाम घोषित किया गया।

सहायक आचार्य (सांख्यिकी) भर्ती में एक भी अभ्यर्थी सफल नहीं

राजस्थान लोक सेवा आयोग ने कॉलेज शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य (Statistics) प्रतियोगी परीक्षा-2025 का परिणाम जारी कर दिया है। आयोग के अनुसार लिखित परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक प्राप्त करने वाला एक भी अभ्यर्थी नहीं मिला, इसलिए इस विषय में कोई भी उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए चयनित नहीं हुआ। वहीं, सहायक आचार्य (Chemistry) प्रतियोगी परीक्षा-2025 में न्यूनतम अहर्ता प्राप्त अभ्यर्थियों को अस्थायी रूप से साक्षात्कार के लिए सफल घोषित किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों की दो प्रतियां 27 जुलाई, 2026 तक आयोग कार्यालय में जमा करानी होंगी। पात्रता जांच के बाद ही उन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

महिला पर्यवेक्षक सीधी भर्ती परीक्षा के प्रवेश पत्र 20 से: राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने 72 पदों के लिए आयोजित होने वाली महिला पर्यवेक्षक (आंगनबाड़ी) सीधी भर्ती-2024 परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी करने की तिथि 20 जुलाई घोषित कर दी है।

पंचायतीराज विभाग का सख्त आदेश

कोर्ट के स्टे से नहीं होगी जॉइनिंग पहले सरकार की मंजूरी अनिवार्य

- तबादलों पर अब भी माथापच्ची, संशोधन का इंतजार
- विभागों में जॉइनिंग व निरस्तीकरण की कवायद जारी

बेधड़क | जयपुर

पंचायतीराज विभाग ने तबादला और निलंबन से जुड़े मामलों में कोर्ट की अंतरिम राहत (स्टे) के आधार पर सीधे पुराने पद पर कार्यग्रहण करने की व्यवस्था पर रोक लगा दी है। अब किसी भी कर्मचारी या अधिकारी को न्यायालय से स्टे मिलने के बावजूद संबंधित पद पर जॉइनिंग से पहले राज्य सरकार की स्पष्ट अनुमति लेनी होगी। बिना शासन की मंजूरी कार्यभार ग्रहण करने पर संबंधित कर्मचारी के साथ-साथ जॉइनिंग कराने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के शासन सचिव डॉ. जोगाराम की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कई मामलों में कर्मचारी कोर्ट से अंतरिम राहत मिलने के बाद सीधे अपने पुराने पद पर कार्यग्रहण कर लेते थे, जबकि उसी पद पर किसी अन्य कर्मचारी की नियुक्ति पहले ही हो चुकी होती थी। इससे एक ही पद पर दो कर्मचारियों के कार्यरत होने जैसी स्थिति बन रही थी और प्रशासनिक

एवं वित्तीय समस्याएं पैदा हो रही थीं। नए आदेश के अनुसार अब यदि किसी कर्मचारी को न्यायालय से अंतरिम राहत मिलती है, तब भी वह सीधे कार्यभार ग्रहण नहीं कर सकेगा।

संबंधित विभाग को पहले शासन स्तर पर मामले का परीक्षण कर अनुमति लेनी होगी। अनुमति मिलने के बाद ही कार्यग्रहण कराया जाएगा। विभाग ने सभी जिला परिषदों, पंचायत समितियों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बिना शासन की स्वीकृति किसी भी कर्मचारी को कार्यभार ग्रहण नहीं कराया जाए। यदि आदेशों की अवहेलना कर जॉइनिंग कराई जाती है तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी भी तय होगी।

ट्रांसफर बैन के बाद भी हलचल

राज्य सरकार की ओर से 15 जुलाई को स्थानांतरण पर लगी छूट अवधि समाप्त होने के बाद भी कई विभागों में तबादलों को लेकर हलचल जारी है। कहीं संशोधित सूची का इंतजार है तो कहीं कर्मचारी तबादला निरस्त कराने या मनचाही पोस्टिंग के लिए प्रयासरत हैं। सबसे अहम पहल शिक्षा विभाग में देखने को मिली है, जहां तबादलों से जुड़ी परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष समितियों का गठन किया गया है।

शिक्षा विभाग: विशेष समितियां बनाईं

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने निदेशालय और संभाग स्तर पर विशेष समितियां गठित की हैं, जो तबादलों से जुड़े मामलों का निस्तारण करेंगी। इन समितियों के समक्ष एकल महिला, विधवा, परित्यक्ता, गंभीर बीमार, दिव्यांग, दीर्घावधि सेवा और पति-पत्नी प्रकरणों की सुनवाई होगी। इसके साथ ही अंतर-जिला और अंतर-मंडल स्थानांतरित कर्मचारियों के लिए नया निर्देश जारी किया गया है। अब कार्य मुक्ति और कार्य ग्रहण से पहले कर्मचारी को शपथ पत्र देना होगा कि उसने स्थानांतरण अपनी स्वेच्छा से कराया है। शपथ पत्र के बिना रिलीविंग और जॉइनिंग नहीं होगी।

अभियंता नहीं पहुंचे नई पोस्टिंग पर

जयपुर डिस्कॉम में 10 जुलाई को 500 से अधिक टेक्नोक्रेट्स के तबादले किए गए थे, लेकिन कई अधिशासी अभियंता और कनिष्ठ अभियंता अब तक नई जगह कार्यभार ग्रहण नहीं कर पाए हैं। कुछ अधिकारी तबादला निरस्त कराने में जुटे हैं, जबकि कुछ पसंदीदा पोस्टिंग के प्रयास में हैं। प्रबंधन ने आदेशों की अवहेलना करने वालों की सूची तैयार करना शुरू कर दिया है और अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी है।

तबादलों पर यू-टर्न

वन विभाग में भी तबादलों को लेकर असमंजस बना हुआ है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) भेजे गए 19 वन अधिकारियों और कर्मचारियों को बाद में अगले आदेश तक एपीओ कर मुख्यालय से अटैच कर दिया गया। दूसरी ओर जयपुर नगर निगम में राजस्व अधिकारियों के तबादलों के बाद अब जेईएन, एईएन सहित कई शाखाओं में बड़े प्रशासनिक बदलाव की तैयारी है। निगम प्रशासन जवाबदेही बढ़ाने और कार्य प्रणाली में सुधार के लिए व्यापक फेरबदल की योजना पर काम कर रहा है। आरओ, जेईएन, एईएन, एटीपी, एफए और एएओ स्तर तक बदलाव की संभावना है। वहीं पुलिस महकमे में निरीक्षकों की तबादला सूची जारी होने के बाद अधिकांश अधिकारियों ने नई जगह कार्यभार संभाल लिया है, लेकिन कई निरीक्षक अब भी संशोधित सूची की उम्मीद लगाए बैठे हैं। खासकर जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में बेहतर थानों और कम दबाव वाले यातायात क्षेत्रों के लिए सिफारिशों का दौर जारी है।

उद्यमियों को बड़ी राहत

रीको ने मध्यवर्ती माइलस्टोन नियमों को बनाया सरल

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) ने प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश करने वाले उद्यमियों को बड़ी राहत दी है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रीको ने प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 और ई-नीलामी के माध्यम से आवंटित औद्योगिक भूखंडों के लिए मध्यवर्ती माइलस्टोन के नियमों को सरल बना दिया है। इसके लिए रीको डिस्पोजल ऑफ लैंड रूल्स 1979 के नियम 3(एजे) और 21 में आंशिक संशोधन किया गया है।

अब तक औद्योगिक भूखंड आवंटन से लेकर उत्पादन शुरू होने तक उद्यमियों को तय समय सीमा में कई चरणों के माइलस्टोन पूरे करना अनिवार्य था। किसी भी चरण में देरी होने पर भूमि लागत का 0.5 प्रतिशत एकमुश्त दंड देना पड़ता था और लगातार विलंब होने पर भूखंड आवंटन निरस्त होने का भी प्रावधान था। संशोधित व्यवस्था के तहत पर्यावरण स्वीकृति आवश्यक वाली परियोजनाओं में पहले 2, 6, 12, 18 और 24 माह के कुल पांच माइलस्टोन निर्धारित थे। अब इन्हें घटाकर केवल 12 और 24 माह के दो माइलस्टोन कर दिया गया है। वहीं, पर्यावरण स्वीकृति की आवश्यकता नहीं वाली परियोजनाओं में पहले 6, 12 और 18 माह के तीन माइलस्टोन थे, जिन्हें अब घटाकर 12 और 18 माह पर दो माइलस्टोन कर दिया गया है। रीको के अनुसार, उद्यमियों ने बताया था कि भूखंड आवंटन के बाद विभिन्न विभागों से अनुमतियां लेना, बैंक या अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण की व्यवस्था करना और परियोजना की योजना तैयार करने में पर्याप्त समय लग जाता है। कम समय में शुरुआती माइलस्टोन पूरे करना कई निवेशकों के लिए चुनौती बन रहा था।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

निवेश और उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

रीको के प्रबंध निदेशक सुरेश कुमार ओला ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप प्रदेश में निवेश और औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए नियमों को सरल बनाया जा रहा है। इस निर्णय से उद्योग स्थापित करने की प्रक्रिया आसान होगी, उद्यमियों पर अनावश्यक प्रशासनिक दबाव कम होगा और राज्य में निवेश का माहौल और मजबूत होगा।

एनडीपीएस मामले में राजस्थान हाई कोर्ट सख्त

सजा निलंबित, 3 माह में दें रिपोर्ट

बेधड़क | जयपुर

हाई कोर्ट ने एनडीपीएस एक्ट के तहत नशीली दवाओं का स्टॉक रखने के मामले में दोषी ठहराए गए आरोपी कमल रामचंदानी की सजा निलंबित करते हुए पुलिस की जांच और कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं। जस्टिस अनिल उपमन की एकलपीठ ने मामले की स्वतंत्र जांच कर तीन माह में रिपोर्ट पेश करने के लिए डीजीपी को निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि जिस कांस्टेबल गिरधारी लाल की सूचना पर कार्रवाई होना बताया गया, वही पुलिसकर्मी कार्रवाई के समय घटनास्थल पर मौजूद भी दर्शाया गया है। रिकॉर्ड के अनुसार एक जब्ती कार्रवाई शाम 6:40 बजे हुई, जबकि दूसरी कार्रवाई 7:10 बजे दर्ज है। दोनों घटनास्थलों के बीच करीब आठ किमी की दूरी के बावजूद एक ही पुलिसकर्मी की दोनों जगह मौजूदगी दर्ज होना संभव नहीं है। अदालत ने इसे जांच की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न माना। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शांतनु बंसल और एन.के. तिवारी ने दलील दी कि मुरलीपुरा थाना पुलिस ने 31 जनवरी 2022 को कमल मेडिकल एंड प्रोविजनल स्टोर से नशीली दवाओं का स्टॉक जब्त किया था, लेकिन एनडीपीएस एक्ट के अनिवार्य प्रावधानों का पालन नहीं किया गया। पुलिस ने जब्ती के अगले ही दिन नमूने एफएसएल भेज दिए, जबकि नमूने मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में लेने चाहिए थे। जब्त कार्रवाई इंस्पेक्टर या सब-इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी द्वारा की जानी चाहिए थी। औषधि नियंत्रण अधिकारी अरुणा मीणा ने स्वीकार किया कि उनके घटनास्थल पर पहुंचने से पहले ही कांस्टेबल द्वारा दवाओं की बरामदगी की जा चुकी थी। वहीं अपील में यह भी कहा गया कि पूरी कार्रवाई में किसी स्वतंत्र गवाह को शामिल नहीं किया गया।

स्वास्थ्य भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस

हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की होगी नियमित निगरानी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में चल रहे सघन मातृ स्वास्थ्य सेवा अभियान के तहत हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उनका नियमित फॉलोअप किया जा रहा है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने अभियान की समीक्षा को लेकर शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की। जनस्वास्थ्य निदेशक डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, हाई रिस्क प्रेगनेंसी की पहचान, उपचार, रेफरल और संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी जिलों में कार्यरत चिकित्सा अधिकारियों, एएनएम और आशा सहयोगिनियों को मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और समयबद्ध सेवा देने के लिए निर्देशित किया गया है। गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन, रक्तचाप, रक्त शर्करा सहित आवश्यक जांच, दवाइयों की उपलब्धता और सुरक्षित प्रसव की योजना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बेधड़क TOON

-शेखर

ग्रामीण पेयजल योजनाओं को मिलेगी रफ्तार

JJM 2.0 के लिए प्रदेश को केंद्र से ₹537 करोड़ की मदद

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान को जल जीवन मिशन 2.0 के तहत बड़ी वित्तीय सहायता मिली है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य को 537.70 करोड़ की केंद्रीय सहायता मंजूर की है। यह राशि राज्य सरकार की ओर से ग्रामीण पेयजल योजनाओं पर पहले किए गए अतिरिक्त खर्च की प्रतिपूर्ति के रूप में मिलेगी। इस राशि से प्रदेश की ग्रामीण पेयजल परियोजनाओं को गति मिलेगी और हर घर तक नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को समय पर पूरा करने में मदद मिलेगी। जल जीवन मिशन के मिशन निदेशक राजन विशाल ने बताया कि केंद्र की इस सहायता से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था और मजबूत होगी। जलापूर्ति योजनाओं का काम तेज होगा और अधिक से अधिक परिवारों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा। केंद्र सरकार ने स्वीकृत राशि में सामान्य क्षेत्र के लिए 307.45 करोड़, अनुसूचित जाति क्षेत्र के लिए 177.73 करोड़ और अनुसूचित जनजाति क्षेत्र के लिए 52.52 करोड़ का प्रावधान किया है।

अब तक 3241 योजनाएं भौतिक रूप से पूरी

राजस्थान में जल जीवन मिशन के तहत अब तक 3,241 योजनाएं भौतिक रूप से पूरी हो चुकी हैं। इनमें से 2,520 योजनाओं का चरणबद्ध तरीके से जल्द 'जल अर्पण' किया जाएगा। इसके अलावा करीब ₹713 करोड़ के लंबित वाउचर्स को राष्ट्रीय जल जीवन मिशन को भेजा गया है। वहीं 3,346 योजनाओं के एकमुश्त निपटान (ओटीएस) के लिए ₹537 करोड़ की मंजूरी मिली है और 3,864 योजनाओं को संबंधित मॉड्यूल पर ऑनबोर्ड किया जा चुका है।

2,212 से अधिक गांव 'हर घर जल' प्रमाणित

प्रदेश में अब तक 2,212 से अधिक गांवों को 'हर घर जल' प्रमाणित किया जा चुका है। पिछले दो महीनों में ही 705 नए गांवों को यह प्रमाणन मिला है। साथ ही 93 प्रतिशत योजनाओं के लिए सुजलम भारत आईडी तैयार हो चुकी है। सभी ग्राम पंचायतों और गांवों में जल सेवा आकलन का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। 40 में से 35 जिलों की जिला सुधार योजनाएं तैयार हो चुकी हैं, जबकि बाकी योजनाएं 31 जुलाई तक तैयार कर ली जाएंगी। मिशन के तहत सभी नई परिसंपत्तियों की सुजलम भारत प्लेटफॉर्म पर जियो-टैगिंग की जाएगी और परियोजनाओं की प्रगति डिजिटल माध्यम से दर्ज होगी। इससे योजनाओं की निगरानी, पारदर्शिता और गुणवत्ता बेहतर होगी। केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की अवधि दिसंबर 2028 तक बढ़ा दी है। केंद्र और राज्य सरकार की 50:50 भागीदारी वाली इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के हर ग्रामीण परिवार तक नल से सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है।

सहकारिता विभाग: योजनाओं की होगी ऑनलाइन मॉनिटरिंग

बेधड़क | जयपुर

सहकारिता विभाग अब पूरी तरह डिजिटलीकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में राज सहकार पोर्टल, एमएसपी खरीद, एफआईजी और ऑनलाइन इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम की प्रगति की समीक्षा की। डॉ. शर्मा ने निर्देश दिए कि राज सहकार पोर्टल के गोदाम मॉड्यूल, मोबाइल एप, प्रशिक्षण मॉड्यूल, डायनेमिक डैशबोर्ड और पैक्स कोड से जुड़े शेष कार्य निर्धारित समय में पूरे किए जाएं। डिजिटल सिस्टम से विभाग की कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी होगी और आमजन को सहकारी सेवाओं का बेहतर लाभ मिल सकेगा। उन्होंने अधिकारियों और कार्मिकों को राज सहकार पोर्टल के माध्यम से ही कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि सूचनाओं का संकलन और योजनाओं की मॉनिटरिंग प्रभावी तरीके से हो सके।

जरूरी खबर

प्रताप नगर थाने में पुलिस कमिश्नर की जनसुनवाई आज

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल शनिवार को प्रताप नगर थाने में जनसुनवाई करेंगे। जनसुनवाई सुबह 11:30 से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित होगी। जनसुनवाई के दौरान सांगानेर सर्किल के सांगानेर, प्रताप नगर, मालपुरा गेट और रामनगरिया थाना क्षेत्रों से संबंधित परिवादियों की शिकायतें सुनी जाएंगी। शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जाएंगे। जनसुनवाई का उद्देश्य क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर उन्हें राहत प्रदान करना है।

पूर्व आईएएस संजय दीक्षित को हाई कोर्ट से राहत

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने पूर्व आईएएस संजय दीक्षित व अन्य के खिलाफ दर्ज 17 साल पुराने मामले में राहत देते हुए सीबीआई की एफआईआर रद्द कर दी है। जस्टिस अनूप कुमार ढंढ की एकलपीठ ने दीक्षित की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिए। मामला वर्ष 2009 का है, जब रणजीत सिंह के पासपोर्ट के लिए संजय दीक्षित ने चरित्र सत्यापन किया था। बाद में प्रहलाद गुर्जर ने पासपोर्ट कार्यालय में शिकायत कर रणजीत सिंह पर आपराधिक मामलों का हवाला देते हुए पासपोर्ट जारी करने पर आपत्ति जताई थी। पासपोर्ट कार्यालय से राहत नहीं मिलने पर गुर्जर ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने वर्ष 2010 में एफआईआर दर्ज की थी।

JDA की जमीन पर कब्जे के विरोध में किया प्रदर्शन

जयपुर। जेडीए की कथित सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और निर्माण के विरोध में शुक्रवार को लोगों ने जेडीए मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि राजस्व ग्राम कीलगढ़, जयसिंहपुरा खोर स्थित खसरा नंबर 13/1 की जेडीए की भूमि पर भू-माफिया फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैध निर्माण कर प्लॉट बेच रहे हैं। नरेंद्र कुमार सैनी ने बताया कि तहसीलदार ने 8 अप्रैल, 2026 को कार्रवाई के निर्देश दिए थे, जबकि केवल नोटिस जारी कर औपचारिकता निभाई। लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण रोकने के आदेश के बावजूद अवैध निर्माण जारी है।

अतिक्रमण पर नगर निगम का एक्शन: बड़ी चौपड़ पर चली दो घंटे तक ताबड़तोड़ कार्रवाई

‘नो एनक्रोचमेंट’ मुहिम से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप

बेधड़क | जयपुर

राजधानी जयपुर की बड़ी चौपड़ पर शुक्रवार सुबह नगर निगम का अतिक्रमण हटाओ अभियान पूरे रंग में नजर आया। बरामदों में फैला सामान, सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अस्थायी कब्जे और भवनों की छतों तक पहुंची अवैध सामग्री पर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए दो घंटे तक ताबड़तोड़ अभियान चलाया। कार्रवाई शुरू होते ही अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया और कई लोगों ने खुद ही अपना सामान समेटना शुरू कर दिया। बड़ी चौपड़ के बाद नगर निगम की सतर्कता शाखा ने शहर के अन्य हिस्सों में भी मोर्चा संभाला। आयुक्त ओम कसेरा के निर्देश पर महिला पुलिस थाना सीकर रोड, कुम्हारों का मोहल्ला (नांगल जैसा बोहरा), राजेंद्र नगर नांगल रोड, जनपथ लालकोठी और प्रताप नगर सेक्टर-32 में अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए। कार्रवाई के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर रखा सामान जब्त कर एक कैंटर भरकर निगम गोदाम भेजा गया।

बड़ी चौपड़ पर अतिक्रमण हटाती नगर निगम की टीम।

मौके पर जमा लोग

फोटो: पंकज शर्मा

अतिक्रमणकारियों को दी चेतावनी

उपायुक्त (सतर्कता) ने बताया कि यह अभियान लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर चलाया गया। अतिक्रमण करने वालों को मौके पर ही सख्त चेतावनी दी गई कि दोबारा सड़क, फुटपाथ या सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा किया तो भारी जुर्माने के साथ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

लगातार चलेगा अभियान

नगर निगम ने साफ किया है कि यह अभियान किसी एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा। शहरभर में लगातार निगरानी रखी जाएगी और जहां भी अस्थायी अतिक्रमण मिलेगा, वहां बिना पूर्व सूचना के कार्रवाई की जाएगी। निगम की इस मुहिम से पुरानी शहर की सड़कों और बाजारों में आवागमन सुगम होने की उम्मीद जताई जा रही है।

सरकार का फर्जी क्लेम और अनियमित बिलिंग पर एक्शन

RGHS में जयपुर के ‘नामी’ अस्पतालों में मिली ‘गड़बड़ी’

बेधड़क | जयपुर

राज्य सरकार ने राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) में वित्तीय और प्रक्रियागत अनियमितताओं पर कार्रवाई करते हुए एक माह में 24 निजी अस्पतालों पर करीब 2.96 करोड़ रुपए की रिकवरी और तीन माह में 51 अस्पतालों को योजना से निलंबित कर दिया है। खास बात यह है कि रिकवरी सूची में जयपुर के 7 बड़े निजी अस्पताल शामिल हैं। इनमें मणिपाल हॉस्पिटल, सोनी हॉस्पिटल, इंडस जयपुर हॉस्पिटल, महावीर जयपुरिया हॉस्पिटल, नारायणा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, अपोलो स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और डॉ. सोमेंद्र डेंटल जैसे नाम प्रमुख हैं। सरकार ने आरजीएचएस में ‘जीरो टॉलरेंस’ नीति लागू करते हुए साफ संकेत दिया है कि फर्जी क्लेम, अनावश्यक जांच, दस्तावेजों में हेराफेरी और सरकारी धन के दुरुपयोग को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि नियमित ऑडिट के दौरान सामने आए मामलों में अस्पतालों को पूरा अवसर दिया गया। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. निधि पटेल ने प्रत्येक प्रकरण की विस्तृत सुनवाई कर दस्तावेजों, साक्ष्यों और रिकॉर्ड का परीक्षण किया। इसके बाद नियमों के अनुसार रिकवरी के आदेश जारी किए गए।

51 अस्पताल योजना से बाहर, 24 अस्पतालों से होगी करीब तीन करोड़ की रिकवरी

इन अनियमितताओं पर फंसे अस्पताल

ऑडिट में अस्पतालों द्वारा कई गंभीर गड़बड़ियां सामने आईं। इनमें एक ही मरीज के दस्तावेजों की डुप्लिकेसी, जरूरत से ज्यादा जांचें कराना, एक पैकेज में शामिल सेवाओं को अलग-अलग दिखाकर अतिरिक्त क्लेम लेना, आवश्यक दस्तावेजों के बिना भुगतान का दावा तथा ओपीडी मरीजों को अनुचित तरीके से आईपीडी में भर्ती दिखाकर क्लेम प्रस्तुत करना शामिल है। सरकार का कहना है कि इन अनियमितताओं से आरजीएचएस पर अनावश्यक वित्तीय बोझ पड़ा, इसलिए संबंधित अस्पतालों से राशि वसूलने का निर्णय लिया गया। रिकवरी सूची में जयपुर के अस्पतालों की संख्या सबसे अधिक है। इससे स्पष्ट है कि राजधानी के निजी अस्पताल भी ऑडिट की सख्त निगरानी से नहीं बच पाए।

मणिपाल, नारायणा, अपोलो, सोनी और इंडस समेत 7 बड़े अस्पतालों पर एक्शन

जयपुर: इन अस्पतालों से होगी वसूली

अस्पताल	राशि
सोनी हॉस्पिटल	5,95,438
इंडस जयपुर हॉस्पिटल	3,76,272
डॉ. सोमेंद्र डेंटल	18,77,422
महावीर जयपुरिया हॉस्पिटल	2,11,207
मणिपाल हॉस्पिटल	29,557
नारायणा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल	25,963
अपोलो स्पेशियलिटी हॉस्पिटल	25,000

प्रदेश के इन बड़े अस्पतालों की भी निकली रिकवरी

- पारस जेके हॉस्पिटल, उदयपुर-85.34 लाख
- जैसवाल हॉस्पिटल, कोटा-70.45 लाख
- जील हॉस्पिटल, डूंगरपुर-50.16 लाख
- एथोस हॉस्पिटल, कोटा-24.14 लाख
- कोटा हार्ट इंस्टीट्यूट-22.04 लाख

ऑडिट सिस्टम होगा और सख्त

“ आरजीएचएस में पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि राजकोष का प्रत्येक रुपया वास्तविक मरीजों के इलाज पर ही खर्च हो। इसके लिए ऑडिट व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा रहा है। भविष्य में फर्जी बिलिंग, अनियमित क्लेम, प्रक्रियागत उल्लंघन या वित्तीय गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित अस्पतालों के खिलाफ और भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

- हरजीलाल अटल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी

सख्त कार्रवाई जारी रहेगी

“ योजना का पैसा केवल पात्र लाभार्थियों के इलाज पर खर्च होना चाहिए। वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार करने वाले अस्पतालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

- गजेंद्र सिंह खींवसर
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री

सीतापुरा गैस प्लांट पर हाई कोर्ट सख्त

आदेश की अवहेलना पर FIR, पुलिस कोर्ट में पेश करेगी रिपोर्ट

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान उच्च न्यायालय में लंबित सीतापुरा आईओसीएल गैस बॉटलिंग प्लांट को आबादी से दूर स्थानांतरित करने की मांग से जुड़ी जनहित याचिका में सांगानेर सदर थाना पुलिस ने हाई कोर्ट के 25 जुलाई, 2024 के आदेश की पालना में प्लांट प्रभारी संजय गुप्ता, सिक्योरिटी हेड हरसहाय सहित स्थानीय प्रबंधन के खिलाफ प्लांट के बाहर सड़क पर एलपीजी टैंकर और गैस सिलेंडरों से भरे ट्रक खड़े करने के मामले में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने इसकी रिपोर्ट न्यायालय को भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

याचिकाकर्ता ओम प्रकाश टांक ने अपने अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा के माध्यम से न्यायालय में शपथ पत्र पेश कर एफआईआर दर्ज होने की जानकारी दी। अधिवक्ता ने बताया कि प्रारंभिक सुनवाई के दौरान ही हाई कोर्ट ने प्लांट के बाहर एलपीजी टैंकर और गैस सिलेंडरों से लदे ट्रकों को सड़क पर खड़ा करने पर रोक लगाई थी। इसके बावजूद सड़क पर लगातार टैंकर और ट्रक खड़े किए जा रहे थे। शपथ पत्र के अनुसार, याचिकाकर्ता ने 10 जुलाई सहित विभिन्न तिथियों के जियो-टैग फोटो, वीडियो और वाहनों के नंबरों सहित पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि न्यायालय के आदेश के बाद भी एलपीजी से भरे टैंकर और गैस सिलेंडरों से लदे ट्रक सड़क पर खड़े किए जा रहे हैं। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि कुछ माह पहले गैस सिलेंडरों से लदे एक ट्रक में आग लगने की घटना हुई थी, लेकिन कंपनी ने न तो प्राथमिकी दर्ज कराई और ना ही आपदा प्रबंधन प्रोटोकॉल के तहत फायर इंसिडेंट रिपोर्ट तैयार कर संबंधित विभागों को सूचना दी। याचिकाकर्ता ने प्लांट प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सीतापुरा गैस बॉटलिंग प्लांट को तत्काल आबादी से दूर स्थानांतरित करने की मांग की है। मामले में अगली सुनवाई 27 जुलाई को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में होगी।

शहरी सेवा शिविर की रियायतें अब 15 अगस्त तक बढ़ाई

बेधड़क | जयपुर

शहरी सेवा शिविर-2026 के दौरान आवेदन करने वाले हजारों लोगों के लिए राहत भरी खबर है। राज्य सरकार ने शिविर अवधि में दी गई सभी विशेष छूटों और रियायतों की वैधता अब 15 अगस्त 2026 तक बढ़ा दी है। इससे शिविर के दौरान प्राप्त हुए लंबित ऑनलाइन आवेदन और प्रार्थना-पत्रों का निस्तारण उसी रियायती व्यवस्था के तहत किया जाएगा, जो शिविर के दौरान लागू थी। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग (यूडीएच-एलएसजी) ने इस संबंध में आदेश जारी कर प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को निर्देश दिए हैं कि 15 अगस्त तक लंबित सभी प्रकरणों का हर हाल में समयबद्ध निस्तारण किया जाए।

चोखी ढाणी पर फूड सेफ्टी का शिकंजा

90 किलो काजू टुकड़ी सीज, तेल मिला ‘अनसेफ’

181 पोर्टल की शिकायत पर कार्रवाई, तेल और मावा के लिए सैंपल

बेधड़क | जयपुर

जयपुर की चोखी ढाणी पर फूड सेफ्टी टीम ने बड़ी कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान किचन में इस्तेमाल हो रहे खाद्य तेल का टोटल पोलर कंपाउंड (TPC) 31 प्रतिशत पाया गया, जबकि इसकी अधिकतम अनुमेय सीमा 25 प्रतिशत है। अधिकारियों के अनुसार यह तेल स्वास्थ्य के लिए अनसेफ श्रेणी में आता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र खींवसर के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई की शुरुआत 181 पोर्टल पर मिली शिकायत के आधार पर की गई। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि मौके से उपयोग में लिए जा रहे रिफाइंड सोयाबीन तेल का नमूना लेकर जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। सीएमएचओ द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सब्जी बनाने में इस्तेमाल की जा रही काजू टुकड़ी की गुणवत्ता भी संदिग्ध मिली। पैकिंग पर निर्माण और एक्सपायरी तिथि अंकित नहीं थी। इसके चलते नमूना लेने के साथ ही करीब 90 किलो काजू टुकड़ी (9 डिब्बे) जांच रिपोर्ट आने तक सीज कर दी गई। टीम ने मौके से उपयोग में लिया जा रहा मावा भी जांच के लिए सैंपल के रूप में लिया। इसके अलावा खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग और लेबलिंग में भ्रामक जानकारी से जुड़े उल्लंघनों पर भी वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। फूड सेफ्टी टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, विनोद थारवान और राजेश नागर शामिल रहे।

चोखी ढाणी में शुक्रवार को कार्रवाई करती फूड सेफ्टी टीम और जांच के दौरान अनसेफ मिला तेल।

प्रदेशभर में पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन

2062 ठिकानों पर दबिश... 803 अरेस्ट

बेधड़क | जयपुर

अपराधियों पर शिकंजा कसने और यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने गुरुवार को पूरे प्रदेश में एक साथ बड़ा जांच अभियान चलाया। पुलिस ने 912 नाकाबंदी पॉइंट पर 61 हजार 909 वाहनों को खंगाला और नियम तोड़ने वाले 13 हजार 761 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की।

अभियान के दौरान पुलिस ने 83 आरोपियों को विभिन्न मामलों में गिरफ्तार किया, जबकि 169 संदिग्धों को बीएनएस की धारा 170 के तहत हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आर्म्स एक्ट, आबकारी और एनडीपीएस एक्ट के तहत भी कार्रवाई करते हुए हथियार, मादक पदार्थ और अवैध शराब बरामद की। बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 4 हजार 554 लोगों, बिना सीट बेल्ट के 1 हजार 192 चालकों, शराब पीकर वाहन चलाने वाले 334 लोगों और काली फिल्म लगे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इधर, जयपुर रेंज के सभी जिलों में 1519 पुलिस अधिकारियों और जवानों की 350 टीमों ने 2062 स्थानों पर दबिश दी। पुलिस ने 803 वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई में विभिन्न अधिनियमों के तहत 80 नए प्रकरण दर्ज किए गए।

जयपुर रेंज में अपराधियों के ठिकानों पर दबिश देती पुलिस।

जरूरी खबर

झाड़ियों में मिली नवजात, अस्पताल में कराया भर्ती

बीकानेर। कोलायत क्षेत्र के रणजीतपुरा गांव में शुक्रवार सुबह मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई। जन्म के कुछ घंटे बाद ही एक नवजात बच्ची को झाड़ियों के बीच खंडहर में परित्यक्त अवस्था में छोड़ दिया गया। रोने की आवाज सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने बच्ची को चींटियों से घिरा देखा और तत्काल स्वास्थ्य विभाग तथा पुलिस को सूचना दी। एएनएम मधु श्रीवास्तव बच्ची को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गईं, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों के अनुसार बच्ची की हालत खतरे से बाहर है। पुलिस नवजात को छोड़ने वालों की पहचान के लिए जांच कर रही है।

नगर परिषद उपाध्यक्ष की हत्या में दो को उम्रकैद

बारां। बहुचर्चित नगर परिषद उपाध्यक्ष गौरव शर्मा हत्याकांड में जिला एवं सत्र न्यायालय बारां ने शुक्रवार को अभियुक्त राजेन्द्र कुमार उर्फ राजू और रामकुंवार मीणा को हत्या का दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्यनारायण टेलर ने दोनों पर एक-एक लाख रुपए का अर्थदंड भी लगाया। रामकुंवार मीणा को आर्म्स एक्ट के तहत तीन वर्ष का कठोर कारावास और 10 हजार रुपए अतिरिक्त अर्थदंड की सजा भी सुनाई गई। मामला वर्ष 2023 के चर्चित जमीन विवाद से जुड़ा था।

LDC परीक्षा में नकल: आरोपियों को मिली जमानत

जैसलमेर। हाल ही 5 जुलाई 2026 को हुई एलडीसी भर्ती परीक्षा नकल प्रकरण में मुख्य आरोपी पदमसिंह और मनु कंवर को अदालत से जमानत मिल गई। पदमसिंह को एक लाख रुपए के निजी मुचलके तथा 50-50 हजार रुपए की दो जमानतों पर रिहा करने के आदेश दिए गए। सुनवाई के दौरान आरोपियों के अधिवक्ता कंवराज सिंह राठौड़ ने पुलिस पर एफआईआर से पहले अवैध हिरासत में रखकर मारपीट करने तथा पदमसिंह का कान का पर्दा फाड़ने का आरोप लगाया। अदालत ने आरोपों को गंभीर मानते हुए जवाहिर अस्पताल के पीएमओ को ईएनटी विशेषज्ञ सहित मेडिकल बोर्ड गठित कर जांच कराने के निर्देश दिए। वहीं, मनु कंवर ने भी प्रताड़ना का आरोप लगाया। पुलिस ने सभी आरोपों से इनकार किया।

गलत ब्लड चढ़ाने से यूरिन में रक्त आने लगा

उम्मेद अस्पताल में प्रसूता को O+ की जगह B+ रक्त चढ़ाया

■ जांच समिति गठित, आईसीयू में चल रहा उपचार

बेधड़क | जोधपुर

उम्मेद अस्पताल में एक प्रसूता को कथित रूप से गलत ब्लड चढ़ाने का मामला सामने आया है। जोधपुर जिले के डावरा बावड़ी निवासी धापू भील (24) को 11 जुलाई को सामान्य प्रसव के बाद खून की कमी के कारण उम्मेद अस्पताल रेफर किया गया था।

परिजनों के अनुसार पहले ओ पॉजिटिव रक्त चढ़ाने के बाद स्थिति सामान्य थी, लेकिन 12 जुलाई की रात कथित रूप से बी पॉजिटिव रक्त चढ़ाए जाने के बाद उन्हें तेज कंपकपी होने लगी, पेशाब बंद हो गया और यूरिन में रक्त आने लगा। हालत बिगड़ने पर उन्हें महात्मा गांधी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया, जहां उनका डायलिसिस किया जा रहा है।

समान नाम होने से हुई गड़बड़ी

एमजीएच अधीक्षक डॉ. फतेह सिंह ने बताया कि गलत रक्त चढ़ने से किडनी प्रभावित हुई, हालांकि उपचार के बाद हालत में सुधार है। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने उन्हें सही जानकारी नहीं दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार समान नाम और पति के नाम भी समान होने से रक्त चढ़ाने में गड़बड़ी हुई। उम्मेद अस्पताल अधीक्षक डॉ. मोहन मकवाना ने मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की है। वहीं, डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बीएस जोधा ने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एम्स में ऐसे ही केस में मौत हो चुकी

शहर के अस्पतालों में गलत खून चढ़ाने का यह एक साल में तीसरा मामला है। पिछले वर्ष अक्टूबर में जोधपुर एम्स में मांगीलाल बिश्नोई (50) को कथित रूप से बिना आवश्यकता रक्त चढ़ा दिया गया था, जिनकी बाद में मृत्यु हो गई। नवंबर में एमजीएच के कॉटेज वार्ड में बी पॉजिटिव रक्त ए पॉजिटिव ग्रुप के एक बास्केटबॉल खिलाड़ी को चढ़ा दिया गया था।

प्रसूता की मौत, लापरवाही का आरोप

बांसवाड़ा। आनंदपुरी थाना क्षेत्र के गांगड़तलाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डिलीवरी के बाद 23 वर्षीय प्रसूता सरला पत्नी रमेश की तबीयत बिगड़ने पर मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि रात में ब्लड प्रेशर गिरने के बावजूद ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ ने समय पर उपचार नहीं किया तथा बुलाने पर भी नहीं उठे। सुबह हालत गंभीर होने पर उसे एमजी अस्पताल, बांसवाड़ा रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतका की एक वर्ष पूर्व शादी हुई थी और यह उसकी पहली संतान थी। मृतका के ससुर प्रभु और देवर दिनेश कुमार मईड़ा ने चिकित्सकीय लापरवाही की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

महादेव ट्रेडिंग: राजस्थान, बिहार व दिल्ली के 8 ठिकानों पर छापेमारी

BJP नेता अशोक चांडक से जुड़े ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई

■ एक करोड़ से अधिक नकदी मिली

बेधड़क | जयपुर

बिहार में कथित अवैध बालू खनन और उससे जुड़े धनशोधन प्रकरण में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को राजस्थान, बिहार और दिल्ली में एक साथ बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल आठ ठिकानों पर छापेमारी की। राजस्थान में श्रीगंगानगर के चार तथा जयपुर के एक ठिकाने सहित महादेव एनक्लेव प्रा. लि. के निदेशक एवं श्रीगंगानगर से कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुके वर्तमान भाजपा नेता अशोक चांडक, उनके पुत्र राघव चांडक तथा कम्पनी के निदेशक कार्तिक राठी से जुड़े परिसरों की तलाशी ली गई। कार्रवाई शुक्रवार सुबह शुरू हुई और देर रात तक जारी रही। सूत्रों के अनुसार छापेमारी के दौरान एक करोड़ रुपए से अधिक नकदी, अनेक वित्तीय दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड, कंप्यूटर, मोबाइल, हार्ड डिस्क तथा बैंक लेन-देन से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं। हालांकि प्रवर्तन निदेशालय ने अभी तक बरामदगी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। जांच एजेंसी का कहना है कि कार्रवाई पूरी होने तथा जब्त सामग्री की जांच के बाद ही अधिकृत जानकारी जारी की जाएगी।

जयपुर में है पंजीकृत कार्यालय

महादेव एनक्लेव प्रा. लि. का पंजीकृत कार्यालय जयपुर के वैशाली नगर स्थित हनुमान नगर में है। कम्पनी पर बिहार के बांका जिले में संचालित 15 से अधिक बालू खदानों में कथित अवैध खनन का आरोप है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार बिहार सरकार के खान एवं भू-तत्व विभाग ने शिकायतों के बाद आईआईटी पटना से जियोग्राफिकल सर्वे कराया था। सर्वे में वर्ष 2015-16 से 2022-23 के दौरान बड़े पैमाने पर कथित अवैध बालू खनन सामने आने का दावा किया गया। आरोप है कि इससे बिहार सरकार को लगभग 131 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ। बताया गया कि बिहार सरकार के खान एवं भू-तत्व विभाग द्वारा 21 अगस्त 2025 को दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ईडी के पटना क्षेत्रीय कार्यालय ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की। इसी क्रम में राजस्थान, बिहार और दिल्ली में समन्वित कार्रवाई की गई। जांच के दौरान अधिकारियों ने वित्तीय लेन-देन, निवेश, रियल एस्टेट और अन्य कारोबारी गतिविधियों से जुड़े दस्तावेजों का भी परीक्षण किया। अशोक चांडक वर्ष 2018 में कांग्रेस के टिकट पर श्रीगंगानगर विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले उन्होंने भाजपा की

सदस्यता ग्रहण की थी। उनकी पत्नी करुणा चांडक श्रीगंगानगर नगर परिषद की पूर्व सभापति रह चुकी हैं। सूत्रों के अनुसार ईडी की जांच फिलहाल कथित मनी लॉन्ड्रिंग, संदिग्ध वित्तीय लेन-देन तथा अवैध खनन से अर्जित धन के उपयोग पर केंद्रित है। जांच पूरी होने के बाद एजेंसी विस्तृत खुलासा कर सकती है।

कार्रवाई पर टिकी राजनीतिक व कारोबारी नजर

ईडी की कार्रवाई के बाद राजस्थान और बिहार के राजनीतिक तथा कारोबारी हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। एजेंसी ने अभी तक कोई आधिकारिक प्रेस नोट जारी नहीं किया है। जब्त दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच पूरी होने के बाद ही बरामदगी, वित्तीय अनियमितताओं और आगे की कानूनी कार्रवाई की स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी।

छह किलो अफीम, एक करोड़ छह लाख रुपए नकद बरामद

पूर्व एनएसजी कमांडो ड्रग तस्करी के आरोप में गिरफ्तार

जोधपुर। जोधपुर जिला पूर्व पुलिस ने गुरुवार रात मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ तीन स्थानों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व एनएसजी कमांडो रतन सिंह को गिरफ्तार किया। डीसीपी ईस्ट मनीष चौधरी ने बताया कि बनाड़ थाना क्षेत्र स्थित उसके घर से छह किलो अफीम, एक करोड़ छह लाख 50 हजार रुपए नकद और एक कार बरामद की गई। पुलिस के अनुसार रतन सिंह वर्ष 2021 तक असम राइफल्स में रहा

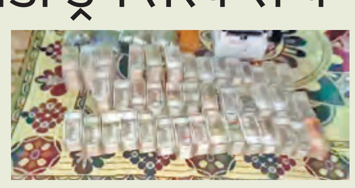

और बाद में एनएसजी कमांडो बना। मणिपुर में तैनाती के दौरान वह कथित रूप से ड्रग तस्करों के संपर्क में आया और सेवा छोड़ने के बाद तस्करी में सक्रिय हो गया। इसके बाद जाजीवाल क्षेत्र में रामनिवास विश्नोई के घर से छह किलो अफीम और छह लाख रुपये बरामद किए गए। वहीं डांगियावास थाना क्षेत्र में एक वाहन से 40 किलो से अधिक डोडा पोस्त जब्त कर बालोतरा निवासी दिनेश विश्नोई को हिरासत में लिया गया। रतन सिंह के घर से मिली भारी नकदी गिनने के लिए मशीन उपलब्ध नहीं होने से पुलिसकर्मियों को घंटों तक नोटों की गिनती करनी पड़ी। पुलिस पूरे नेटवर्क और बरामद मादक पदार्थों के स्रोत की जांच कर रही है।

प्रदेशवासियों को बारिश का इंतजार

राज्य के 693 में से 282 बांध खाली

बेधड़क | जयपुर

राज्य में मानसून की रफ्तार फिलहाल थमी हुई है, लेकिन मौसम विभाग ने 21 जुलाई से एक बार फिर मानसून के सक्रिय होने के संकेत दिए हैं। विभाग के मुताबिक राज्य में अगले 3-4 दिन मानसून कमजोर रहेगा। इसके बाद 21 जुलाई से पूर्वी राजस्थान में बारिश की गतिविधियां बढ़ने के आसार हैं। हालांकि कोटा में शुक्रवार दोपहर बाद मौसम बदला और झमाझम बारिश हुई। करीब 2 सप्ताह बाद हुई बरसात से लोगों को गर्मी से राहत मिली। जयपुर में मानसून की बेरुखी सबसे ज्यादा चिंता का विषय बनती जा रही है. पिछले 11 दिनों से शहर में एक मिलीमीटर भी बारिश दर्ज नहीं हुई। मानसून दस्तक केबावजूद बांधों में पानी का स्तर लगातार गिर रहा है। प्रदेश के 693 बांधों में कुल क्षमता का 45.43 फीसदी ही पानी ही बचा है, जबकि पिछले साल इसी समय यह आंकड़ा 63.20 फीसदी था। जल संसाधन विभाग की 17 जुलाई की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के 693 बांधों में कुल 5,919.09 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी ही बचा है, जो बांधों की कुल क्षमता 13,029.09 का 45.43 प्रतिशत ही है। पिछले वर्ष 17 जुलाई को यही जलभराव 63.20 प्रतिशत (8234.55 Mcum) था। यानी इस बार पिछले साल की तुलना में लगभग 2315.46 Mcum कम पानी है। वहीं राजस्थान के ज्यादातर शहर पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। प्रदेश में मानसून सीजन 1 जून से अब तक औसत बारिश 129.07 प्रतिशत के स्थान पर 112.78 प्रतिशत ही हुई है। इसमें सर्वाधिक बारिश प्रतापगढ़ के अरनोद क्षेत्र में 382 मिलीमीटर दर्ज हुई है।

23 प्रमुख बांधों में भी पानी कम

प्रदेश के 23 बांधों में कुल जलभराव 57.02 प्रतिशत है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 73.73 प्रतिशत पानी संचित था। सर्वाधिक पानी कोटा जोन के 81 बांधों में 56.18 प्रतिशत है। इसी तरह जयपुर जोन के 186 बांधों में 47.56, बांसवाड़ा जोन के 63 बांधों में 45.36, उदयपुर जोन के 178 बांधों में 36.60 प्रतिशत पानी बांधों में बचा है। भरतपुर जोन के 68 बांधों में 25.48 व जोधपुर जोन के 117 बांधों में 17.76 प्रतिशत ही पानी बचा है। कुल 693 बांधों में से 282 बांध पूरी तरह खाली पड़े हैं।

चार दशक की प्रतीक्षा समाप्त, मिले नए भवन

‘नवाचार से किसानों को सशक्त बनाएं’

बेधड़क | भुसावर

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि कृषि शिक्षा से प्राप्त वैज्ञानिक जानकारी गांव-गांव तक पहुंचे, तभी किसान आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक खेती से जुड़कर समृद्ध बन सकेंगे। वे श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की अधीनस्थ इकाई कृषि महाविद्यालय, भुसावर में नवनिर्मित प्रशासनिक एवं अकादमिक भवन, कन्या छात्रावास तथा कैंटीन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। स्टार्टअप, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा और अनुसंधान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी समय की आवश्यकता है। कृषि, उद्यानिकी एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल ने मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक उपयोग, प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने तथा नकली खाद बनाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

शोध और पांडुलिपि संरक्षण का राष्ट्रीय केंद्र बनेगा प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान

‘पांडुलिपियों का वैज्ञानिक रूप से डिजिटाइजेशन जरूरी’

बेधड़क | बीकानेर

जिला कलेक्टर निशांत जैन ने शुक्रवार को राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान का निरीक्षण कर कहा कि यह संस्थान शोध एवं पांडुलिपि संरक्षण के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में विकसित होने की क्षमता रखता है। उन्होंने 29 हजार से अधिक दुर्लभ पांडुलिपियों तथा 217 से अधिक शोध एवं संदर्भ ग्रंथों का अवलोकन करते हुए आधुनिक पांडुलिपि परिरक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक संरक्षण और डिजिटाइजेशन के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्परा को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाया जा सकेगा। डिजिटाइजेशन कार्य पर संतोष जताते हुए कहा कि समृद्ध संग्रह और शोध सामग्री के आधार पर बीकानेर का यह संस्थान राष्ट्रीय स्तर पर शोध, संरक्षण और अकादमिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन सकता है। प्रतिष्ठान के वरिष्ठ अधिकारी एवं ज्ञान भारतम् मिशन के नोडल अधिकारी डॉ. नितिन गोयल ने बताया कि संस्थान में लगभग 19 हजार जैन साहित्य संबंधी पांडुलिपियां संरक्षित हैं। उन्होंने एआई आधारित कॉन्फ्रेंस, डिजिटाइजेशन, शोध गतिविधियों तथा ‘सुनी, लिखी, पढ़ी’ व्याख्यान श्रृंखला की जानकारी दी।

मानगढ़ महासम्मेलन में जुटे चार राज्यों से आदिवासी

मानगढ़ धाम से फिर उठी अलग भील प्रदेश की मांग

■ वक्ताओं ने आदिवासी अधिकारों और क्षेत्रीय विकास का मुद्दा प्रमुखता से उठाया

बेधड़क | बांसवाड़ा

मानगढ़ धाम पर गुरुवार को भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा के तत्वावधान में सामाजिक एवं गैर-राजनीतिक बैनर तले आयोजित महासम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज को उसके संवैधानिक अधिकार, सम्मान और विकास से लंबे समय तक वंचित रखा गया है। उन्होंने राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र तथा केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली के आदिवासी क्षेत्रों को मिलाकर अलग भील प्रदेश के गठन की मांग दोहराई। महासम्मेलन में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए। बीएपी जिला उपाध्यक्ष विनोद कुमार खराड़ी ने कहा कि आजादी के दशकों बाद भी सीमावर्ती आदिवासी क्षेत्रों का अपेक्षित विकास नहीं हो सका। अलग-अलग राज्यों में बंटे होने के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार व प्रशासनिक सुविधाओं का समान लाभ नहीं मिल रहा है। यह आंदोलन आदिवासी समाज के अधिकारों व पहचान की लड़ाई है।

सभी सरकारों ने किया सौतेला व्यवहार

कार्यक्रम में सांसद राजकुमार रोत स्विट्जरलैंड प्रवास के कारण उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने फोन संदेश के माध्यम से कहा कि चार राज्यों की सरकारों ने आदिवासी क्षेत्रों की लगातार उपेक्षा की है। इसी कारण क्षेत्र आज भी पिछड़ेपन से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के साथ सभी सरकारों ने सौतेला व्यवहार किया, जिससे अलग भील प्रदेश की मांग और मजबूत हुई है।

आरक्षण के बावजूद नहीं मिल रहा लाभ

महासम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था होने के बावजूद उसका पूरा लाभ समाज के युवाओं तक नहीं पहुंच रहा है। आदिवासियों के उत्पीड़न, विस्थापन और मूलभूत सुविधाओं की कमी पर भी चिंता व्यक्त करते हुए प्रभावी नीतियां बनाने की मांग की गई। अलग राज्य बनने से सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को प्रशासनिक, शैक्षणिक और आर्थिक सुविधाओं का बेहतर लाभ मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन शांतिपूर्ण और अनुशासित वातावरण में आयोजन समिति के भंवरलाल परमार तथा आदिवासी समाज के सदस्यों की देखरेख में हुआ। सम्मेलन में भारत आदिवासी पार्टी के विधायक कमलेश डोडियार, थावरचंद मीणा, उमेश मीणा, अनिल कटारा और जयकृष्ण पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि ने सामाजिक एकता बनाए रखते हुए संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से आदिवासी अधिकारों की आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

मांगों को लेकर किसानों ने सौंपा ज्ञापन

बांडी नदी में नर्मदा जल नहीं छोड़ने पर आंदोलन की चेतावनी

बेधड़क | भीनमाल

बांडी नदी बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में शुक्रवार को बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर बांडी नदी में नर्मदा नहर का पानी छोड़े जाने, सिणधरा बांध की ऊंचाई 45 फीट से घटाकर 22 फीट करने तथा क्षेत्र की पेयजल समस्या के स्थाई समाधान की मांग की। समिति के प्रमुख सेवादार श्रवण सिंह राठौड़ ने कहा कि बांध बनने के बाद नदी का प्राकृतिक प्रवाह रुकने से 120 गांवों में भूजल स्तर लगातार गिरा है। किसानों ने दासपां, कोरा सहित वंचित गांवों को नर्मदा (ईआर) परियोजना से जोड़ने और जल वितरण समिति में प्रभावित गांवों के प्रतिनिधियों को शामिल करने की भी मांग रखी।

बिड़ला सभागार में हनुमत कथा का आयोजन

हनुमानजी जैसा अतुलनीय व्यक्तित्व कहीं और नहीं: गोविंद देव गिरी

बेधड़क | जयपुर

हनुमानजी का जीवन केवल भक्ति की कथा नहीं, बल्कि साहस, धैर्य, सेवा और समर्पण का अद्भुत उदाहरण है। वेदों से लेकर पुराणों तक चिंतन करने पर हनुमानजी जैसा अतुलनीय व्यक्तित्व कहीं और दिखाई नहीं देता। यह विचार राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज ने स्टेच्यू सर्किल स्थित बिड़ला सभागार में हनुमत कथा के प्रथम दिन व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हनुमानजी बुद्धि और बल के स्वामी हैं जो अपने भक्तों की कामनाओं को पूर्ण करते हैं। हनुमानजी की स्वतंत्र कथा का विशेष रूप से प्रचार नहीं हो रहा है। काफी चिंतन के बाद अनुभव हुआ कि हनुमानजी की अलग कथा होनी चाहिए। केवल सुंदरकांड ही हनुमानजी की संपूर्ण कथा नहीं है। हनुमान कथा के सबसे बड़े श्रोता स्वयं भगवान राम हैं।

ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ के आनंद राठी ने कहा कि स्वामीजी के निर्देशन में अब तक 50 वेद विद्यालय खोल चुके हैं। एक विद्यालय जयपुर में भी चल रहा है। स्कूल खोलकर चारों वेदों का उनमें विद्यार्थियों को अध्ययन करवाना ये हम सबके लिए हर्ष का विषय है। राठी ने कहा कि हनुमान जैसा मैनेजर दुनिया में दूसरा कोई नहीं हुआ। उनके जीवन चरित्र का बारीकी से अध्य्यन करें तो जीवन मधुर और सफल हो जाएगा।

महाभारत कथा में जीवन की अनेक शिक्षाएं

गोविंद देव गिरी महाराज ने कहा कि जैसे महाभारत आज पूरे विश्व के लिए प्रेरणादायक ग्रंथ है वैसे ही हनुमानजी की कथा भी जीवन को नई दिशा देने वाली है। उन्होंने बताया कि करीब 27 वर्ष पहले जब उन्होंने महाभारत कथा करने का विचार किया था तब कई लोगों ने इसका विरोध किया था, लेकिन प्रयास जारी रखा। महाभारत को जाने बिना जीवन को पूरी तरह समझना संभव नहीं है। इस ग्रंथ में जीवन की अनेक शिक्षाएं और परिस्थितियों का समाधान मिलता है। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने भी हनुमानजी के शौर्य और गुणों की प्रशंसा की है। हनुमानजी बलवान होने के साथ-साथ धैर्यवान भी हैं। यही गुण उन्हें सबसे अलग बनाता है। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने हनुमानजी की जय, गोविंद देव भगवान की जय और नम: पार्वती पतये हर-हर महादेव के जयघोष लगाए। साथ ही राम-राम जय सीताराम, राम-राम जय राजाराम का सामूहिक संकीर्तन किया।

संतों की वाणी दिखाती है जीवन को बेहतर बनाने का मार्ग

आयोजक संदीप झंवर ने बताया कि वे पिछले सात वर्षों से स्वामी गोविंद देव गिरी के प्रवचन सुन रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वामीजी ज्ञान, भक्ति, कर्म और योग के प्रेरणा स्रोत हैं। हनुमत कथा के माध्यम से लोगों को जीवन में सही दिशा और सकारात्मक सोच प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि सनातन ग्रंथ, कथाएं और संतों की वाणी जीवन को बेहतर बनाने का मार्ग दिखाती हैं। कथा में ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ मुंबई से आनंद राठी, कांग्रेस नेता राजीव अरोड़ा, स्वामी राघवेन्द्र सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आर्य समाज मंदिर में वैदिक देवयज्ञ एवं सत्संग

गाय और यज्ञ भारतीय संस्कृति की आधारशिला: ईश्वर दान

बेधड़क | जयपुर

आदर्श नगर राजापार्क स्थित आर्य समाज मंदिर में महिला आर्य समाज के तत्वावधान में शुक्रवार को वैदिक देव यज्ञ एवं सत्संग का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला आर्य समाज की प्रधान शशि दीवान, मंत्री रमा तथा पंडिता सरला के पौरोहित्य में वैदिक मंत्रोच्चार और देव यज्ञ के साथ हुआ। यज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर विश्व शांति, पर्यावरण संरक्षण और समाज के कल्याण की कामना की।

देव यज्ञ के बाद आयोजित सत्संग में महामंडलेश्वर बाबा शंकर, गौ भक्त संत गोपालशरण तथा ईश्वर दान शास्त्री ने वैदिक संस्कृति, गौ संरक्षण और यज्ञ के महत्व पर अपने विचार रखे। शास्त्री ने कहा कि गाय और यज्ञ भारतीय संस्कृति की आधारशिला हैं। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं और मानव जीवन पर्यावरण तथा समाज के संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने गौ संवर्धन, पंचगव्य की उपयोगिता तथा यज्ञ के वैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इन परंपराओं का संरक्षण वर्तमान समय की आवश्यकता है। गौ भक्त संत गोपालशरण ने कहा कि गाय केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज कृषि स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था से भी जुड़ी हुई है।

संस्कृति संरक्षण तथा गौ सेवा का संकल्प

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं 'मन की बात' के राजस्थान प्रभारी मोतीलाल मीणा रहे। आर्य समाज की प्रधान मृदुला, कार्यकारी प्रधान रवि नैय्यर, जयपुर व्यापार मंडल के अध्यक्ष ललित सिंह सांचौरा तथा पंडित जानकी प्रसाद सहित अनेक गणमान्य नागरिक, आर्यजन और श्रद्धालु उपस्थित रहे। रवि नैय्यर ने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति की आत्मा है। गौ संरक्षण से समाज में समृद्धि, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ और विश्व कल्याण की प्रार्थना के साथ हुआ। अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं ने वैदिक संस्कृति के संरक्षण तथा गौ सेवा के संकल्प लिया।

आज का पंचांग

- **शुभ वि. सं. :** 2083
- **हिजरी सन:** 1448
- **ऋतु:** वर्षा ऋतु
- **संवत्सर का नाम:** रौद्र
- **मास:** आषाढ़
- **पक्ष:** शुक्ल पक्ष
- **शाके संवत:** 1948
- **अयन:** सूर्य दक्षिणायन

आज का दिन

शनिवार, 18 जुलाई, 2026

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज शुभ का चौघड़िया सुबह 7.29 से 9.10 बजे तक है। बाद में चर का दोपहर 12.33 से 2.14 बजे तक, फिर लाभ-अमृत का चौघड़िया 2.14 से 5.37 बजे तक है। इनमें शुभ कार्य कर सकते हैं।

अभिजीत: आज 11.59 से 12.54 बजे तक है।

तिथि: आज पंचमी तिथि रात 3.43 बजे तक है। इसके बाद में षष्ठी तिथि शुरू होगी।

दिशाशूल: पूर्व दिशा में रहेगा।

चंद्रमा: आज सिंह राशि में रात 11.59 बजे तक, बाद में कन्या राशि में रहेगा।

राहु काल: आज सुबह 9.00 से 10.30 बजे तक रहेगा।

नक्षत्र: पूर्वा फाल्गुनी शाम 6.35 बजे तक, फिर उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रहेगा।

योग: वरियान योग रात 8.46 बजे तक, बाद में परिघ योग रहेगा।

शुभाशुभ ज्ञान

गुरु अस्त पश्चिम में सुबह 10.25 बजे, स्कंध पंचमी, द्वारकाधीश पाटोत्सव कांकरोली (राजस्थान), श्री बल्लाभाचार्य बैकुंठवास, हेरा पंचमी उड़ीसा।

-पं. अवधेश शर्मा

शहर में आज

- टोंक रोड सांगानेर स्थित वैदिक औषधीय पादप केंद्र में राजस्थान महिला किसान संवाद समारोह शाम 4.30 बजे।
- श्री दिगम्बर जैन मंदिर पार्श्वनाथ जी सोनियान जयपुर में उपाध्याय उर्जयंत सागर महाराज का मंगल प्रवेश शाम 6 बजे।
- राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के मुख्य सभागार में बाबूजी धीरे चलना ए गीता दत्त म्यूजिकल इवनिंग शाम 6.30 बजे।

सुवृष्टि पर्जन्य गायत्री महायज्ञ कल

जयपुर। अच्छी वर्षा की कामना को लेकर आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में रविवार सुबह 8 बजे सुवृष्टि पर्जन्य गायत्री महायज्ञ आयोजित किया जाएगा। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी महाराज के सान्निध्य में होने वाले यज्ञ में वरुण देवता का पूजन कर विशेष वेद मंत्रों से आहुतियां दी जाएंगी। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी की टोली यज्ञ संपन्न कराएगी। आयोजन में जन्मदिन, विवाह दिवस और गर्भस्थ शिशु के सर्वांगीण विकास के लिए पुंसवन संस्कार निशुल्क कराए जाएंगे।

डिग्गी कल्याणजी की 61वीं लक्खी पदयात्रा 18 अगस्त से

लाखों श्रद्धालु नंगे पांव पैदल और कनक दंडवत करते हुए होंगे रवाना

- गंगोत्री से लाए पवित्र गंगाजल से होगा कल्याणजी महाराज का अभिषेक

बेधड़क | जयपुर

सेवा और सनातन परंपरा का अद्भुत संगम मानी जाने वाली कल्याणजी डिग्गीपुरी की 61वीं लक्खी पदयात्रा इस वर्ष 18 अगस्त से शुरू होगी। राजस्थान की सबसे बड़ी धार्मिक यात्राओं में शामिल इस ऐतिहासिक पदयात्रा में प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों से भी लाखों श्रद्धालु नंगे पांव कल्याणजी के दर्शनों के लिए डिग्गीपुरी की ओर पैदल और कनक दंडवत लगाते हुए रवाना होंगे।

पदयात्रा का शुभारंभ 18 अगस्त को सुबह 9 बजे जयपुर के चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर महादेव मंदिर से होगा। यात्रा का पहला पड़ाव मदरामपुरा, दूसरा हरसूलिया, तीसरा फागी, चौथा चौसला तथा अंतिम पड़ाव 22 अगस्त को विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल डिग्गीपुरी में होगा। यात्रा के समापन पर शाम 5 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद गंगोत्री से लाए गए पवित्र गंगाजल से कल्याणजी महाराज का विशेष अभिषेक किया जाएगा। प्रत्येक पड़ाव पर रात्रि में भजन, रासलीला और सत्संग के आयोजन होंगे। पदयात्रा के अध्यक्ष एवं संचालक श्रीजी शर्मा ने बताया कि यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए विश्राम, भोजन, पेयजल, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यापक व्यवस्था की जाएगी। जगह-जगह सेवा शिविर लगाए जाएंगे, जहां स्वयंसेवक दिन-रात यात्रियों की सेवा में जुटे रहेंगे। यही सेवा भाव इस यात्रा की सबसे बड़ी पहचान माना जाता है।

1964 में इस कार को बनाया था रथ।

लोगों की अटूट आस्था का केंद्र

डिग्गी कल्याणजी की पदयात्रा वर्षों से लाखों लोगों की अटूट आस्था का केंद्र बनी हुई है। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई यह यात्रा मनोकामनाएं पूर्ण करती है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इससे चर्म रोगों में लाभ मिलता है तथा संतान सुख की कामना लेकर आने वाले दंपतियों की मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। डिग्गी कल्याणजी मंदिर का इतिहास हजारों वर्ष पुराना माना जाता है। वर्तमान लक्खी पदयात्रा की शुरुआत वर्ष 1964 में सावन सुदी छठ के दिन दादा रामेश्वर लाल ने ध्वज और आसमानी रंग की कार को रथ बनाकर की थी।

फूल बंगला महोत्सव आयोजित

निरखो फूलों का बंगला में सियाराम बिराजै छै...

बेधड़क | जयपुर

गणपति प्लाजा के पीछे स्थित झालानी भवन में समाज श्री सीतारामजी की ओर से शुक्रवार को पारंपरिक फूल बंगला महोत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर भगवान सीतारामजी को फूल बंगले में विराजमान कराया। समाज के मंत्री रामबाबू झालानी ने बताया कि यह महोत्सव प्रत्येक वर्ष आषाढ़ शुक्ल तृतीया को आयोजित किया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1967 में राधा देवी झालानी ने की थी। परंपरा के अनुसार तृतीया से एक दिन पहले 24 घंटे की अखंड रामधुनी होती है तथा अगले दिन फूल बंगला महोत्सव मनाया जाता है। इस दौरान भगवान को शीतल भोग अर्पित किया गया। महोत्सव में समाज की महिलाओं ने पारंपरिक पदों और भक्तिमय नृत्य की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। राजकुमारी अग्रवाल, उर्मिला झालानी, मुन्नी देवी अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, सुशीला शर्मा, आशा झालानी, इंदू, आशा, नूपुर, गीतिका, पूजा बुगुल तथा कोमल ने दिखाओ मोज बंगले की, पिया ऋतु है गर्मी की..., सिया ने किया सुमन श्रृंगार... तथा निरखो फूलों का बंगला में सियाराम बिराजै छै... सहित अनेक पारंपरिक पद प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

सैन महाराज का मनाया पाटोत्सव

बेधड़क | जयपुर

दिल्ली बाईपास रोड स्थित बंध की घाटी के शिव मंदिर में सैन समाज शिव-हनुमान सेवा एवं विकास समिति जयपुर की ओर से संत शिरोमणि सैन महाराज का पाटोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने भाग लेकर सैन महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित किए। समिति के कोषाध्यक्ष उमेश सैन सामोद वालों ने बताया कि आयोजन के दौरान जुड़ो कराटे में नेशनल गोल्ड मेडल विजेता गणेश सैन को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समिति अध्यक्ष कालूराम सैन भांकरी, संरक्षक मुकेश भदादा, श्याम लाल सैन सामोद और ट्रस्टी रामजीलाल सैन ने वरिष्ठ सलाहकार एडवोकेट खूबीलाल सैन, एडवोकेट देशराज सैन और डॉ. हितेश सैन का सम्मान किया। कार्यक्रम की शुरुआत कलश यात्रा और महाआरती के साथ हुई। इसके बाद सैन समाज के सैकड़ों लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक : F-JDA/PRO/2026/D-V-71 दिनांक - 17.07.2026

शहरी सेवा शिविर । आम सूचना

आवेदकों द्वारा अपनी सम्पत्ति के पट्टे/अन्य कार्य हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किये गये है। जिनका विस्तृत विवरण जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट jda.rajasthan.gov.in पर जाकर देख सकते है। अतः इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से online अथवा जोन कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड के संबंध में नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

क्र. सं.	जोन / आवेदन क्रमांक	भू.सं.	गृ.नि.स.स.लि./योजना का नाम	आवेदक
1	11 / 232984	19	(Private), Prem Kunj, Name Transfer	Shuchita Khandelwal W/o Neeraj Gupta
2	11 / 312143	S-55	(Private),Manglams Park View, Name Transfer	Advait Raj Singh Shouhan S/o Brijraj Singh Chouhan (POA Natasha Chouhan W/o Brijraj Singh Chouhan) & Natasha Chouhan W/o Brijraj Singh Chouhan
3	11 / 303575	109	(JDA), Balmukundpura, Sector/Block-B Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed), Original Lease Deed (Patta)	Varun Kumar Jain S/o Gulab Chand Jain
4	11 / 311406	25	(Private), Shree Shyam Vihar, Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed), Original Lease Deed (Patta)	Sunita Devi W/o Rajesh Kumar Dholiwal
5	11 / 304662	S274	(JDA), Sez Rehabilitation Scheme (Village Tilawas), Issue of [Lease/Free Hold] Deed (E-Patta)	Mahesh Agrawal S/o Ramesh Chand Agarwal
6	11 / 304382	232	(JDA), Balmukundpura, Sector/ Block-A, Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed), Original Lease Deed (Patta)	Sunil Jain S/o R.P. Jain
7	11 / 313428	610	(Private), Omax City, Name Transfer	Toolika Gupta W/o Atul Gupta
8	11 / 313488	131	(Private), Galaxy Enclave, Name Transfer	Kavita Sharma S/o Lalit Kumar Sharma
9	11 / 312074	Z46	(Private), Jaipur Greens, Name Transfer	Advait Raj singh Chouhan S/o Brijraj Singh Chouhan (POA Natasha Chouhan W/o Brijraj Singh Chouhan) & Natasha Chouhan W/o Brijraj Singh Chouhan
10	11 / 312677	56	(JDA), Balmukundpura, Sector/Block-A Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed), Original Lease Deed (Patta)	Mahaveer Chand S/o Khivraj Bhandari
11	09 / 309482	211A	(Cooperative), Lajpat Nagar, Name Transfer	Anju Kumawat W/o Omprakash Kumawat
12	09 / 311280	400	(Private), Prim Province, Sector/ Block-A, Name Transfer	Mira devi W/o Mohan Lal Sharma
13	11 / 304474	L/2	(Private), Manglam Grand City-A, Block, Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed), Original Lease Deed (Patta)	Mahendra Kumar Gwala S/o Madu Ram Gwala

राज.संवाद/सी/26/7188

नीट यूजी-2026 में एलन जयपुर का शानदार प्रदर्शन

विद्यार्थियों की सफलता मेहनत का परिणाम: जैन

- छात्रों ने बनाई राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

बेधड़क | जयपुर

नीट यूजी-2026 के परिणामों में एलन जयपुर के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। क्लास रूम प्रोग्राम के विद्यार्थियों ने शानदार अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) हासिल कर जयपुर को गौरवान्वित किया है।

वाइस प्रेसिडेंट एवं जोनल हेड (राजस्थान) अरुण जैन ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अध्ययन का परिणाम है। अनुभवी फैकल्टी, नियमित टेस्ट, व्यक्तिगत मार्गदर्शन और लगातार प्रदर्शन विश्लेषण ने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट परिणाम दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भी सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। नीट यूजी-2026 में एलन जयपुर के तीन विद्यार्थियों ने टॉप-200, छह विद्यार्थियों ने टॉप-400, दस विद्यार्थियों ने टॉप-1000, 15 विद्यार्थियों ने टॉप-1500 तथा 21 विद्यार्थियों ने टॉप-2000 में स्थान प्राप्त किया। एलन जयपुर के प्रमुख सफल विद्यार्थियों में अजय चौधरी ने अखिल भारतीय रैंक 144, देवेश सिंह गुर्जर 153, दक्ष खंडेलवाल 154, भव्य यादव 319, बुशरा फिरोज 354, लक्ष्य सिंघल 362, जयश्री पारीक 604, पीयूष बंसल 617, ईशान कटारिया 903, विभोर 968, रचित गोयल 1232, उपकार सिंह राणा 1238, चित्रांश राज भारद्वाज 1291, कार्तिक शर्मा 1317, जयवर्धन भारद्वाज 1336, राघव डगायच 1636, सृष्टि शर्मा 1675, प्रत्युष जैन 1731, सृष्टि शिवनानी 1750, जयश्री लखेरा 1813 तथा स्नेहा चौधरी 1920वीं रैंक प्राप्त की। ऑल ओवर इंडिया 153 रैंक हासिल करने वाले जयपुर के देवेश सिंह गुर्जर ने बताया मैं हर दिन 8 से 12 घंटे तक पढ़ाई करता था। मैं चाहता हूं कि अब अच्छा डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा कर सकूं। ऑल इंडिया 319वीं रैंक हासिल करने वाले भव्य यादव ने बताया कि फैमिली और फ्रेंड्स के सपोर्ट की वजह से ही मैं यहां तक पहुंचा हूं। अब अच्छा डॉक्टर बनकर देश की सेवा करना ही मेरा लक्ष्य है। ऑल इंडिया 354वीं रैंक हासिल करने वाली बुशरा फिरोज ने बताया कि किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार मेहनत करना बहुत जरूरी होता है। मैं भी लंबे वक्त से पूरी मेहनत के साथ तैयारी में जुटी थी। उसी का परिणाम है कि आज मैं यह रैंक को हासिल कर पाई हूं।

बलूचिस्तान की आजादी की घोषणा

पाकिस्तान के विघटन की आहट या दशकों पुराने संघर्ष का नया अध्याय?

कर्नल देव आनंद लोहामरोड़
सुरक्षा विशेषज्ञ

कुछ बलोच राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं द्वारा 13 जुलाई 2026 को 'रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान' की घोषणा ने एक बार फिर दक्षिण एशिया की राजनीति को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। इस घोषणा के साथ राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान, मुद्रा, पासपोर्ट और कथित रूप से 85 प्रतिशत भूभाग पर नियंत्रण जैसे दावे भी किए गए। हालांकि, इन दावों की अभी तक किसी स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय स्रोत, संयुक्त राष्ट्र अथवा किसी संप्रभु राष्ट्र द्वारा पुष्टि नहीं की गई है। इसलिए इन्हें फिलहाल बलोच राष्ट्रवादी समूहों के दावे के रूप में ही देखा जाना चाहिए। इसके बावजूद यह घटनाक्रम इस बात का संकेत अवश्य देता है कि बलूचिस्तान का प्रश्न केवल पाकिस्तान का आंतरिक मामला नहीं रह गया, बल्कि यह संसाधनों, पहचान, मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति से जुड़ा एक जटिल विषय बन चुका है।

लगभग 44 प्रतिशत भूभाग और केवल लगभग 7-8 प्रतिशत आबादी वाला बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा तथा प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध प्रांत है। इसकी सांस्कृतिक और भौगोलिक उपस्थिति केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं, बल्कि अफगानिस्तान के हेलमंद, निमरोज तथा कंधार के कुछ भागों और ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान तक फैली हुई है। रेको डिक के विशाल तांबा एवं स्वर्ण भंडार, सूई गैस क्षेत्र, अरब सागर पर स्थित ग्वादर बंदरगाह तथा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा इसे असाधारण सामरिक महत्व प्रदान करते हैं। विडंबना यह है कि प्राकृतिक संपदा से समृद्ध यह क्षेत्र लंबे समय से विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे बुनियादी मानकों पर पाकिस्तान के सबसे पिछड़े क्षेत्रों में गिना जाता है। यही असंतोष समय के साथ राजनीतिक और फिर सशस्त्र आंदोलन में बदलता गया।

> “भारत ने आधिकारिक रूप से कभी बलूचिस्तान की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं किया है। दूसरी ओर ईरान के चाबहार बंदरगाह में भारत का निवेश इस पूरे क्षेत्र के सामरिक महत्व को और बढ़ा देता है, क्योंकि यही मार्ग पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान तथा मध्य एशिया तक भारत की पहुंच का महत्वपूर्ण विकल्प प्रदान करता है। 15 अगस्त 2016 को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में बलूचिस्तान, गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर के लोगों पर होने वाले कथित अत्याचारों का उल्लेख किया था।”

बलूचिस्तान की वर्तमान स्थिति को समझने के लिए उसके इतिहास को जानना आवश्यक है। यही वह क्षेत्र है जहां स्थित मेहरगढ़ को भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे प्राचीन नवपाषाण स्थायी मानव बस्तियों में माना जाता है, जिसने आगे चलकर सिंधु-सरस्वती सभ्यता के विकास की आधारभूमि तैयार की। ब्रिटिश शासन के अंतिम वर्षों में यहां कलात एक प्रमुख रियासत थी। 1947 में ब्रिटिश सत्ता समाप्त होने के बाद कलात ने स्वयं को स्वतंत्र घोषित किया और तत्काल पाकिस्तान में विलय स्वीकार नहीं किया। कलात के शासक मीर अहमद यार खान स्वतंत्र दर्जा चाहते थे।

किंतु मार्च-अप्रैल 1948 में पाकिस्तान ने सैन्य दबाव बनाया और अंततः कलात का पाकिस्तान में विलय हो गया। बलोच राष्ट्रवादी आज भी इस विलय को स्वैच्छिक नहीं बल्कि दबाव में कराया गया राजनीतिक निर्णय मानते हैं और इसी ऐतिहासिक विवाद को अपने आत्मनिर्णय के दावे का आधार बताते हैं।

1948 के बाद बलूच विद्रोह कई चरणों में सामने आया। 1958, 1962, 1973 और फिर 2003 के बाद आंदोलन ने अलग-अलग रूप धारण किए। प्रत्येक दौर में मुख्य शिकायतें लगभग समान रहीं- प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय अधिकार, राजनीतिक स्वायत्तता, आर्थिक हिस्सेदारी और सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण। समय के साथ इन मांगों का स्वर अधिक उग्र होता गया।

आंदोलन का सबसे बड़ा मोड़ वर्ष 2006 में आया, जब प्रभावशाली बलोच नेता नवाब अकबर बुगटी पाकिस्तान सेना के सैन्य अभियान में मारे गए। पाकिस्तान सरकार ने इसे आतंकवाद विरोधी कार्रवाई बताया, जबकि बलोच संगठनों ने इसे राजनीतिक हत्या कहा। उनकी मृत्यु के बाद बलूच राष्ट्रवाद को नई ऊर्जा मिली और बड़ी संख्या में युवाओं ने अलगाववादी संगठनों का रुख किया। इसी अवधि में पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों पर जबरन गुमशुदगी, हिरासत और मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप भी लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठते रहे। मानवाधिकार संगठनों ने इन आरोपों पर चिंता व्यक्त की है, जबकि पाकिस्तान इन आरोपों से लगातार इनकार करता रहा है।

इसी दौरान चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा और ग्वादर बंदरगाह पाकिस्तान की आर्थिक रणनीति का केंद्र बन गए। लगभग 60 अरब डॉलर की इस परियोजना का अधिकांश स्थलीय मार्ग बलूचिस्तान से होकर गुजरता है, जिससे इस क्षेत्र का सामरिक महत्व और बढ़ गया है। दूसरी ओर अनेक बलूच संगठनों का आरोप है कि इन परियोजनाओं से स्थानीय जनता को अपेक्षित लाभ नहीं मिला, जबकि उनकी भूमि और संसाधनों का दोहन बढ़ा। इसी कारण कई बार चीनी परियोजनाएं, इंजीनियर और सुरक्षा प्रतिष्ठान अलगाववादी हमलों का लक्ष्य बने। हाल के वर्षों में बलूच लिबरेशन आर्मी ने कई बड़े हमलों की जिम्मेदारी ली है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान, अमेरिका, ब्रिटेन और कई अन्य देशों ने BLA को आतंकवादी संगठन घोषित किया है। हाल के दिनों में 'रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान' की घोषणा के साथ यह दावा भी किया गया कि क्षेत्र के अधिकांश भाग पर बलूच बलों का नियंत्रण है। किंतु इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार केवल स्वतंत्रता की घोषणा कर देना किसी क्षेत्र को स्वतः संप्रभु राष्ट्र नहीं बना देता। किसी नए राष्ट्र की व्यवहारिक वैधता उसके प्रभावी प्रशासन, स्थायी संस्थाओं और अन्य देशों द्वारा मान्यता पर भी निर्भर करती है। आज तक किसी भी देश ने बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता नहीं दी है। इसलिए वर्तमान घोषणा का राजनीतिक और प्रतीकात्मक महत्व तो है, लेकिन इसकी अंतरराष्ट्रीय वैधानिक स्थिति अभी स्थापित नहीं हुई है।

भारत ने आधिकारिक रूप से कभी बलूचिस्तान की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं किया है। दूसरी ओर ईरान के चाबहार बंदरगाह में भारत का निवेश इस पूरे क्षेत्र के सामरिक महत्व को और बढ़ा देता है, क्योंकि यही मार्ग पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान तथा मध्य एशिया तक भारत की पहुंच का महत्वपूर्ण विकल्प प्रदान करता है। 15 अगस्त 2016 को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में बलूचिस्तान, गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर के लोगों पर होने वाले कथित अत्याचारों का उल्लेख किया था। उस समय इस वक्तव्य को पाकिस्तान की नीतियों पर एक कूटनीतिक संदेश के रूप में देखा गया। इसके बाद भी भारत की आधिकारिक नीति यही रही है कि वह किसी अन्य देश के आंतरिक मामलों में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु मानवाधिकारों और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर अपनी चिंता व्यक्त करता है। पाकिस्तान के सामने चुनौती केवल बलूचिस्तान तक सीमित नहीं है। खैबर पख्तूनख्वा में भी सुरक्षा स्थिति लगातार चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। यदि विभिन्न क्षेत्रों में असंतोष बढ़ता है, तो पाकिस्तान की संघीय व्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। हालांकि यह कहना कि पाकिस्तान शीघ्र ही टूट जाएगा, वर्तमान परिस्थितियों में एक अनुमान मात्र होगा। किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल आंतरिक असंतोष से नहीं, बल्कि उसकी राजनीतिक संस्थाओं, सैन्य क्षमता, आर्थिक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय समर्थन से भी निर्धारित होता है।

बलूचिस्तान का प्रश्न आने वाले वर्षों में दक्षिण एशिया की सबसे महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक चुनौतियों में से एक बना रह सकता है। यदि पाकिस्तान संसाधनों के न्यायपूर्ण वितरण, राजनीतिक भागीदारी, मानवाधिकारों के सम्मान और स्थानीय विश्वास बहाली की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाता, तो यह असंतोष और गहरा सकता है। दूसरी ओर यदि हिंसा और सशस्त्र संघर्ष बढ़ते हैं, तो इसका प्रभाव केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि चीन के निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, अरब सागर की सामरिक स्थिति, चाबहार बंदरगाह, मध्य एशिया से संपर्क परियोजनाओं तथा पूरे क्षेत्र के शक्ति-संतुलन पर भी पड़ेगा।

आज बलूचिस्तान केवल एक प्रांत का प्रश्न नहीं है। यह इतिहास, सभ्यता, पहचान, संसाधनों, संघीय राजनीति और मानवाधिकारों के बीच संतुलन की परीक्षा बन चुका है। आने वाला समय बताएगा कि यह संघर्ष पाकिस्तान के भीतर किसी राजनीतिक समाधान की ओर बढ़ता है या दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक मानचित्र में किसी नए अध्याय की भूमिका लिखता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

हल्के राम जी और उद्घाटन समारोह

महेश कुमार केशरी
व्यंग्यकार

हमारे यहां नेता जी अगर अस्सी से सौ-सवा सौ किलो के न हों, तो उनके नेता होने का मानो कोई मतलब ही नहीं है। हालांकि इसमें कुछ अपवाद भी हुए हैं। उन्हीं में से एक थे हल्के राम जी। हल्के राम जी बहुत हल्के थे। इतने हल्के कि उन्हें धूप, आंधी और पानी से बचाकर रखना पड़ता था। जैसे सोडियम को मिट्टी के तेल (केरोसिन) में डुबोकर रखा जाता है, वैसे ही नेता जी को भी सात परतों की सुरक्षा में छिपाकर रखा जाता था। लोग बहुत जरूरी होने पर ही उनसे मिल पाते थे। अधिकांश समय वे बंद कार के शीशों के पीछे ही दिखाई देते थे। नेता जी भले ही हल्के थे, लेकिन कार्यकर्ताओं में उनका बहुत सम्मान था।

अभी दो महीने पहले ही क्षेत्र में एक पुराने नेता, जो दूसरी विधानसभा से थे, हल्के राम जी के इलाके में आकर पैर जमाने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने हल्के राम जी के क्षेत्र में नया ट्रांसफॉर्मर लगवाया और सौ किलो की माला पहनकर उसका उद्घाटन भी कर गए। इस बात से हल्के राम जी क्षेत्र की जनता से बहुत नाराज थे। यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा और गरमा-गरमी का विषय बनी हुई थी। हल्के राम जी और उनके कार्यकर्ताओं में गहरा रोष था। सारी चर्चा आकर उसी सौ किलो की माला पर टिक गई थी। अभी मामला शांत भी नहीं हुआ था कि दूसरी घटना घट गई। इसके पीछे भी एक कहानी थी। विपक्ष के नेता, जो स्वयं डेढ़ सौ किलो के थे, हल्के राम जी के क्षेत्र से बाहर के थे। वे एक क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन करने आए थे। उद्घाटन के समय उन्होंने भी सौ किलो की माला पहन रखी थी। वे हल्के रामजी के धुर विरोधियों में से एक थे। उन्हें सबक सिखाने के लिए तय किया गया कि उसी क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन एक बार फिर कराया जाएगा और इस बार हल्के राम जी को एक सौ इक्यावन किलो की माला पहनाई जाएगी। कोई बाहरी आदमी आकर सौ किलो की माला पहनकर क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन कर जाए, यह हल्के राम जी जैसे नेताओं के लिए डूब मरने वाली बात थी। लिहाजा एक सौ इक्यावन किलो की माला पहनाकर दोबारा उद्घाटन करने का कार्यक्रम तय हुआ।

कार्यकर्ताओं की दिली इच्छा थी कि चालीस किलो के अपने नेता जी को एक सौ इक्यावन किलो की माला पहनाकर विपक्ष को करारा जवाब दिया जाए। पूरे सम्मान और भव्य स्वागत के साथ यह संदेश दिया जाए कि हल्के राम जी किसी से कम नहीं हैं। हां, एक चिंता जरूर थी। चालीस किलो के नेता जी की गर्दन मुश्किल से पांच किलो की रही होगी। कहीं माला का बोझ उनकी गर्दन पर भारी न पड़ जाए। निर्धारित समय से कुछ देर बाद हल्के राम जी का आगमन हुआ। स्वागत भाषण समाप्त होने के बाद माला पहनाने की बारी आई। लेकिन एक सौ इक्यावन किलो की गेंदे की माला इतनी भारी थी कि उसे पहनाने के लिए क्रेन मंगानी पड़ी। जैसे ही क्रेन ने माला उठाकर हल्के राम जी के गले में डालनी चाही, नेता जी का संतुलन बिगड़ गया और पूरी माला उनके शरीर पर आ गिरी। कार्यक्रम बीच में ही रोकना पड़ा। कार्यकर्ता आनन-फानन में नेता जी को उठाकर अस्पताल ले गए। तब से नेता जी अस्पताल में भर्ती हैं। फिलहाल टूर्नामेंट को रोक दिया गया है।

X

अमित शाह, गृह मंत्री
@AmitShah
प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन देश को हरित और स्वच्छ परिवहन की दिशा में एक नई यात्रा पर ले जा रही है। हरियाणा के जींद और सोनीपत रेलवे स्टेशनों के बीच चलने वाली यह नई ट्रेन भारत की स्वदेशी इंजीनियरिंग क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह शून्य-कार्बन उत्सर्जन वाले परिवहन के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित करती है और भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल करती है, जिन्होंने इस अत्याधुनिक तकनीक में महारत हासिल की है।

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
डबल इंजन सरकार के बीते ढाई वर्षों में राजस्थान का हर विधानसभा क्षेत्र विकास की नई सौगातों का साक्षी बना है। नई सड़कें, आधुनिक अस्पताल, बेहतर विद्यालय, किसानों के लिए सिंचाई सुविधाएं और युवाओं के लिए नए अवसर उपलब्ध करवाए गए हैं। इन विकास कार्यों से न केवल आधारभूत ढांचे को सशक्त बनाया गया है, बल्कि लाखों प्रदेशवासियों के जीवन में सुविधा, विश्वास और उज्ज्वल भविष्य की नई उम्मीद भी जगी है।

मदन दिलावर, शिक्षा मंत्री राजस्थान
@madandilawar
जब एक सूखी धारा फिर से कल-कल बहने लगे, तो वह केवल नदी नहीं, बल्कि संकल्प की विजयगाथा बन जाती है। जुल्मी स्थित पाटली नदी का निरीक्षण कर मन अत्यंत संतोष और भावुकता से भर उठा। कभी विलुप्तप्राय और बंजर क्षेत्र की पहचान रखने वाली यह नदी आज जल से लबालब बहती हुई जनसहभागिता, दृढ़ संकल्प और प्रकृति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की प्रेरक मिसाल बन गई है। पूर्व में लगाए गए लगभग 4,000 बरगद के पौधे आज विकसित होकर पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को साकार करते दिख रहे हैं। पाटली नदी के पावन तट पर सभी साथियों के साथ सांस्कृतिक चेतना, पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति संवर्धन का सामूहिक संकल्प लिया। एकता, संस्कार और प्रकृति; इन्हीं के संग भविष्य सुरक्षित है।

लेखकों से आग्रह है...
वे 'सच बेधड़क' में प्रकाशन के लिए अपने लेख, कविता, कहानी, व्यंग्य आदि रचनाएं हमें Editor@sachbedhadakdaily.com पर ई मेल करें। साथ में रचना के अप्रकाशित होने का स्वघोषणा पत्र भी भेजें।

नॉलेज कॉर्नर: विमान के टेक-ऑफ और लैंडिंग के दौरान करें नियमों का पालन

प्लेन की खिड़की का शटर खुला रखना क्यों है जरूरी?

अगर आपने कभी हवाई यात्रा की है, तो आपने देखा होगा कि टेक-ऑफ और लैंडिंग से पहले केबिन क्रू यात्रियों से सीट बेल्ट बांधने, सीट सीधी करने, ट्रे टेबल बंद करने और विमान की खिड़की का शटर खोलने का अनुरोध करता है। अधिकांश लोग सीट बेल्ट और अन्य सुरक्षा नियमों का महत्व समझते हैं, लेकिन कई यात्रियों के मन में सवाल उठता है कि आखिर खिड़की का शटर खोलना क्यों जरूरी होता है? दरअसल, यह नियम सिर्फ औपचारिकता नहीं बल्कि यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल है।

बाहर की स्थिति का आकलन

विमान के उड़ान भरने और उतरने के दौरान दुर्घटना या तकनीकी खराबी की संभावना सबसे अधिक मानी जाती है। यदि इस दौरान कोई आपातकालीन स्थिति पैदा हो जाए, तो केबिन क्रू के पास यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए केवल कुछ मिनट, बल्कि कई बार कुछ सेकंड ही होते हैं। ऐसे समय में खुली खिड़कियां बाहर की स्थिति का तुरंत आकलन करने में मदद करती हैं। मान लीजिए विमान के एक हिस्से में आग लग गई है या किसी तरफ धुआं निकल रहा है। खुले शटर की मदद से केबिन क्रू तुरंत देख सकता है कि किस दिशा में खतरा है और उसी के अनुसार सुरक्षित तरफ के इमरजेंसी एग्जिट का इस्तेमाल कराया जा सकता है। इससे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने में आसानी होती है और दुर्घटना का जोखिम कम हो जाता है।

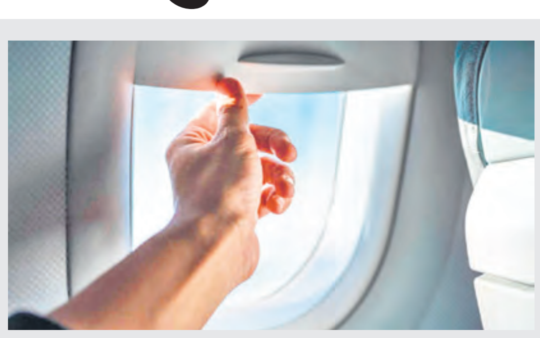

आंखों का बाहर की रोशनी के अनुकूल होना

हमारी आंखों को अंधेरे और तेज रोशनी के बीच खुद को ढालने में कुछ समय लगता है। यदि विमान के अंदर अपेक्षाकृत अंधेरा हो और अचानक इमरजेंसी में बाहर निकलना पड़े, तो तेज रोशनी के कारण कुछ पल के लिए दिखाई देने में परेशानी हो सकती है। लेकिन जब खिड़की का शटर पहले से खुला रहता है, तो यात्रियों की आंखें बाहर के प्रकाश के अनुरूप पहले ही अभ्यस्त हो जाती हैं। इससे आपातकालीन निकासी के दौरान समय की बचत होती है।

खुली खिड़कियां यात्रियों के लिए भी फायदेमंद

खुली खिड़कियां केवल क्रू ही नहीं, बल्कि यात्रियों के लिए भी फायदेमंद होती हैं। कई बार इंजन से चिंगारी निकलना, धुआं उठना या पंखों में किसी तरह की गड़बड़ी सबसे पहले खिड़की के पास बैठे यात्रियों की नजर में आती है। ऐसे में वे तुरंत केबिन क्रू को सूचना दे सकते हैं, जिससे समय रहते जरूरी कार्रवाई की जा सकती है। अगर किसी कारण से विमान को आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़े, तो बाहर मौजूद फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीम भी खुली खिड़कियों के जरिए विमान के अंदर की स्थिति का अंदाजा लगा सकती है। इससे बचाव अभियान को तेजी और बेहतर तरीके से संचालित करने में मदद मिलती है।

विमानन सुरक्षा मानकों का हिस्सा

टेक-ऑफ और लैंडिंग के समय खिड़की का शटर खोलना अंतरराष्ट्रीय विमानन सुरक्षा मानकों का हिस्सा है। दुनिया की लगभग सभी एयरलाइंस इस नियम का पालन करती हैं। इसलिए अगली बार जब केबिन क्रू आपसे खिड़की का शटर खोलने के लिए कहे, तो समझ जाइए कि यह केवल एक सामान्य निर्देश नहीं, बल्कि आपकी और अन्य यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनाया जाने वाला बेहद महत्वपूर्ण कदम है।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

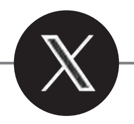

CM ने डेगाना की ग्राम विकास चौपाल में महिलाओं से किया संवाद

नारी शक्ति बनेगी विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव: भजनलाल शर्मा

बेधड़क | डेगाना/जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाओं का आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक सशक्तीकरण ही वास्तविक प्रगति और विकसित भारत के निर्माण की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला, युवा, किसान और मजदूर को सशक्त बनाने के संकल्प के तहत केंद्र और राज्य सरकार ऐसी अनेक योजनाएं संचालित कर रही हैं, जिनसे महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। महिलाएं अब आत्मनिर्भर बनने के साथ अपने परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिति भी मजबूत कर रही हैं।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को नागौर जिले के डेगाना क्षेत्र के तिलानेश गांव में आयोजित ग्राम विकास चौपाल में महिलाओं से संवाद कर रहे थे। उन्होंने राजीविका, स्वयं सहायता समूहों और विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़ी महिलाओं के अनुभव सुने तथा उन्हें योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से बेटियों की शिक्षा और संरक्षण को बढ़ावा मिला है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत घर-घर शौचालय बनाकर महिलाओं के सम्मान और गरिमा को सुनिश्चित किया गया, जबकि उज्ज्वला योजना से करोड़ों महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली और उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं को प्राथमिकता देकर आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कार्यक्रम में कन्हैयालाल चौधरी, मंजू बाघमार, सी.आर. चौधरी, ओमप्रकाश भड़ाना, अजय सिंह किलक, लक्ष्मण राम कलरू, रेवंतराम डांगा सहित कई जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

नागौर जिले के डेगाना क्षेत्र के तिलानेश गांव में शुक्रवार को आयोजित ग्राम विकास चौपाल में महिलाओं के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।

डेयरी, राजीविका और लखपति दीदी से बढ़ रही आत्मनिर्भरता

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पशुपालकों को डेयरी के माध्यम से प्रति लीटर 5 रुपए का अनुदान दे रही है। राजीविका के जरिए महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, लखपति दीदी योजना के तहत मात्र 1.5 प्रतिशत ब्याज दर पर 1.5 लाख रुपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे महिलाएं अपना व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बन रही हैं।

महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी होगी और मजबूत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी भी लगातार मजबूत हो रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिससे निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी बढ़ेगी।

महिलाओं ने साझा किए बदलाव के अनुभव

नीरू सोलंकी ने बताया कि राजीविका से जुड़ने के बाद सिलाई कार्य शुरू किया और आज क्लस्टर मैनेजर के रूप में करीब 1.25 लाख रुपये वार्षिक आय अर्जित कर रही हैं। अनिता गौड़ ने कहा कि छोटे व्यवसाय से शुरुआत कर आज उनके परिवार की सालाना आय लगभग 2.5 लाख रुपये हो गई है। कमला, जो पशु सखी के रूप में कार्य कर रही हैं, ने बताया कि पशुपालन और सिलाई कार्य से उन्हें करीब 40 हजार रुपये प्रतिमाह की आय हो रही है। माया ने कहा कि स्वयं सहायता समूह आज जूट बैग, खिलौने और अन्य उत्पाद तैयार कर करीब ढाई लाख रुपये मासिक आय अर्जित कर रहा है। राधा देवी ने बताया कि सरकारी योजनाओं से आवास और गैस कनेक्शन मिलने के बाद राजीविका से जुड़कर वे बर्तन बैंक का संचालन कर रही हैं तथा अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

मां वाउचर योजना और पोषण पर विशेष फोकस

शर्मा ने कहा कि मां वाउचर योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी जैसी स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं, आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों के पोषण के लिए नियमित दूध उपलब्ध कराया जा रहा है। वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ सीधे बैंक खातों में दिया जा रहा है तथा वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा जैसी योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। चौपाल के दौरान राजीविका से जुड़ी महिलाओं ने मुख्यमंत्री को स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पाद भेंट किए। महिलाओं ने बताया कि सरकारी योजनाओं से उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आया है।

बेधड़क FIRST

बिना अवकाश स्वीकृत हुए IAS के विदेश जाने का मामला, अब भी स्थिति स्पष्ट नहीं

एक IAS अधिकारी के बिना अवकाश स्वीकृत हुए विदेश जाने का मामला अभी भी प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। बताया जा रहा है कि अधिकारी का अवकाश आवेदन उच्च स्तर तक पहुंच गया था, लेकिन विदेश यात्रा से पहले इसकी औपचारिक स्वीकृति नहीं हुई थी। इसके बावजूद अधिकारी विदेश चले गए। अब कार्मिक विभाग के सामने इस मामले से जुड़े कुछ सवालों का समाधान करना बाकी है। हालांकि पूर्व में भी उचित कारणों के आधार पर ऐसे मामलों में अवकाश स्वीकृत किए जाते रहे हैं। अब देखना यह होगा कि इस प्रकरण में विभाग केवल प्रक्रिया पूरी करता है या कोई प्रशासनिक कार्रवाई भी की जाती है।

विधानसभा में दिखी बुजुर्ग और युवा नेता की आत्मीय तस्वीर

राजस्थान विधानसभा से हाल ही में एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने राजनीतिक हलकों में सकारात्मक चर्चा छेड़ दी। बुजुर्ग पूर्व विधायक रामकिशन शर्मा और युवा विधायक विकास चौधरी के बीच दिखा अपनापन लोगों को खूब पसंद आया। विधानसभा कार्यक्रम समाप्त होने के बाद अधिकांश विधायक सदन से निकल गए थे, लेकिन विकास चौधरी की नजर रामकिशन शर्मा पर पड़ी तो वे रुक गए। उन्होंने आगे बढ़कर बुजुर्ग नेता को सहारा दिया और कुर्सी से व्हीलचेयर तक पहुंचाने में मदद की। दोनों नेताओं के बीच दिखे इस आत्मीय भाव को लोगों ने दादा और पोते जैसे रिश्ते की मिसाल बताया।

राजस्थान में CJP और आम आदमी पार्टी के बीच बढ़ी हलचल

राजस्थान की राजनीति में इन दिनों CJP और आम आदमी पार्टी के बीच तालमेल को लेकर चर्चाएं तेज हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि CJP की रणनीति बनाने में आम आदमी पार्टी के कुछ प्रमुख पदाधिकारी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इससे आप कार्यकर्ताओं में भी असमंजस की स्थिति देखने को मिल रही है। कार्यकर्ताओं के सामने सवाल है कि वे पार्टी की गतिविधियों को प्राथमिकता दें या CJP के कार्यक्रमों को। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम को लेकर अभी कोई स्पष्ट आधिकारिक स्थिति सामने नहीं आई है।

राजस्थान के वन प्रबंधन को लेकर उठे सवाल, मध्यप्रदेश मार्ग से जुड़ा मामला

चित्तौड़गढ़ वन मंडल से जुड़ा वन प्रबंधन का एक मामला इन दिनों चर्चा में है। विजयपुर रेंज के कनेरा वन नाके में हुए बदलाव के बाद वन विभाग की कार्यप्रणाली और पहुंच व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। चर्चा है कि वन अमले को कुछ क्षेत्रों में पहुंचने के लिए मध्यप्रदेश के जावद, अठाना और नीमच मार्ग का सहारा लेना पड़ सकता है। इससे वन अपराधों पर कार्रवाई में समय बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। निम्बोदा वनखंड और पटपड़िया क्षेत्र से जुड़े मामलों को लेकर भी बहस तेज है। पर्यावरण प्रेमियों ने वन एवं वन्यजीव संरक्षण की दृष्टि से इस पर चिंता बताई है।

सवाई माधोपुर में अधिकारी के तबादले को लेकर चर्चाएं तेज

सवाई माधोपुर में महिलाओं के विकास से जुड़े एक विभाग की अधिकारी के तबादले को लेकर प्रशासनिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। बताया जा रहा है कि करीब 13 साल पहले जिले में नियुक्त हुई महिला अधिकारी ने लंबे समय तक जिले की जिम्मेदारियां संभालीं। पदोन्नति के बाद वे जिला स्तरीय पद पर भी कार्यरत रहीं। अब हाल ही में उनका तबादला होने के बाद एक RAS अधिकारी ने कार्यभार संभाल लिया है। चर्चा है कि महिला अधिकारी ने जिले में बने रहने के लिए तबादले पर रोक की प्रक्रिया शुरू की है। अब देखने वाली बात होगी कि विभाग में कार्यभार RAS अधिकारी संभालते हैं या पुराने अधिकारी की वापसी होती है।

अभिनेष महर्षि का अंदाज, लोगों के लिए खुले रखे दरवाजे

राजनीति में जनसंपर्क और व्यवहार की अपनी अलग पहचान होती है। पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि का लोगों से जुड़ने का अंदाज अक्सर चर्चा में रहता है। हाल ही में विधानसभा के बाहर मिलने पहुंचे लोगों को उन्होंने वापस नहीं लौटाया बल्कि सभी को कांस्टीट्यूशनल क्लब ले गए। वहां उन्होंने लोगों के साथ बैठकर चाय-नाश्ता किया और भोजन के लिए भी आग्रह किया। महर्षि का यही व्यवहार उनके विधानसभा क्षेत्र रतनगढ़ में भी लोकप्रिय बताया जाता है, जहां घर आने वाले लोगों के लिए वे चाय से लेकर भोजन तक की व्यवस्था करवाते हैं। हालांकि चुनावी राजनीति में उन्हें हार का सामना करना पड़ा, लेकिन क्षेत्र के लोगों से उनका जुड़ाव आज भी बना हुआ है

15 करोड़ से संवरा दौसा रेलवे स्टेशन

दौसा को मिली 'अमृत' सौगात, आधुनिक स्टेशन राष्ट्र को समर्पित

बेधड़क | जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित दौसा रेलवे स्टेशन का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोकार्पण किया। दौसा रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री किरोड़ीलाल मीणा भी मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश रेलवे, सड़क, कृषि, ऊर्जा और आधारभूत संरचना सहित सभी क्षेत्रों में तेज गति से विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमृत

कार्यक्रम को संबोधित करते राज्यपाल हरिभाऊ बागडे।

भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं के अनुरूप विकसित किया जा रहा है और दौसा स्टेशन इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि रेलवे के विद्युतीकरण से रेल संचालन अधिक तेज, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल हुआ है। वहीं राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे के विस्तार, विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना तथा स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंच रहा है।

इस अवसर पर डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि दौसा जिले में आधारभूत विकास के कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे बनने से राजधानी तक की यात्रा आसान हुई है, वहीं स्टेशन के आधुनिकीकरण से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। करीब 15 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकसित दौसा रेलवे स्टेशन पर सर्कुलेटिंग एरिया, आधुनिक प्रतीक्षालय आदि कई यात्री सुविधाएं विकसित की गई हैं।

चिकित्सा, शिक्षा और कानून व्यवस्था पर सरकार विफल: सचिन पायलट

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने शुक्रवार को जयपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान राज्य सरकार पर चिकित्सा, शिक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार तीनों प्रमुख मोर्चों पर विफल रही है और जनता का भरोसा खो चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार जनसमस्याओं के समाधान के बजाय केवल प्रचार-प्रसार में व्यस्त है। पायलट ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। गर्भवती महिलाओं की मौतों जैसी गंभीर घटनाओं के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हो रही है। तबादलों के मुद्दे पर पायलट ने कहा कि सरकार

टोंक में सियासत से थोड़ा विराम... कार्यकर्ताओं के साथ पंगत में दाल-पूड़ी का आनंद लेते सचिन पायलट।

राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से कर्मचारियों के स्थानांतरण कर रही है। एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर पायलट ने कहा कि पर्याप्त तकनीकी तैयारी के बिना इसे लागू किया गया, जिससे वाहनों के इंजन प्रभावित हो रहे हैं। पायलट ने राजनीतिक संवाद की गिरती मर्यादा पर चिंता जताते हुए कहा कि व्यक्तिगत टिप्पणियों और सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा के बजाय वैचारिक और लोकतांत्रिक राजनीति को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

डी-रेगुलेशन का असर

प्रदेश को जून में मिले 1.03 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

- स्वीकृति प्रक्रियाओं के सरलीकरण से सकारात्मक परिणाम: वी. श्रीनिवास
- सिंगल विंडो सिस्टम का असर अब निवेश के आंकड़ों में

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में लागू डी-रेगुलेशन फेज-1 और राजनिवेश सिंगल विंडो सिस्टम का असर अब निवेश के आंकड़ों में भी दिखाई देने लगा है। मुख्य सचिव कार्यालय की जून माह की इम्पैक्ट एसेसमेंट रिपोर्ट के अनुसार, जून 2026 में राज्य को 1,03,003.64 करोड़ रुपए के निवेश आशय (इन्वेस्टमेंट इंटेंट) प्राप्त हुए। इनमें रियल एस्टेट, नवीकरणीय ऊर्जा, वस्त्र, पर्यटन तथा रत्न एवं आभूषण क्षेत्र प्रमुख रहे। अप्रैल से जून 2026 के बीच राजनिवेश पोर्टल पर 30,017 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 17 हजार से अधिक का निस्तारण किया जा चुका है। केवल जून में ही 10,908 आवेदन आए। डीडवाना-कुचामन, सिरोही, ब्यावर, करौली और फलोदी जिलों में स्वीकृत आवेदनों की संख्या में पिछले महीने की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से स्वीकृति प्रक्रियाओं के सरलीकरण, ऑनलाइन सेवाओं के विस्तार, जोखिम आधारित निरीक्षण प्रणाली और अनुपालन बोझ कम करने जैसे सुधारों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, नए बिजली कनेक्शन की औसत स्वीकृति अवधि 20 दिन से घटकर 10 दिन और पर्यटन परियोजनाओं की स्वीकृति अवधि 22 दिन से घटकर 16 दिन हो गई है। औद्योगिक इकाइयों में महिलाओं की भागीदारी भी 26 से बढ़कर 32 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

वीसी के जरिए जिला कलेक्टर्स से चर्चा करते मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन, साथ में एसीएस उद्योग एवं वाणिज्य विभाग शिखर अग्रवाल, एसीएस खेल एवं युवा मामलात विभाग प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव आयोजना एवं सांख्यिकी विभाग डॉ. रवि कुमार सुरपुर।

पंच गौरव कार्यक्रम से बनेगी हर जिले की अलग पहचान

मुख्य सचिव कहा है कि पंच गौरव कार्यक्रम प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को विकास का आधार बनाने की महत्वाकांक्षी पहल है। उन्होंने जिला कलेक्टरों को स्थानीय उत्पाद, कृषि, पर्यटन, खेल और वन संपदा की ब्रांडिंग एवं प्रचार-प्रसार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने वर्ष 2024-25 को आधार वर्ष मानते हुए 2026-27, 2029-30 और 2047 के लिए मापनीय लक्ष्य तय करने, विभिन्न विभागों के समन्वय से कार्य करने तथा सांसद-विधायक निधि, डीएमएफटी और सीएसआर जैसे संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। मुख्य सचिव ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों के नवाचारों को पूरे प्रदेश में लागू करने पर भी जोर दिया।

15 अगस्त तक 2,500 गांवों में होगा 'जल अर्पण' कार्यक्रम

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को जिला कलेक्टरों एवं जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में मिशन ने फिर गति पकड़ ली है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 15 अगस्त तक लगभग 2,500 गांवों में चरणबद्ध तरीके से 'जल अर्पण' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके तहत पूर्ण हो चुकी पेयजल योजनाओं को ग्राम पंचायतों और स्थानीय समुदायों को सौंपा जाएगा। उन्होंने 2,583 गांवों की 1,212 योजनाओं का वित्तीय समापन शीघ्र करने, कम से कम 15 दिन का सफल ट्रायल रन, जल गुणवत्ता परीक्षण और तकनीकी जांच पूरी होने के बाद ही योजनाओं का हस्तांतरण करने के निर्देश दिए। साथ ही हर घर जल प्रमाणन, सुजलम भारत आईडी, जिला सुधार योजना, तृतीय पक्ष गुणवत्ता निरीक्षण तथा सामुदायिक भागीदारी को भी प्राथमिकता देने को कहा।

हाई कोर्ट की टिप्पणी सरकार की विफलता का प्रमाण: गहलोत

बेधड़क | जयपुर

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पंचायत और निकाय चुनावों में हो रही देरी को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के लिए इससे अधिक शर्मनाक स्थिति और क्या हो सकती है कि चुनावों में जानबूझकर हो रही देरी पर हाई कोर्ट को यह तक कहना पड़ रहा है कि, 'यदि राज्य निर्वाचन आयोग चुनाव नहीं करा सकता तो बताए, जज चुनाव करवा देंगे।' गहलोत ने इसे सरकार की घोर प्रशासनिक विफलता का प्रमाण बताया।

उन्होंने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग का यह कहना बेहद गंभीर और चिंताजनक है कि पंचायती राज विभाग को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और महिला आरक्षण से संबंधित जानकारी के लिए छह बार पत्र लिखने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। गहलोत का आरोप है कि सरकार के दबाव में पंचायती राज विभाग ने यह जानकारी नहीं दी, जिससे स्पष्ट होता है कि सरकार की मंशा चुनाव कराने की नहीं है और वह संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालय के आदेशों की लगातार अनदेखी करना संविधान और न्यायपालिका का सीधा अपमान है। उनका कहना था कि जो सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को बाधित करे और न्यायपालिका का सम्मान न कर सके, उसे सत्ता में बने रहने का नैतिक और संवैधानिक अधिकार नहीं है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर और चिंताजनक स्थिति बताया।

अनुराग कुमार बने दिल्ली के नए पुलिस आयुक्त

नई दिल्ली। आसूचना ब्यूरो (आईबी) के पूर्व विशेष निदेशक अनुराग कुमार ने शुक्रवार को दिल्ली के नए पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला। अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम-केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर के 1994-बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी कुमार ने सतीश गोलछा का स्थान लिया। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने गुरुवार को कुमार की अपने मूल कैडर में वापसी को मंजूरी दे दी। कुमार को दिल्ली पुलिस प्रमुख के पद पर नियुक्त करने के लिए 1992 बैच की गरिमा भटनागर और राजेश खुराना तथा 1993 बैच के रॉबिन हिबू की वरीयता को नजर अंदाज किया गया है।

मैं किसी भी कीमत पर 20 तक जिंदा रहूंगा: वांगचुक

नई दिल्ली। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने शुक्रवार को कहा कि वह किसी भी कीमत पर 20 जुलाई तक जीवित रहेंगे। उनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का शुक्रवार को 20वां दिन था। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय से चल रहा उनका उपवास अब गंभीर स्थिति में पहुंच गया है। इस बीच, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को वांगचुक से मुलाकात की।

पीएम-सीएम को हटाने संबंधी रिपोर्ट को मंजूरी टली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों पर गंभीर आरोपों के मामलों में उनके लगातार 30 दिन तक हिरासत में रहने की स्थिति में उन्हें पद से हटाने का प्रावधान वाले 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) ने शुक्रवार को अपनी मसौदा रिपोर्ट को अंगीकार करने की प्रक्रिया फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया। समिति की अध्यक्ष अपराजिता सारंगी ने बताया कि सदस्यों का मत था कि इस विषय पर और अधिक चर्चा की आवश्यकता है।

पश्चिम बंगाल में ट्रेन कार से टकराई, 5 लोगों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शुक्रवार सुबह एक खुले रेलवे समपार फाटक पर एक कार को ट्रेन ने टक्कर मार दी। इस घटना में दो स्कूली छात्र समेत पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने ड्यूटी में लापरवाही के आरोप में 'गेटमैन' को गिरफ्तार कर लिया।

आंध्र प्रदेश में कोरोना के 12 मामले, 4 की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश में 26 जून से 16 जुलाई के बीच कोरोना संक्रमण के 12 मामले सामने आए हैं। इस दौरान 4 मरीजों की मौत भी हुई है। राज्य सरकार ने वायरस के वैरिएंट का पता लगाने के लिए 5 सैंपल पुणे भेजे हैं। कडपा में 8, गुंटूर में 2, विशाखापत्तनम और काकीनाडा में 1-1 मामला दर्ज किया गया है। उधर पड़ोसी राज्य कर्नाटक में भी सावधानियां बढ़ा दी गई हैं।

मोदी @जालंधर | जनसभा में सम्मान

पंजाब के जालंधर में एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महाराजा रणजीत सिंह का पोर्ट्रेट भेंट कर सम्मानित करते हुए भाजपा नेता व अन्य लोग।

ट्रेन में विद्यार्थियों से बातचीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब के जालंधर में जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई एक नई ट्रेन में विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए।

चंडीगढ़ को 4,700 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की सौगात

विकसित भारत के लिए आधुनिक सोच के साथ आगे बढ़ें: PM मोदी

■ प्रौद्योगिकी, परिवहन व स्वास्थ्य सेवाओं पर देना होगा ध्यान

एजेंसी | चंडीगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यहां कहा कि 'विकसित भारत' की यात्रा के साथ-साथ एक आधुनिक सोच भी होनी चाहिए, जो भविष्य की तकनीकों और स्वास्थ्य सेवाओं पर केंद्रित हो। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे फैसले लेने चाहिए, जो न केवल वर्तमान पीढ़ी को लाभ पहुंचाएं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उपयोगी साबित हों। हमें ऐसे संस्थान बनाने चाहिए जो समय के साथ और मजबूत होते जाएं। भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार इसी दिशा में तेजी से काम कर रही है। पीएम मोदी चंडीगढ़ के पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पीईसी) में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने 4,700 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए बुनियादी ढांचे का विकास एक रास्ता तय करता है और पहली बार देश में बुनियादी ढांचे का विकास एक व्यापक सोच के साथ किया जा रहा है। हमें भविष्य के अनुरूप प्रौद्योगिकी, भविष्य के अनुरूप परिवहन और भविष्य के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान देते हुए आधुनिक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को चंडीगढ़ में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, अश्विनी वैष्णव व अन्य लोगों की मौजूदगी में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब के जालंधर में एक कार्यक्रम के दौरान संत निरंजन दास से बातचीत करते हुए।

PGI में MBBS कॉलेज को मंजूरी

पीएम मोदी ने कहा कि आज देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है और एमबीबीएस तथा स्नातकोत्तर मेडिकल सीटों की संख्या भी रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ गई है। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में भी अब एक एमबीबीएस कॉलेज को मंजूरी मिल गई है और जल्द ही दाखिले शुरू होंगे। इससे युवाओं को भारत के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा और देश को अधिक संख्या में योग्य डॉक्टर मिलेंगे।

पंजाब की आप सरकार कट्टर बेईमान

प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को जालंधर में एक जनसभा में पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर कानून-व्यवस्था और कई अन्य मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने राज्य की सत्तारूढ़ सरकार को 'कट्टर बेईमान' करार देते हुए कहा कि इसकी न तो साफ नीयत है और न ही ईमानदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह चरमरा चुकी है। यहां कोई नहीं जानता कि कब और कहां गैंगवार हो जाए या किस दिशा से गोलियां चलने लगें। मोदी ने कहा, खुलेआम रंगदारी मांगी जा रही हैं। मोदी ने शिरोमणि अकाली दल पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उसे जनता की चिंता नहीं है।

शीर्ष अदालत का अहम फैसला

स्वयं पैरवी करने वाले पक्षकारों की सुनवाई का अब सीधा प्रसारण नहीं

बेधड़क | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शीर्ष अदालत में अपना मामला खुद पेश करने वाले याचिकाकर्ताओं के अनियंत्रित व्यवहार पर कड़ा रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत के सभी न्यायाधीशों ने तय किया है कि खुद पेश होने वाले याचिकाकर्ताओं के मामले की सुनवाई का सीधा प्रसारण नहीं होगा। कोर्ट ने ऐसे मामलों के लिए एक नया प्रोटोकॉल भी मंजूर किया है। यदि याचिकाकर्ता अपना पक्ष रखने के लिए खुद कोर्ट में पेश होते हैं तो ऐसी सुनवाई का न तो सीधा प्रसारण होगा और न ही उसे रिकॉर्ड करने की इजाजत दी जाएगी। जो लोग खुद पेश होना चाहते हैं, उन्हें वर्चुअल मोड में पेश होने का विकल्प दिया जाएगा। अगर वे खुद पेश होने पर जोर देते हैं, तो कुछ शर्तें लागू होंगी। यह फैसला एक पक्षकार द्वारा अदालत कक्ष में कथित तौर पर अपशब्द कहने और अपने मामले की फाइल फेंकने की घटना के कुछ दिन बाद लिया गया है। 10 जुलाई को एक याचिकाकर्ता प्रबल प्रताप ने जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। ज्ञात रहे कि भारत24 पर 14 जुलाई को प्रसारित The JC Show में डॉ. जगदीश चंद्र ने भी यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा उदारता बरतने एवं क्षमादान पर आश्चर्य व्यक्त किया था।

तेजा सिंह समुंदरी की शहादत को किया याद

नई दिल्ली। सरदार तेजा सिंह समुंदरी की शहादत की 100वीं वर्षगांठ पर दिल्ली में भजन-कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत और दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा शामिल हुए। इस अवसर पर तेजा सिंह समुंदरी की सेवाओं को याद किया गया। समुंदरी स्वतंत्रता सेनानी और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (SGPC) के अहम सदस्य रहे हैं।

संसद सत्र: राजग के मंत्री समूह की अहम बैठक

बिल पारित कराने की प्राथमिकता पर मंत्रणा

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र से पहले शुक्रवार को यहां कर्तव्य भवन में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के मंत्रियों के समूह की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेता शामिल हुए। बैठक में 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद सत्र के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन की रणनीति पर चर्चा की गई। राजनाथ सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की। सूत्रों ने बताया कि बैठक में केंद्रीय मंत्रियों और राजग के सहयोगी दलों के नेताओं ललन सिंह (जदयू), जयंत चौधरी (रालोद) और के राममोहन नायडू (टीडीपी) ने भी हिस्सा लिया। बैठक में आगामी सत्र के लिए सरकार के कामकाज और इस सत्र के दौरान दो अध्यादेशों को कानून में बदलने की सरकार की प्राथमिकता पर चर्चा हुई।

सरकार आगामी मानसून सत्र में आयकर (संशोधन) विधेयक पेश करने की योजना बना रही है। यह विधेयक उस अध्यादेश की जगह लेगा, जिसके तहत विदेशी निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश से मिलने वाले ब्याज और पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट दी गई थी। पश्चिम एशिया संकट के कारण रुपए पर बढ़ते दबाव को कम करने और विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए पिछले महीने यह अध्यादेश जारी किया गया था। आयकर (संशोधन) विधेयक, 2026 आयकर (संशोधन) अध्यादेश, 2026 की जगह लेगा। सरकार आगामी सत्र में आयकर (संशोधन) विधेयक पेश करने की भी योजना बना रही है।

सरकार को दो-तिहाई बहुमत का भरोसा

आगामी सत्र में सरकार संसद में पारित कराने के लिए महिला आरक्षण विधेयक में संशोधन और परिसीमन विधेयक भी ला सकती है। राजग के सूत्रों ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को छोड़कर अन्य विपक्षी दलों के समर्थन से जरूरी दो-तिहाई बहुमत मिलने का भरोसा जताया है। सरकार सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों की संख्या 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के कई विकल्पों पर काम कर रही है, ताकि दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर किया जा सके। इसके साथ ही वह महिला आरक्षण कानून से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक के नए मसौदे को लागू करने की तैयारी कर रही है।

परिसीमन पर फैसला गुण-दोष के आधार पर: DMK

चेन्नई। द्रमुक ने शुक्रवार को कहा कि जब प्रस्तावित परिसीमन से जुड़ा विधेयक संसद में पेश किया जाएगा, तो वह उसका अध्ययन करेगी और तमिलनाडु के हितों की रक्षा के लिए 'गुण-दोष' के आधार पर निर्णय लेगी। पार्टी सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जब विधेयक के दायरा और मकसद का पता चलेगा, तो उसका विश्लेषण किया जाएगा और निर्णय लिया जाएगा।

जंतर-मंतर और कांग्रेस का कैलकुलेटर!

जंतर-मंतर के मंच पर कांग्रेस की नपी-तुली 'डिप्लोमेसी'!

लुटियंस दिल्ली के सियासी गलियारों में आज की चाय के साथ एक नया वॉट्सएप फॉरवर्ड तैर रहा है। चर्चा गरम है कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' के बैनर तले नीट धांधली के खिलाफ 20 दिनों से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक के मंच पर जाने के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा बेहद उत्सुक थीं। लेकिन ऐन वक्त पर राहुल गांधी के एक खासमखास सिपहसालार ने उन्हें सलाह दे डाली कि 'मैडम, वहां जाने से आंदोलन राजनीतिक रंग ले लेगा, थोड़ा रुकिए!' राजनीतिक प्रेक्षक इस सलाह के पीछे की टाइमिंग को देखकर मुस्कुरा रहे हैं। कांग्रेस हाईकमान ने इस बीच एक बेहद दिलचस्प संतुलन साधा है। एक तरफ जहां प्रियंका को रोककर आंदोलन को 'नागरिक आंदोलन' बने रहने दिया गया, वहीं दूसरी तरफ डैमेज कंट्रोल के लिए राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा को तुरंत धरना स्थल पर भेज दिया गया! क्या कांग्रेस की यह 'एक कदम पीछे, दो कदम आगे' वाली कूटनीति संसद के आगामी सत्र में सरकार को घेरने में कोई नया नैरेटिव बना पाएगी, या फिर यह सिर्फ एक और 'fuss politics' बनकर रह जाएगी?

पहले कुर्सी संभाली, फिर सलामी मिली, दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर में 'बिना बैंड-बाजे' के आए नए बॉस!

दिल्ली पुलिस में 'सरप्राइज एंट्री' और 13वीं मंजिल का सस्पेंस!

दिल्ली पुलिस के जयसिंह रोड स्थित आलीशान मुख्यालय में शुक्रवार को कुछ ऐसा हुआ, जिसने खाकी वर्दी के बड़े-बड़े सूरमाओं के होश उड़ा दिए। 17 जुलाई की सुबह तक पूर्व कमिश्नर सतीश गोलचा पूरे रौब में थे, सुबह 9 बजे नई दिल्ली में मंत्री जी के साथ बकायदा पौधा-रोपण कर रहे थे और उनके दफ्तर में मुलाकातों की लंबी लिस्ट तैयार थी। लेकिन दिल्ली की सत्ता के गलियारों में कब मौसम बदल जाए, कोई नहीं जानता। राजनीतिक प्रेक्षक इस बात से हैरान हैं कि खुद निवर्तमान कमिश्नर साहब को भी अपने तबादले की खबर सुबह ही पता चली। अलबत्ता, असली 'मोमेंट' तो तब आया जब 1994 बैच के तेज-तर्रार आईपीएस अनुराग कुमार आईबी के स्पेशल डायरेक्टर के पद से सीधे पुलिस हेडक्वार्टर पहुंच गए। कप्तानी बदलने की रफ्तार इतनी तेज थी कि रिसेप्शन पर बैठे संतरियों से लेकर आला अफसरों तक को कानों कान खबर नहीं थी। सचमुच दिल्ली पुलिस के इतिहास में शायद यह पहली बार हुआ होगा कि नए बॉस के स्वागत में 'गार्ड ऑफ ऑनर' की तैयारी तक का वक्त नहीं मिला। परंपराओं को किनारे रख नए कमिश्नर साहब सीधे 13वीं मंजिल पर पहुंचे, पहले चार्ज लिया और जब पुलिस महकमा जागा, तब जाकर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया!

तीर-कमान पहले ही बदल चुका है पाला, अब 'घड़ी' भी मिलाने जा रही है दिल्ली से अपना समय!

पश्चिमी घाट से उठी सियासी आंधी, एनडीए के कुनबे में एक और 'महा-प्रवेश' की स्क्रिप्ट तैयार!

मुंबई से लेकर लुटियंस दिल्ली तक, सत्ता के गलियारों में एक बहुत बड़ी गॉसिप तैर रही है। चर्चा है कि एक क्षेत्रीय दल के बड़े धड़े के हालिया पाला बदलने के बाद, अब उस राज्य के सबसे अनुभवी और चाणक्य कहे जाने वाले 'वरिष्ठ सिपहसालार' भी एनडीए के रथ पर सवार होने की तैयारी में हैं। राजनीतिक प्रेक्षक इस बात को लेकर माथापच्ची कर रहे हैं कि अगर उस कुनबे के दोनों धड़े एक साथ आते हैं, तो सत्ता की मलाई का बंटवारा कैसे होगा? असली गॉसिप तो यह है कि यह पूरी बिसात सिर्फ इसलिए बिछाई जा रही है ताकि वरिष्ठ नेता अपने जीवन के इस पड़ाव पर अपनी 'पॉलिटिकल वारिस' को दिल्ली की राजनीति में पूरी तरह स्थापित देख सकें! अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि उस सूबे में इस 'वरिष्ठ क्षत्रप' ने कभी भी पुरानी पार्टी को खुलकर सांस नहीं लेने दी थी, इसलिए अब उनका जाना एक तरह से वरदान माना जा रहा है! खैर, पॉपकॉर्न तैयार रखिए, क्योंकि महाराष्ट्र की राजनीति का क्लाइमेक्स अभी बाकी है!

जब कैप्टन डूब रहे थे तो 'चन्नी' उड़ गए अमेरिका, अब राजा की गद्दी पर सबकी नजर!

राहुल गांधी ने प्रभारी को दी 'नो-चेंज' की घुट्टी, पंजाब के बागियों को दिल्ली से समय का इंतजार!

चंडीगढ़ से लेकर दिल्ली तक इन दिनों पंजाब कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान की खुशबू बड़ी तेज आ रही है। चर्चा यह है कि पंजाब के कुछ दिग्गज बागी नेता इन दिनों दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं और आलाकमान से मिलने का समय मांग रहे हैं, लेकिन अंदर से खबर है कि उनका फोन 'नॉट रीचेबल' मोड में डाल दिया गया है। राजनीतिक प्रेक्षक चटखारे लेकर बता रहे हैं कि राहुल गांधी ने साफ कह दिया है कि पंजाब में "कैप्टन" यानी प्रदेश अध्यक्ष नहीं बदला जाएगा ! अलबत्ता इस भरोसे के पीछे की कहानी भी बड़ी दिलचस्प है। जब साल 2022 की करारी हार के बाद पार्टी के पूर्व मुखिया और दूल्हे (CM Face) पूरे नौ महीने के लिए 'विदेशी हवा' खाने अमेरिका चले गए थे, तब राजा वारिंग ने ही पंजाब में डूबती नैया को संभाला था ! अब उन बागी नेताओं के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या वे दिल्ली में रहकर सिर्फ 'लुटियंस की सैर' करेंगे या फिर वापस पंजाब जाकर 'राजा' के नेतृत्व में ही भांगड़ा करने की आदत डालेंगे? खैर देखना है कि इस अंदरूनी कुश्ती का फाइनल स्कोर क्या रहता है !

■ संकलन: संदीप मिश्रा

खेल हलचल

रूट के दम पर इंग्लैंड की वापसी

कार्डिफ। जो रूट की नाबाद 99 रन की शानदार पारी की बदौलत इंग्लैंड ने दूसरे वनडे में भारत को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। अब सीरीज का निर्णायक मुकाबला रविवार को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत 44 ओवर में 233 रन पर सिमट गया। विराट कोहली ने 65 और उपकप्तान श्रेयस अय्यर ने 66 रन बनाए, जबकि कप्तान शुभमन गिल ने 31 रन बनाए। रोहित शर्मा 47 गेंदों में 26 रन ही बना सके। जोफ्रा आर्चर और गस एटकिंसन ने तीन-तीन विकेट लिए। 234 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रूट ने विल जैक्स (30) के साथ अहम साझेदारी कर टीम को 44.1 ओवर में जीत दिला दी।

एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप की जागरूकता रैली आज

बेधड़क, जयपुर। आगामी तीसरी एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप के प्रचार-प्रसार और दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार को जयपुर में एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया जाएगा। विश्व पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित होने वाली इस रैली का मुख्य उद्देश्य पैरा खेलों को बढ़ावा देना और समाज में समावेशिता व समानता का संदेश देना है। मीडिया प्रभारी एडवोकेट ललित शर्मा ने बताया कि रैली का शुभारंभ सुबह 6:30 बजे रामनिवास बाग (दक्षिण), जे.के. लोन अस्पताल के पीछे से होगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्व पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन की अध्यक्ष निर्मला रावत होंगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत, पूर्व डीजी (एसीबी) बी.एल. सोनी, दिव्यांगजन निदेशालय के डिप्टी डायरेक्टर भगवान सहाय और तेजस्वी गहलोत सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

राजीव गांधी एकेडमी की जीत

बेधड़क, जयपुर। 35वीं राजीव गांधी स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में शुक्रवार को संस्कार ग्राउंड पर खेले गए पूल ए के मैच में चंबल स्पोर्ट्स ने इलेवन स्टार क्लब को 102 रनों से हरा दिया। चंबल स्पोर्ट्स ने सावन के 67 रनों और राहुल खंडेलवाल के 44 रनों की बदौलत 20 ओवर में 9 विकेट पर 213 रन बनाए। जवाब में इलेवन स्टार क्लब 20 ओवर में 9 विकेट पर 111 रन ही बना सकी। स्वप्निल चौधरी व हिमांशु ने 3-3 विकेट लिए। राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी ने संस्कार क्रिकेट एकेडमी को 33 रनों से शिकस्त दी।

जिला आर्चरी में 200 तीरंदाज

बेधड़क, जयपुर। सिरसी स्थित गुरु द्रोणाचार्य आर्चरी अकादमी में जिला स्तरीय आर्चरी प्रतियोगिता का शुक्रवार को भव्य आगाज हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि व अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी हीरानंद कटारिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में जयपुर जिले के 200 से अधिक तीरंदाज अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में खेल अधिकारी करण सिंह शेखावत उपस्थित थे।

वेस्टइंडीज के सर गैरी सोबर्स का 89 साल की उम्र में निधन

सोबर्स ने 93 टेस्ट खेले, पहली बार 6 गेंद पर लगाए 6 छक्के

एजेंसी | ब्रिजटाउन (बारबाडोस)

क्रिकेट जगत ने शुक्रवार को अपने सबसे महान ऑलराउंडरों में से एक सर गारफील्ड सोबर्स को खो दिया। 89 वर्षीय वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान के निधन की पुष्टि उनके बेटे डेनियल ने की। उनके निधन पर क्रिकेट वेस्टइंडीज, आईसीसी, बीसीसीआई और दुनिया भर के क्रिकेट जगत ने गहरा शोक व्यक्त किया।

1936 में बारबाडोस में जन्मे सोबर्स ने 1954 से 1974 के बीच 93 टेस्ट मैचों में 57.78 की औसत से 8,032 रन बनाए, जिसमें 26 शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने बाएं हाथ से तेज गेंदबाजी के अलावा स्पिन की दोनों शैलियों में गेंदबाजी करते हुए 235 टेस्ट विकेट भी हासिल किए। शानदार बल्लेबाज और गेंदबाज होने के साथ वे बेहतरीन क्षेत्ररक्षक भी थे।

सोबर्स ने 1958 में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 365 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर उस समय टेस्ट क्रिकेट का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाया था। यह रिकॉर्ड 36 वर्षों तक कायम रहा। 1968 में नॉटिंघमशायर की ओर से खेलते हुए उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर की छह गेंदों पर छह छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बनने का गौरव भी हासिल किया।

सोबर्स का सुनहरा कॅरिअर

- 93 टेस्ट में 8,032 रन और औसत 57.78 रही।
- 26 शतक और 30 अर्धशतक।
- 235 टेस्ट विकेट लिए।
- 383 प्रथम श्रेणी मैचों में 28,314 रन।
- प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 1,043 विकेट।

सोबर्स के नाम ऐतिहासिक रिकॉर्ड

- 1958 में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 365 रन।
- 36 वर्षों तक रहा टेस्ट का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर।
- 1968 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट के एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज।
- 1975 में 'नाइटहुड' से सम्मानित।
- आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर पुरस्कार उनके नाम पर 'सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी' कहलाता है।

39 मैचों में की कप्तानी

1965 से 1972 तक उन्होंने 39 टेस्ट मैचों में वेस्टइंडीज की कप्तानी की। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने 383 मैचों में 28,314 रन बनाए और 1,043 विकेट भी लिए। क्रिकेट में उनके अतुलनीय योगदान के लिए 1975 में उन्हें 'नाइटहुड' से सम्मानित किया गया, जबकि 2000 में विजडन ने उन्हें 'क्रिकेटर ऑफ द सेंचुरी' चुना। आईसीसी का वर्ष के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का पुरस्कार भी उनके सम्मान में 'सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी' के नाम से दिया जाता है।

फीफा विश्व कप फाइनल: रॉबी ने कहा... स्पेन का पलड़ा भारी

मेस्सी को रोकना मुश्किल

एजेंसी | मुंबई

इंग्लैंड के पूर्व स्ट्राइकर रॉबी फाउलर का मानना है कि अर्जेंटीना के खिलाफ फीफा विश्व कप फाइनल में स्पेन का पलड़ा थोड़ा भारी है, लेकिन उन्होंने कहा कि लियोनल मेस्सी ऐसे खिलाड़ी हैं जो अकेले अपने दम पर मुकाबले का नतीजा बदल सकते हैं। फाउलर के अनुसार रोड्री की अगुआई में स्पेन का मिडफील्ड बेहद मजबूत है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन पूरे 90 मिनट तक मेस्सी को रोकना फुटबॉल की सबसे कठिन चुनौतियों में से एक है। 'जी5' के विशेषज्ञ पैनल के सदस्य फाउलर ने पत्रकारों से कहा, लामिने यमाल फाइनल में अलग खिलाड़ी होंगे। उनका खेल अलग स्तर का होगा। फाइनल में उनका प्रदर्शन और बेहतर होगा। लिवरपूल के पूर्व स्टार ने कहा

कि कुल मिलाकर स्पेन का पलड़ा थोड़ा भारी है, क्योंकि रोड्री ने इस टूर्नामेंट में कमाल का खेल दिखाया है। ऐसे आक्रामक खिलाड़ी का होना बहुत अच्छी बात है, जो मैच में जीत दिला सकता है। आपका रक्षण मजबूत और व्यवस्थित है। अगर आपका मिडफील्ड मैच को नियंत्रित करता है, तो जीतने की संभावना काफी बढ़ जाती है। फाउलर ने कहा कि स्पेन की 'गेंद पर नियंत्रण' आधारित शैली अर्जेंटीना के खतरे को सीमित करने में अहम भूमिका निभा सकती है।

हमें कुछ भी आसानी से नहीं मिला: मेस्सी

अटलांटा (अमेरिका)। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेस्सी ने विश्व कप में टीम पर लग रहे पक्षपात के आरोपों को खारिज करते हुए आलोचकों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना की सफलता किसी की मेहरबानी नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत का नतीजा है। मेस्सी ने कहा, 'हमें कुछ भी थाली में सजाकर नहीं दिया गया।' इंग्लैंड पर 2-1 की रोमांचक जीत के बाद उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में अर्जेंटीना ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और लगातार दूसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचना इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। उन्होंने कहा कि दुनिया की शीर्ष दो टीमों में लगातार जगह बनाना कोई संयोग नहीं हो सकता।

पेले की जर्सी 49 लाख डॉलर में बिकी

न्यूयॉर्क। ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले की 1958 विश्व कप फाइनल में पहनी गई नंबर-10 जर्सी नीलामी में 49 लाख डॉलर (करीब 47.21 करोड़ रुपए) में बिकी है। नीलामीकर्ता सोथबीज के अनुसार, यह अब तक की दूसरी सबसे महंगी फुटबॉल जर्सी है। 17 वर्षीय पेले ने 1958 विश्व कप दो गोल किए थे और विश्व कप फाइनल में सबसे कम उम्र में गोल करने का रिकॉर्ड आज भी उनके नाम है। सबसे महंगी फुटबॉल जर्सी का रिकॉर्ड डिएगो माराडोना की 1986 विश्व कप की 'हैंड ऑफ गॉड' जर्सी के नाम है।

सहकारिता विभाग ने की गुपचुप चुनावी कवायद

चित्तौड़गढ़ क्रिकेट संघ के चुनाव विवादों के घेरे में

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में क्रिकेट प्रशासन एक बार फिर विवादों में है। इस बार मामला चित्तौड़गढ़ जिला क्रिकेट संघ के प्रस्तावित चुनावों से जुड़ा है। चुनाव प्रक्रिया को लेकर पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि सहकारिता विभाग नियमों और न्यायालय के निर्देशों की अनदेखी करते हुए अत्यंत गोपनीय तरीके से चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। जानकारी के अनुसार, जिले में पिछले दो वर्षों से क्रिकेट गतिविधियों के संचालन के लिए रजिस्ट्रार द्वारा पांच सदस्यीय तदर्थ (एडहॉक) समिति गठित की गई थी। बताया जा रहा है कि इस अवधि में समिति की कोई औपचारिक बैठक नहीं हुई और न ही चुनाव कार्यक्रम को लेकर सदस्यों के बीच कोई पारदर्शी चर्चा की गई। इसके बावजूद 19 जुलाई को मतदान की तिथि निर्धारित कर दी गई है।

2 साल बाद चुनाव प्रक्रिया पर सवाल

चित्तौड़गढ़ जिला क्रिकेट संघ के संचालन के लिए गठित पांच सदस्यीय तदर्थ (एडहॉक) समिति के गठन के बाद पिछले दो वर्षों में चुनाव को लेकर कोई औपचारिक बैठक नहीं होने का दावा किया जा रहा है। अब अचानक 19 जुलाई को मतदान की तिथि तय किए जाने से चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि समिति के कुछ सदस्यों और संबंधित पदाधिकारियों को भी चुनाव कार्यक्रम की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई।

आरोप है कि तदर्थ समिति के कुछ सदस्यों और स्थानीय क्रिकेट संघ से जुड़े पदाधिकारियों को भी इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई।

बिजनेस बेधड़क

शेयर बाजार

सेंसेक्स	निफ्टी
78,151.45 (+964.58)	24,334.30 (+261.55)

सर्राफा

सोना शुद्ध	जेवराती सोना	चांदी
1,45,000 (-400)	1,34,100 (-600)	2,23,000 (-2,000)

जरूरी खबर

आरपीपीए के 'रेड अलर्ट' अभियान से वसूली में राहत

जयपुर। राजस्थान पीवीसी पाइप एसोसिएशन (RPPA) के 'रेड अलर्ट' अभियान से व्यापारियों को करोड़ों रुपए के बकाया भुगतान की वसूली में राहत मिली है। अध्यक्ष नवीन शर्मा ने बताया कि भुगतान नहीं करने वाली कंपनियों को संगठन के प्लेटफॉर्म पर ब्लैकलिस्ट कर डीलर-डिस्ट्रीब्यूटर से उन्हें माल नहीं देने की अपील की गई। इससे कई डिफॉल्टर कंपनियों ने बकाया राशि चुका दी है, जबकि अन्य से वसूली की प्रक्रिया जारी है। शुक्रवार को आयोजित आरपीपीए की बैठक में उपाध्यक्ष अमित गुप्ता, सचिव अनीश चौधरी, पूर्व अध्यक्ष नवनीत अग्रवाल सहित सदस्य मौजूद रहे। बैठक में सदस्यों से 'रेड अलर्ट' अभियान में सहयोग का शपथ पत्र भी भरवाया गया।

धींवा बने फिक्की राजस्थान माइनिंग समिति के अध्यक्ष

जयपुर। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने उद्योगपति अनिल धींवा को फिक्की राजस्थान राज्य माइनिंग समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। नियुक्ति फिक्की राजस्थान राज्य परिषद के अध्यक्ष अशोक कजरिया ने की। धींवा फिक्की की केंद्रीय माइनिंग समिति के सदस्य भी हैं। कजरिया ने विश्वास जताया कि धींवा के नेतृत्व में समिति सरकार, उद्योग और निवेशकों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित कर राज्य के खनन क्षेत्र को नई दिशा देगी।

बैंकिंग और आईटी-ऑटो शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी

प्रमुख कंपनियों में खरीदारी से बाजार में तेजी... सेंसेक्स 965 अंक उछला

एजेंसी | मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज, बैंकिंग और आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी के दम पर शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में शानदार तेजी दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 964.58 अंक (1.25 प्रतिशत) उछलकर 78,151.45 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई का निफ्टी 261.55 अंक (1.09 प्रतिशत) चढ़कर 24,334.30 अंक पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 1,095 अंक से अधिक चढ़कर 78,282.55 अंक तक पहुंच गया। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, प्रमुख कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों की उम्मीद, आईटी कंपनियों में मजबूत लिवाली और रिलायंस इंडस्ट्रीज में खरीदारी ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। रुपए में मजबूती ने भी बाजार को सहारा दिया।

वैश्विक सूचकांक में गिरावट

वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशिया में तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड 1.79 प्रतिशत बढ़कर 85.52 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। एशियाई बाजारों में जापान, चीन और हांगकांग के प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि यूरोपीय बाजारों में भी कमजोरी का रुख रहा। इसके बावजूद भारतीय बाजार घरेलू कारकों के दम पर बढ़त बनाए रखने में सफल रहे। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 582.06 अंक (0.75 प्रतिशत) और निफ्टी 127.40 अंक (0.52 प्रतिशत) मजबूत रहे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 4,205.56 करोड़ रुपए के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

तेजी के कारण

- प्रमुख कंपनियों के अनुकूल तिमाही नतीजों की उम्मीद।
- बैंकिंग और आईटी शेयरों में मजबूत खरीदारी।
- रिलायंस इंडस्ट्रीज में जोरदार लिवाली।
- रुपए में मजबूती से निवेशक धारणा मजबूत।
- घरेलू संस्थागत निवेशकों का लार्जकैप शेयरों की ओर रुख।

इन शेयरों में आया ज्यादा उछाल

सेंसेक्स में टेक महिंद्रा का शेयर बेहतर तिमाही नतीजों के बाद करीब 3.91 प्रतिशत उछला। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर भी तिमाही परिणामों से पहले लगभग तीन प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर भी बढ़त में रहे। दूसरी ओर सन फार्मा, ट्रेंट, भारती एयरटेल और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

बड़ी कंपनियों के शेयरों की ओर बढ़ा निवेशकों का रुझान

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि निवेशकों का रुझान बड़ी कंपनियों के शेयरों की ओर बढ़ रहा है। उनके अनुसार घरेलू संस्थागत निवेशक महंगे मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों से निकलकर आकर्षक मूल्यांकन वाले लार्जकैप शेयरों में निवेश बढ़ा रहे हैं। क्षेत्रवार प्रदर्शन में निजी बैंक सूचकांक 1.81 प्रतिशत, शीर्ष-10 बैंक सूचकांक 1.78 प्रतिशत, आईटी सूचकांक 1.38 प्रतिशत और वित्तीय सेवा सूचकांक 1.20 प्रतिशत मजबूत रहे। इसके विपरीत बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.32 प्रतिशत और मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.07 प्रतिशत फिसल गया।

मानसून की बेरुखी से चिंता

राज्य सरकार केंद्र से मांगे 10 लाख टन गेहूं और पशु चारा

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में मानसून की बेरुखी अब चिंता का विषय बन गई है। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने बताया कि यदि अगले पांच दिनों में पर्याप्त बारिश नहीं हुई तो राज्य की खरीफ फसल पर गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने राज्य सरकार को पत्र लिखकर केंद्र सरकार के समक्ष तत्काल 10 से 15 लाख टन गेहूं तथा पशुओं के लिए पर्याप्त चारे की व्यवस्था की मांग रखने की अपील की है, ताकि संभावित खाद्यान्न और चारा संकट से समय रहते निपटा जा सके। गुप्ता के अनुसार बारिश नहीं होने पर बाजरे की 40 लाख टन, मक्का की 15 लाख टन, मूंग की 14 लाख टन, मूंगफली की 20 लाख टन, ज्वार की 8 लाख टन, सोयाबीन की 8 लाख टन, मोठ की 4 लाख टन, तिल की 2

बाबूलाल गुप्ता

लाख टन और उड़द की 1 लाख टन संभावित पैदावार प्रभावित हो सकती है। फिलहाल अधिकांश बारानी क्षेत्रों में 15 से 50 प्रतिशत तक ही बुवाई हो सकी है, जबकि केकड़ी, नागौर, टोंक, बीकानेर, दौसा और भरतपुर जिलों में सिर्फ 15 प्रतिशत बुवाई का अनुमान है। उन्होंने बताया कि बाजरे की कमी होने पर प्रदेश में गेहूं की अतिरिक्त मांग तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने सरकार से संभावित अकाल जैसी स्थिति से निपटने के लिए अभी से तैयारी करने की मांग की।

कट्स इंटरनेशनल की रिपोर्ट

बाइक टैक्सी के लिए समान नियम व सुरक्षा की सिफारिश

बेधड़क | जयपुर

कट्स इंटरनेशनल की नई रिपोर्ट के अनुसार अलग-अलग राज्यों में नियम लागू करने की विसंगतियों को दूर करने, गिग वर्कर्स की आजीविका सुरक्षित करने, फर्स्ट और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत को बाइक टैक्सियों के लिए एक समान, तथ्य-आधारित और आनुपातिक नियामक ढांचे की आवश्यकता है। भारत में बाइक टैक्सी नियमों का सामंजस्य: एक

तथ्य-आधारित मूल्यांकन और सुधार के सुझाए गए मार्ग नामक रिपोर्ट को नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता पाल कृष्ण अग्रवाल ने लॉन्च किया। अग्रवाल ने कहा कि जैसे-जैसे भारत जीवन जीने की सुगमता के एजेंडे को मजबूत कर रहा है, एक एकीकृत मोबिलिटी इकोसिस्टम कनेक्टिविटी, रोजगार, उत्पादकता और टिकाऊ विकास का महत्वपूर्ण चालक बन सकता है। रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब भारत में बाइक टैक्सी नियमों में तेजी से बदलाव हो रहा है, जिसमें राज्य अलग-अलग दृष्टिकोण अपना रहे हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड अध्यक्ष नितिन आर. गोकर्ण ने कहा कि इनोवेशन अक्सर नियमों से तेजी से आगे बढ़ता है और उभरते मोबिलिटी सेक्टर्स में सुरक्षित और जवाबदेह विकास को समर्थन देने के लिए नियामक ढांचे को समय के साथ विकसित होना चाहिए।

पैनल के दौरान राज्यों में नियमों पर हुई चर्चा

पहला पैनल 'राज्यों में नियमों का सामंजस्य: नीतिगत कमियों और कानूनी अस्पष्टताओं को पाटना' का संचालन अमोल कुलकर्णी डायरेक्टर, रिसर्च, कट्स इंटरनेशनल ने किया। पैनल में छवि बंसवाल फाउंडर एंड प्रिंसिपल कंसल्टेंट काइरल कंसल्टिंग, परोमा भट्ट हेड ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नमेंट रिलेशंस, उबर इंडिया एंड साउथ एशिया, प्रवेश बियानी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन सस्टेनेबल मोबिलिटी, आईआईआईटी दिल्ली, शांतनु शर्मा, सीनियर मैनेजर, लॉ, पॉलिसी एंड रेगुलेशंस, रैपिडो और निखिल राठी सीनियर अकाउंट डायरेक्टर पब्लिक पॉलिसी चेज एडवाइजर्स शामिल हुए। दूसरा पैनल 'भारत के मोबिलिटी इकोसिस्टम में बाइक टैक्सी: इनोवेशन, आजीविका और उपभोक्ता कल्याण' का संचालन अनिल सासी नेशनल बिजनेस एडिटर, द इंडियन एक्सप्रेस ने किया। पैनल में वीरेंद्र एस. राठौर, डिप्टी कमिश्नर, डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसपोर्ट, गवर्नमेंट ऑफ राजस्थान, शिक्षा श्रीवास्तव, एसोसिएट, पीएलआर चेम्बर्स, श्रेया यादव एसोसिएट मैनेजर लीगल पब्लिक पॉलिसी एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स रैपिडो और सौरव धर प्रोग्राम लीड मोबिलिटी काउंसिल ऑन एनर्जी एनवायरनमेंट एंड वाटर शामिल रहे। चर्चा में वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि बाइक टैक्सियों को भारत के व्यापक शहरी मोबिलिटी इकोसिस्टम के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। साथ ही यात्री सुरक्षा, उपभोक्ता की पसंद और नियामक निश्चितता के बीच संतुलन बनाए।

'अंतरनाद जयपुर' में 19 को प्रस्तुति देंगे गायक निखार जुनेजा, गणगौर टीवी है कार्यक्रम का मीडिया पार्टनर

हार्ड रॉक, मेटल और समकालीन संगीत को अध्यात्म के साथ जोड़कर निखार जुनेजा ने दी भक्ति संगीत को नई पहचान

डॉ. प्रज्ञा चंदेल | बेधड़क

जयपुर। आज के दौर में, जहां अधिकांश युवा संगीतकारों के लिए सफलता का पैमाना चार्टबस्टर गाने और खचाखच भरे स्टेडियम होते हैं, वहीं गायक, गीतकार और संगीतकार निखार जुनेजा संगीत को भक्ति, करुणा और जीवन के गहरे उद्देश्य का माध्यम मानते हैं। हार्ड रॉक, मेटल और समकालीन संगीत को आध्यात्मिक विषयों के साथ जोड़कर उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनाई है, जो आज की युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के साथ-साथ भारतीय परंपराओं से भी गहराई से जुड़ी हुई है।

गहरे आध्यात्मिक वातावरण वाले परिवार में पले-बढ़े निखार बताते हैं कि बचपन से ही भक्ति उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा रही है। उनके पिता और जुड़वां चाचाओं ने केवल आस्था के आधार पर एक निजी मंदिर का निर्माण कराया, जहां उन्होंने देवी दुर्गा और भगवान शिव की आराधना तथा धार्मिक अनुष्ठानों के बीच अपना बचपन बिताया। निखार कहते हैं, 'आध्यात्मिकता हमेशा से मेरी परवरिश का हिस्सा रही है। संगीत बाद में आया, लेकिन समय के साथ दोनों एक-दूसरे का स्वाभाविक विस्तार बन गए।'

निखार जुनेजा।

इस तरह हुई डिवोशनल रॉक यात्रा की शुरुआत

दिलचस्प बात यह है कि निखार जुनेजा ने कभी किसी संगीत विद्यालय में औपचारिक शिक्षा नहीं ली। एक स्वशिक्षित कलाकार के रूप में उन्होंने ऑनलाइन माध्यमों से ही गिटार बजाना, संगीत निर्माण और संगीत रचना सीखी। इस दौरान उन्हें हेवी मेटल, प्रोग्रेसिव रॉक और हिप-हॉप से विशेष प्रेरणा मिली। वे कहते हैं, 'मुझे आधुनिक संगीत पसंद था। तभी मैंने सोचा कि जिस संगीत को मैं पसंद करता हूं, उसी के साथ भक्ति को क्यों न जोड़ा जाए। यहीं से मेरी डिवोशनल रॉक यात्रा शुरू हुई।'

अध्यात्म के साथ-साथ पशु कल्याण का संदेश

निखार जुनेजा के कार्यक्रम पारंपरिक भजन संध्याओं से अलग होते हैं। प्रत्येक प्रस्तुति में कहानी, सिनेमाई दृश्य और मौलिक संगीत रचनाओं के माध्यम से आध्यात्मिकता के साथ-साथ पशु कल्याण का संदेश भी दिया जाता है। निखार बताते हैं कि इस सोच की प्रेरणा उन्हें अपने परिवार से मिली। वे कहते हैं, 'मैंने बचपन से अपने पिता को प्रतिदिन हजारों आवारा कुत्तों और गायों को भोजन कराते देखा है। मेरे परिवार ने सिखाया कि भगवान से प्रेम और पशुओं से प्रेम, दोनों एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते।' यही विचार उनके गीतों में भी दिखाई देता है, जहां पशुओं को भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का अभिन्न अंग बताया गया है। प्रभावशाली कथाओं के माध्यम से वे लोगों को यह समझाने का प्रयास करते हैं कि सच्ची आस्था का सबसे बड़ा स्वरूप करुणा है।

उपदेश की तुलना में अधिक प्रभावशाली माध्यम है संगीत

युवा पीढ़ी तक अपनी बात पहुंचाने के बारे में निखार जुनेजा का मानना है कि संगीत किसी उपदेश की तुलना में कहीं अधिक प्रभावशाली माध्यम है। वे कहते हैं, 'युवा पहले से ही रॉक और मेटल संगीत से जुड़े हुए हैं। मैं चाहता हूं कि इन्हीं धुनों के माध्यम से वे करुणा, भक्ति और मानवता के महत्व को समझें।' उनके अनुसार, उनके कॉन्सर्ट केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि ऐसे अनुभव होते हैं, जिनका उद्देश्य दर्शकों के साथ भावनात्मक जुड़ाव स्थापित करना है। स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बावजूद निखार मानते हैं कि उनकी सबसे बड़ी शिक्षा कक्षा के बाहर हुई। वे कहते हैं, 'मैंने सबसे अधिक अपने पिता से, मंदिर से और विभिन्न आध्यात्मिक परंपराओं के अध्ययन से सीखा। मेरी वास्तविक शिक्षा वहीं हुई।' बचपन के बाद पहली बार जयपुर में प्रस्तुति देने को लेकर वे उत्साहित हैं। उनका मानना है कि यदि कार्यक्रम के बाद लोग भगवान के प्रति अधिक प्रेम, पशुओं के प्रति अधिक दया और अपनी संस्कृति के प्रति गहरी समझ लेकर लौटें, तो एक कलाकार के रूप में उनका उद्देश्य पूरा हो जाएगा।

जयपुर में सजेगी संगीत और भक्ति की अनूठी शाम

जयपुर के संगीत प्रेमियों के लिए 19 जुलाई को एक विशेष संध्या आयोजित की जा रही है। गायक निखार जुनेजा 'अंतरनाद जयपुर' में अपनी प्रस्तुति देंगे। यह कार्यक्रम वैशाली नगर स्थित जानकी पैराडाइज में आयोजित होगा। कार्यक्रम के आधिकारिक मीडिया पार्टनर के रूप में गणगौर टीवी जुड़ा हुआ है।

City इवेंट्स

युवाओं ने टैलेंट के बल पर जीती राशि

बेधड़क. जयपुर। ओपन माइक लीग सीजन-3 का ग्रैंड फिनाले होटल ग्रैंड सफारी में हुआ। कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के सहयोग से विनीत जैन क्रिएशन्स ने किया। कार्यक्रम में पवन गोयल, राघव, राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जेएसजीआइएफ नॉर्दर्न रीजन के वाइस चेयरमैन डॉ. राजीव जैन व जैन सोशल ग्रुप ग्लौरी के संस्थापक अध्यक्ष पीयूष जैन सोनी शामिल हुए। फिनाले के निर्णायक मंडल में प्रिंस रूबी, दीपक वल्लभ गोस्वामी, आरजे सुगंधा, सिंगर रोहित शर्मा, अतुल जैन एहसास व योगेश राजवाड़ा सहित कई लोग शामिल रहे। प्रतियोगिता में दो प्रमुख श्रेणियों में विजेताओं का चयन किया गया। म्यूजिक कैटेगरी में बीटबॉक्सिंग प्रस्तुति से प्रभावित करते हुए संकेत सोलंकी विजेता बने। वहीं, नॉन-म्यूजिक कैटेगरी में गौरी सोनी व मयंक सोनी की जोड़ी विजेता घोषित की गई। विजेताओं को नकद पुरस्कार राशि दी गई। कार्यक्रम संचालन-प्रबंधन विनीत जैन के नेतृत्व में किया गया। व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी दामिनी अग्रवाल ने संभाली। एंकरिंग आदित्य शर्मा ने की।

डॉ. सुमहेन्द्र की स्मृति में होगी कलावार्ता

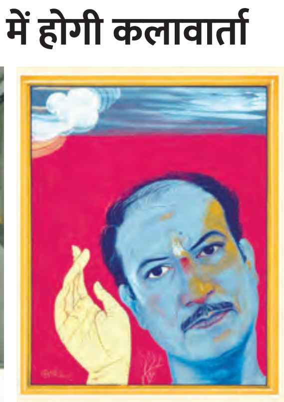

बेधड़क. जयपुर। कलावृत्त संस्था व राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट की ओर से कलागुरु डॉ. सुमहेन्द्र की 14वीं पुण्यतिथि पर कलावार्ता शनिवार सुबह आयोजित होगी। इस अवसर पर कला-जगत से जुड़े वरिष्ठ कलाकार, कला समीक्षक, शिक्षाविद्, शोधार्थी व कला विद्यार्थी डॉ. सुमहेन्द्र के बहुआयामी व्यक्तित्व, उनकी कलादृष्टि, सृजन-यात्रा तथा भारतीय कला और कला-शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। कलावृत्त अध्यक्ष संदीप सुमहेन्द्र ने बताया कि वार्ता में वरिष्ठ चित्रकार समदर सिंह खंगारोत 'सागर', कला समीक्षक विनोद भारद्वाज, वरिष्ठ चित्रकार प्रो. भवानी शंकर शर्मा, अनिल खंडेलवाल, प्राचार्य, राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट, चित्रकार व कवि अमित कल्ला तथा पंकज याद, सहायक आचार्य, चित्रकला विभाग, राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट, और आर्ट स्कूल के पूर्व छात्र डॉ. सुमहेन्द्र द्वारा विभिन्न माध्यमों की कलाओं में किए गए कार्यों, कला शिक्षक के रूप में 30 वर्षों के योगदान तथा उनके व्यक्तित्व पर चर्चा करेंगे।

इंडियन पोलो चैलेंज शील्ड का फाइनल आज

इंडियन पोलो डे पर लंदन में दिखाई देगा जयपुर पोलो के खेल का दम

बेधड़क | जयपुर

लंदन के गार्ड्स पोलो क्लब पर इंडियन पोलो डे पर शनिवार को जयपुर ट्रॉफी के लिए रोमांचक मुकाबला खेला जाएगा। मुकाबले में जयपुर ट्रॉफी के लिए 'जयपुर पोलो टीम' और 'गार्ड्स पोलो क्लब' टीम आमने-सामने होंगी। टीम जयपुर पोलो की ओर से जयपुर के सवाई पद्मनाभ सिंह, विल एमर्सन, कुलदीप सिंह राठौड़ और वेंकटेश जिंदल खेलेंगे।

वहीं, टीम गार्ड्स पोलो क्लब से सरदार जैसल सिंह, अभिमन्यु पाठक, सिमरन सिंह शेरगिल और जुआन ग्रिस जावलेटा मैदान में होंगे। भारतीय समय के अनुसार मैच शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। मैच का सीधा प्रसारण गार्ड्स टीवी - [http://tv.guardspoloclub.com/](http://tv.guardspolo-club.com/) पर होगा। इससे पूर्व शनिवार को ही इंडियन पोलो चैलेंज शील्ड का फाइनल मुकाबला होगा। भारत और ब्रिटेन के बीच खेले जाने वाले मुकाबले की विजेता टीम को जयपुर के सवाई पद्मनाभ सिंह ट्रॉफी देंगे। गौरतलब है कि इसकी शुरुआत पूर्व महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय ने की थी। उसके बाद ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह ट्रॉफी देते रहे और अब उसी परंपरा को पद्मनाभ बढ़ा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गार्ड्स पोलो क्लब, विंडसर की जयपुर ट्रॉफी भारत और ब्रिटेन के बीच पोलो से विकसित हुए सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है।

सीबीएसई इंटर स्कूल बास्केटबॉल का पहला दिन

मेजबान विद्यास्थली ने विवेक टेक्नो को हरा जीत के साथ की शुरुआत

बेधड़क | जयपुर

सवाई मानसिंह स्टेडियम कोर्ट्स पर शुरू हुई सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) की क्लस्टर-14 इंटर स्कूल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में मेजबान विद्यास्थली ने विवेक टेक्नो स्कूल को हराकर जीत के साथ शुरुआत की।

वहीं सेंट एडमंड्स ने महावीर पब्लिक स्कूल को, सेंट एंसलम अजमेर ने डीपीएस उदयपुर को, मॉडर्न स्कूल ने नारायणा स्कूल को, सोफिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कोटा ने गुढ़ा इंटरनेशनल स्कूल, नीमकाथाना को, टैगोर इंटरनेशनल ने नीरजा मोदी को, जयपुरिया ने धाराव हाई स्कूल को, आर्मी पब्लिक स्कूल ने महावीर हाई स्कूल को, रुक्मणी बिरला मॉडर्न हाई स्कूल ने महावीर स्कूल को और अल्फा इंटरनेशनल ने प्रिंस इंटरनेशनल, झुंझुनूं को हराकर दूसरे चरण में प्रवेश किया। इससे पहले पूर्व ओलंपियन और क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल सैनी तथा कोटा यूनिवर्सिटी के फाउंडर वाइस चांसलर प्रो. बीएल वर्मा ने खेलों की मशाल जलाकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। विद्यास्थली ग्रुप ऑफ एजुकेशन के सचिव योगेन्द्र सिंह और स्कूल प्राचार्य डॉ. संध्या सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। योगेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग में कुल 233 टीमों के दो हजार से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले 20 जुलाई को खेले जाएंगे।

विकसित भारत यूथ कनेक्ट | युवाओं ने लिया नशा मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प

नशा मुक्त व जागरूक युवा ही विकसित भारत की नींव

बेधड़क | जयपुर

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम व खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और माय भारत की ओर से एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय (स्वायत्तशासी) में 'विकसित भारत यूथ कनेक्ट कार्यक्रम-2026 (नशा मुक्त युवा)' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 32 महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के लगभग 450 युवा, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी, स्वयंसेवक, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता तथा यूथ एम्बेसडर्स ने सहभागिता की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद मंजू शर्मा ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। नशा मुक्त, जागरूक व संस्कारित युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव रख सकते हैं। प्रिंसिपल प्रो. रेणु जोशी ने कहा कि महाविद्यालय के लिए कार्यक्रम की मेजबानी करना गौरव का विषय है। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराई से स्वयं दूर रहने तथा समाज में जनजागरूकता फैलाकर स्वस्थ, जिम्मेदार व राष्ट्रहित के प्रति समर्पित नागरिक बनने का आह्वान किया। क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना, राजस्थान एस.पी. भटनागर ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को विकसित भारत-2047 के विजन से जोड़ना, उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना तथा नशा मुक्त भारत अभियान का सहभागी बनाना है।

आज का युवा देश का भविष्य ही नहीं, परिवर्तनकर्ता भी

राज्य समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय डॉ. के.के. कुमावत ने राज्य के 354 महाविद्यालयों में संचालित राज्यव्यापी 'नई किरण' नशा मुक्ति अभियान की जानकारी दी। अंकित शर्मा ने कहा कि आज का युवा केवल देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान का परिवर्तनकर्ता है। प्रतिभागियों ने नशा मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने की शपथ ली। इस अवसर पर उपप्राचार्य डॉ. विकास बैराठी, डीन अकादमिक डॉ. राजेश यादव, एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनंत विजया सोनी, डॉ. विशाल गौतम, डॉ. मुकेश शर्मा, डॉ. राकेश धाभाई, डॉ. फरहा दिबा, डॉ. अनु मल्होत्रा, डॉ. नीतू शर्मा, डॉ. सुमन यादव सहित लगभग 35 शैक्षणिक संस्थानों के अधिकारी व व्याख्याता उपस्थित रहे।

पं. कुंदन लाल गंगानी के जन्म शताब्दी समारोह में दिखी जयपुर घराने की समृद्ध विरासत

कथक केवल प्रस्तुति ही नहीं, बल्कि कलाकार की जीवनभर की साधना

बेधड़क | जयपुर

जवाहर कला केंद्र (जेकेके) में महान कथक आचार्य पंडित कुंदन लाल गंगानी की जन्मशती के उपलक्ष्य में आयोजित जन्म शताब्दी समारोह का समापन जयपुर घराने की समृद्ध विरासत के भव्य उत्सव के रूप में हुआ। इस अवसर पर गुरुजी की परंपरा को आगे बढ़ा रहे चार प्रमुख शिष्यों ने मंच साझा किया। वरिष्ठ शिष्य गुरु प्रेरणा श्रीमाली, शोभा कोसर, संजीत गंगानी और डॉ. शशि सांखला ने थाट, उठान, आमद, कवित्त, ठुमरी, तोड़ा, तिहाई और गणेश परन जैसी जयपुर घराने की पारंपरिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह का भव्य समापन प्रख्यात कथक नृत्यांगना और पंडित कुंदन लाल गंगानी की अग्रणी शिष्या गुरु डॉ. शशि सांखला की भावपूर्ण श्रद्धांजलि प्रस्तुति के साथ हुआ। उनकी प्रस्तुति ने अंतिम सम तक दर्शकों को बांधे रखा। अस्सी वर्ष की आयु में भी डॉ. सांखला ने अद्भुत गरिमा, अधिकार और कलात्मक गहराई के साथ जयपुर घराने की ऊर्जा, जटिल पद-संचालन और सौंदर्यपूर्ण अभिव्यक्ति को जीवंत कर दिया। उनकी प्रस्तुति केवल अपने गुरु को श्रद्धांजलि नहीं थी, बल्कि उस जीवंत परंपरा का उत्सव भी थी, जो आज भी नई पीढ़ी के नर्तकों और कला-रसिकों को प्रेरित कर रही है।

समूह कथक की मनमोहक प्रस्तुति देते कलाकार। शोभा कोसर। डॉ. शशि सांखला। संजीत गंगानी। कार्यक्रम में मौजूद दर्शक। फोटो: मुकेश किराड़ू

शास्त्रीय कलाओं के प्रति बढ़ रहा नई पीढ़ी का रुझान

कथक प्रेमियों, विद्वानों और बड़ी संख्या में उपस्थित युवा विद्यार्थियों से खचाखच भरे सभागार ने यह प्रमाणित किया कि शास्त्रीय कलाओं के प्रति नई पीढ़ी का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। समापन प्रस्तुति के दौरान उनकी निरंतर एकाग्रता और उत्साह इस बात का प्रमाण थे कि जयपुर घराना आज भी जीवंत, प्रासंगिक और समकालीन सांस्कृतिक चेतना में गहराई से रचा-बसा है। इस अवसर पर गुरु डॉ. शशि सांखला ने कहा कि कथक केवल एक प्रस्तुति नहीं, बल्कि आजीवन साधना है। अब यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि जयपुर घराने की शुद्धता, अनुशासन और आत्मा को सुरक्षित रखें, ताकि आने वाली पीढ़ियां इस अमूल्य सांस्कृतिक विरासत की उत्तराधिकारी बन सकें।

पवन अरोड़ा को प्रभात गोस्वामी ने भेंट की 'खबरों के इर्द-गिर्द' पुस्तक

बेधड़क. जयपुर। सूचना व जनसंपर्क विभाग के पूर्व संयुक्त निदेशक व व्यंग्यकार प्रभात गोस्वामी ने फर्स्ट इंडिया मीडिया ग्रुप के सीईओ एंड मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा से उनके कार्यालय में भेंट की और अपनी नई किताब 'खबरों के इर्द-गिर्द, जनसंपर्क सेवा के तीन दशक' भेंट की। पुस्तक में उनके तीन दशक के संस्मरण हैं। पुस्तक में गोस्वामी के सहकारी डेयरी से सरकारी सेवा तक तीस वर्ष के संस्मरण शामिल किए गए हैं। इस अवसर पर पवन अरोड़ा ने पुस्तक के कवर पेज और सामग्री को जनसंपर्क सेवा का दस्तावेज बताते हुए कहा कि वर्तमान में कार्यरत अधिकारियों के साथ भविष्य में आने वाले जनसंपर्क अधिकारियों के लिए पुस्तक महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने गोस्वामी को उत्तरोत्तर सफलता के लिए बधाई दी। गोस्वामी ने बताया कि डेयरी की सेवा में गांवों से शहरी क्षेत्र तक श्वेत क्रांति के अनुभवों के साथ ही सूचना व जनसंपर्क विभाग में जनसंपर्क अधिकारी से संयुक्त निदेशक तक, जिला कलेक्टर से मुख्य सचिव तक, मंत्रीगण से प्रदेश के दो दिग्गज मुख्यमंत्रियों अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे के सान्निध्य में कार्य करने के दौरान के खट्टे-मीठे संस्मरण पुस्तक में संकलित किए गए हैं।

प्लांटेशन कर हरियाली लाने का प्रयास

बेधड़क. जयपुर। भारत विकास परिषद, तेजाजी नगर शाखा की ओर से मंगलम आनंदा आवासीय कैंपस व कैंपस के बाहर सड़क किनारे पौधारोपण किया गया। कुल 55 पौधे लगाए गए, जिनमें सहजना, जामुन, आम, नीम, बरगद आदि विभिन्न प्रजातियां शामिल थीं। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता, प्रान्त के स्थायी प्रकल्प संयोजक देवेश गोयल, शाखा सचिव देवेन्द्र श्रीवास्तव, पर्यावरण प्रकल्प संयोजक पुष्पेंद्र सक्सेना, गजेंद्र लाल माथुर व शाखा के कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

City इवेंट्स

'एरीना 26' का पोस्टर लॉन्च

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज़ (RUHS) में आयोजित होने वाली इंडोर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 'एरीना 26' का पोस्टर कुलगुरु डॉ. प्रमोद येवले और प्राचार्य डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने लॉन्च किया। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (RDA), RUHS 2026-27 द्वारा 25 एवं 26 जुलाई को स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, चेस और स्क्वॉश खेलों का आयोजन किया जाएगा। अतिरिक्त प्राचार्य और 'एरीना 26' के कमेटी अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि इसमें चिकित्सक, शिक्षक और उनके परिवारजन भी भाग लेंगे। पोस्टर लॉन्च समारोह में अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. अनिल यादव, डॉ. जितेंद्र आहूजा, डॉ. चंद्रजीत सिंह चंदेल, डॉ. मुकेश चतुर्वेदी, डॉ. संदीप कोठारी, आरडीए अध्यक्ष डॉ. तान्या महलवाल, महासचिव डॉ. देवेश डिडवानिया तथा खेल सचिव डॉ. दिव्या चौधरी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलगुरु डॉ. प्रमोद येवले ने आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियां भी व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं।

शास्त्रीय संगीत से गूंजा रंगायन

बेधड़क. जयपुर। विचित्र वीणा के अजीम फनकार पं. गोपाल कृष्ण शर्मा की जन्मशती वर्ष के उपलक्ष्य में गोपाल कृष्ण स्ट्रिंग्स फाउंडेशन की ओर से शुक्रवार को जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में शास्त्रीय संगीत संध्या बैठक-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. चंद्रिमा रॉय मजूमदार ने सरोद, उस्ताद सईद जफर ने सितार और पं. अक्षत शर्मा ने स्लाइड गिटार पर राग श्री, पीलू, सुरदासी मल्हार और जेजेवंती की प्रभावशाली प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। तीनों फनकारों ने तंत्रकारी और गायकी अंग के साथ आलाप, जोड़, झाला, विलंबित, मध्य और द्रुत लय की बंदिशों को नजाकत और नफासत से प्रस्तुत कर खूब सराहना बटोरी। कार्यक्रम की शुरुआत पं. अक्षत शर्मा ने स्लाइड गिटार पर राग श्री से की। इसके बाद उन्होंने राग पीलू की धुन प्रस्तुत कर वातावरण को सुरमय बना दिया। डॉ. चंद्रिमा रॉय मजूमदार ने सरोद पर राग सुरदासी मल्हार का लालित्य प्रस्तुत किया, जबकि दिल्ली घराने के उस्ताद सईद जफर ने सितार पर राग जेजेवंती की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। तबले पर उस्ताद अख्तर हसन तथा दिनेश खींची ने प्रभावशाली संगत की। कार्यक्रम के प्रारंभ में गोपाल कृष्ण स्ट्रिंग्स फाउंडेशन की डायरेक्टर स्वाति शर्मा ने फाउंडेशन के संगीत सफरनामे पर प्रकाश डाला, जबकि अंत में उन्होंने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

जेएनयू में कैडेवरिक राइनोप्लास्टी वर्कशॉप

सैद्धांतिक ज्ञान के साथ दिया व्यावहारिक शल्य प्रशिक्षण

बेधड़क | जयपुर

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर (जेएनयू आईएमएसआरसी) में राइनोप्लास्टी सोसायटी ऑफ इंडिया (आरएसआई) के सहयोग से शुक्रवार को 'बेसिक प्रिंसिपल्स एंड सर्जिकल टिप्स' विषय पर कॉम्प्रिहेन्सिव कैडेवरिक राइनोप्लास्टी वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें देशभर के प्रतिष्ठित राइनोप्लास्टी विशेषज्ञों, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों तथा चिकित्सा विशेषज्ञों ने भाग लिया। वर्कशॉप का उद्देश्य प्रतिभागियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक शल्य प्रशिक्षण उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. संदीप बक्शी ने कहा कि कैडेवरिक वर्कशॉप्स सर्जनों को सुरक्षित एवं वास्तविक परिस्थितियों में शल्य कौशल निखारने का अवसर प्रदान करती हैं। जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रो-चांसलर (मेडिकल) डॉ. सुधीर भंडारी ने कहा कि इस प्रकार की वर्कशॉप्स चिकित्सा शिक्षा को नई दिशा देती हैं। उन्होंने डॉ. एस. मोहंती एवं डॉ. प्रदीप गोइल, विभाग प्रमुख प्लास्टिक सर्जरी, जेएनयू आईएमएसआरसी तथा उनकी टीम की सराहना की। वर्कशॉप में प्रतिभागियों को राइनोप्लास्टी के मूलभूत सिद्धांतों, कैडेवरिक डिसेक्शन, सर्जिकल प्लानिंग, ग्राफ्ट हार्वेस्टिंग, टिप रिफाइनमेंट, डॉर्सल करेक्शन, सेप्टल रिकंस्ट्रक्शन सहित आधुनिक शल्य तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञों ने लाइव कैडेवरिक सर्जिकल डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से ऑपरेटिव प्लानिंग, एनाटॉमिकल लैंडमार्क्स और जटिलताओं के प्रबंधन पर जानकारी दी। समापन पर संवादात्मक फीडबैक सत्र एवं प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

विश्व जनसंपर्क दिवस पर परिचर्चा

जनसंपर्क के बदलते स्वरूप, नई चुनौतियों व संभावनाओं पर मंथन

बेधड़क | जयपुर

जनसंपर्क केवल सूचना का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि विश्वास, संवाद और दीर्घकालिक संबंधों के निर्माण की प्रक्रिया है। इसी मूल भावना को केंद्र में रखते हुए पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया, जयपुर चैप्टर ने विश्व जनसंपर्क दिवस पर 'इन्फ्लुएंसर रिलेशंस बनाम पारंपरिक मीडिया रिलेशंसः विश्वसनीयता, पहुंच और जनसंपर्क का भविष्य' विषय पर ऑनलाइन पैनल चर्चा व संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें 63 शहरों के चैप्टर्स तथा 13 देशों से जुड़े 100 से अधिक जनसंपर्क विशेषज्ञों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों ने जनसंपर्क के बदलते स्वरूप, एआई, डिजिटल संचार, मीडिया की विश्वसनीयता तथा वैश्विक स्तर पर संचार की नई चुनौतियों और संभावनाओं पर विचार साझा किए। ऑफलाइन पैनल चर्चा में जनसंपर्क विशेषज्ञ जगदीप सिंह, आरजे रवीन्द्र तथा कंटेंट क्रिएटर मार्सेला बाउर ने अनुभव साझा किए। संचालन मिशा शर्मा ने किया।

जयपुर चैप्टर चेयरमैन सोमेन्द्र हर्ष ने कहा कि आज संचार माध्यमों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। जगदीप सिंह ने कहा कि संपादकीय मूल्यों, तथ्यपरकता, जवाबदेही और नैतिकता पर आधारित पत्रकारिता प्रभावी जनसंपर्क की आधारशिला है। मार्सेला बाउर, जयपुर चैप्टर सचिव सनी कुलश्रेष्ठ ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में प्रो. संजीव भानावत, सहसचिव राहुल बाबू कोंडली, कोषाध्यक्ष पंकज वाधवानी, निर्मल गोयल, उत्तम सिंह, तरुण टांक, डॉ. रुचिता सोलंकी, मेट्रो पीआरओ गजेंद्र सिंह गुर्जर, एडवोकेट सुरेंद्रकर शर्मा, धर्मेश सक्सेना, रिटेंबरा अग्रवाल, आशीष उदातवत, विकास काला, पुरुषोत्तम शर्मा तथा सूरजभान शर्मा सहित अनेक उपस्थित रहे।

पूर्व डीजी अरुण दुगड़ को दी अंतिम विदाई

स्वर्गीय अरुण दुगड़ को पुष्पांजलि अर्पित करते डीजीपी राजीव शर्मा, अशोक भंडारी, राजीव दासोत और सुनील अरोड़ा।

पूर्व डीजी (कारागार) अरुण दुगड़ के अंतिम संस्कार के दौरान श्रद्धांजलि अर्पित करते मोहित दुगड़, नवीन शर्मा और तनिष्का दुगड़ सहित परिवार के सदस्य।

अंतिम संस्कार के दौरान दिवंगत के परिजनों, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ डॉ. महेंद्र सुराणा।

IPS दिनेश एमएन, IPS अमित लोढ़ा और मिस्टर भार्गव।

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान पुलिस परिवार ने शुक्रवार को पूर्व महानिदेशक (कारागार) अरुण दुगड़ को अंतिम विदाई दी। 15 जुलाई को उनके निधन से सहकर्मियों, मित्रों और शुभचिंतकों में शोक व्याप्त है। उनके पार्थिव शरीर की अंतिम यात्रा निवास 3-डी-15, रतन दुगड़ मार्ग, जवाहर नगर से निकाली गई और आदर्श नगर मोक्ष धाम में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने दिवंगत अधिकारी को पुष्पांजलि अर्पित की। इनमें पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, आईपीएस वीके सिंह, आईपीएस दिनेश एमएन, आईपीएस अमित लोढ़ा, डीसीपी रंजीता शर्मा, आईएएस (सेवानिवृत्त) डॉ. महेंद्र सुराणा, आईपीएस (सेवानिवृत्त) सुनील अरोड़ा, आईपीएस (सेवानिवृत्त) भूपेंद्र कुमार दक, आईपीएस (सेवानिवृत्त) अशोक नरूका, पूर्व डीजीपी अशोक भंडारी, राजीव दासोत सहित बड़ी संख्या में सेवारत व सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी शामिल रहे। गौरतलब है कि स्व. सूरजमल दुगड़ के बेटे अरुण दुगड़ का राजस्थान पुलिस में विशिष्ट सेवाकाल रहा। उन्होंने कई जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में सेवाएं दीं और महानिदेशक (कारागार) के पद से सेवानिवृत्त होने से पूर्व महत्वपूर्ण दायित्व निभाए। ईमानदारी, पेशेवर कार्यशैली और अनुकरणीय नेतृत्व के लिए वे सेवाकाल में सम्मान के पात्र रहे। उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि सभा (उठावना) शनिवार सुबह 9:30 से 10:30 बजे तक अणुविभा केंद्र, गौरव टावर के सामने, मालवीय नगर में आयोजित की जाएगी।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/003/2026-28

न्यूज बेधड़क

FIRST INDIA

सच बेधड़क

जयपुर, शनिवार, 18 जुलाई, 2026

“ सच्ची दोस्ती बिना सफाई का सुकून और बिना मांग का साथ है।
डॉ. जगदीश चंद्र, सीएमडी एंड एडिटर इन चीफ

हजारों मोबाइल फ्लैशलाइट्स ने न सिर्फ ऑस्ट्रेलियाई स्टेडियम को रोशन किया, बल्कि मोदी की लोकप्रियता और नेतृत्व को भी दर्शाया: डॉ. जगदीश चंद्र

The JC Show' के दौरान डॉ. जगदीश चंद्र के साथ चर्चा में मौजूद अंजनी कुमार सिंह, गुंजन दीक्षित, पूजा यादव, अदिति नागर और पूर्णिमा मिश्रा।

‘द जेसी शो’ के नवीनतम एपिसोड में **डॉ. जगदीश चंद्र** ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की छह दिन की यात्रा का विस्तार से विश्लेषण करते हुए बताया कि यह यात्रा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक, कूटनीतिक और आर्थिक पहुंच के लिहाज से एक निर्णायक कदम थी। इस इंटरव्यू में वे बताते हैं कि कैसे इस दौरे ने भारत की ‘एक्ट ईस्ट पॉलिसी’ और ‘महासागर’ (MAHASAGAR) पहल को आगे बढ़ाया। रक्षा कूटनीति को मजबूत किया। ऑस्ट्रेलिया, जापान और न्यूजीलैंड के साथ साझेदारी को और सुदृढ़ किया व चीन के बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव को चुनौती दी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के साथ यूरेनियम समझौते, ग्लोबल इन्वेस्टर्स के सामने मोदी की आर्थिक अपील, भारत की विकसित होती भारत केंद्रित विदेश नीति और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इंडो-पैसिफिक के वैश्विक भू-राजनीति के केंद्र के रूप में उभरने पर भी विस्तार से चर्चा की।

> **राजनीति रणनीति है और अमित शाह इसमें माहिर हैं... देर-सवेर, दोनों बिल संसद से पास हो ही जाएंगे।**

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के सम्मान में पूरे स्टेडियम में हजारों मोबाइल फोन की फ्लैशलाइट्स जगमगा उठीं। आप इस पल को किस नजरिए से देखते हैं?**

डॉ. जगदीश चंद्र: यह एक यादगार पल था। नरेंद्र मोदी देश के युवा नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं और युवा पीढ़ी की नब्ज को समझते हैं। मोबाइल फोन की फ्लैशलाइट से स्टेडियम को रोशन करने जैसे काम आज के युवाओं से गहराई से जुड़े हैं और उन्होंने सहज रूप से उस भावना को समझा और उससे जुड़ाव महसूस किया। जब उन्होंने अपील की, तो एक व्यक्ति ने प्रतिक्रिया दी और कुछ ही पलों में पूरा स्टेडियम उनके साथ हो गया। यह नजारा देखने में जितना शानदार था, उससे कहीं ज्यादा यह नेतृत्व की ताकत को दिखाने वाला था। मोदी के एक इशारे पर ही पूरी भीड़ ने एक साथ प्रतिक्रिया दी। इस घटना से यह भी पता चला कि वह युवा पीढ़ी से कितनी गहराई से जुड़े हुए हैं और इससे भारत के युवाओं के बीच सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक के तौर पर उनकी स्थिति और मजबूत हुई।

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिन तीन देशों- इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का दौरा किया, वे सभी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थित हैं और चीन के बढ़ते प्रभाव पर नजर रखते हैं। बीजिंग के नजरिए से मोदी का इन देशों का लगातार दौरा और वहां उनका जबरदस्त स्वागत कितना अहम है?**

निश्चित रूप से चीन के लिए यह चिंता का विषय होगा। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इन देशों के बीच बढ़ती एकजुटता बीजिंग की चिंता बढ़ाने वाली है। आज जो घटनाक्रम सामने आ रहे हैं, वे इसी दिशा की ओर संकेत करते हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन देशों के साथ रक्षा समझौतों को मजबूत कर रहे हैं। समुद्री सुरक्षा के मुद्दे पर ये देश एक साझा मंच पर आ रहे हैं। खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान होगा, समुद्री गतिविधियों से जुड़ी जानकारियां साझा की जाएंगी और यह निगरानी संभव होगी कि कौन-सा जहाज कहां से रवाना हुआ और किस दिशा में जा रहा है। इस व्यवस्था से भारत को भी वैसी ही निगरानी क्षमता मिलेगी जैसी आज चीन के पास है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस पूरी पहल में ये सभी देश भारत के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि चीन के लिए यह एक उभरती हुई रणनीतिक चुनौती है, जिसे इन देशों ने भली-भांति समझ लिया है और अब वे इस क्षेत्र में नेतृत्व के लिए नरेंद्र मोदी की ओर देख रहे हैं।

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीन देशों के दौरे को और हाल ही में जापान के प्रधानमंत्री के नई दिल्ली दौरे को आप भारत-प्रशांत और चीन के बढ़ते प्रभाव के नजरिए से कैसे देखते हैं? भारत और जापान के बीच कौन-कौन से प्रमुख समझौते हुए थे?**

जापान को भी चीन से खतरा है। ऐसे में वह किसी ऐसे विश्वसनीय साझेदार की खोज में है, जिसके साथ मिलकर क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा को मजबूत किया जा सके और भारत उसके लिए एक स्वाभाविक सहयोगी के रूप में सामने आया है। जापान की प्रधानमंत्री तीन दिन के लिए नई दिल्ली में थीं। उनके साथ हुए प्रमुख समझौतों में डिफेंस, व्यापार, निवेश, खनिज और यूपीआई पेमेंट्स शामिल थे- ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें भारत अपने मित्र देशों के साथ नियमित रूप से सहयोग को आगे बढ़ाता रहा है। हालांकि, इन सामान्य द्विपक्षीय समझौतों के अलावा, जापानी प्रधानमंत्री की यह यात्रा नरेंद्र मोदी के साथ समन्वय का महत्वपूर्ण संकेत थी। उन्होंने हाल ही में प्रधानमंत्री पद संभाला था और भारत आने का फैसला लगभग तुरंत किया। यह जापान की चिंता को उजागर करता है कि चीन का बढ़ता प्रभाव और भरोसेमंद साथी की तलाश की राह में अकेला विकल्प और अकेली आशा की किरण भारत है और वह नरेंद्र मोदी हैं। यह दौरा काफी अहम था और कई महत्वपूर्ण समझौते हुए।

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों से कहा कि भारत ‘दीर्घकालिक निवेश का सबसे भरोसेमंद विकल्प’ है और उन्होंने उनसे इस अवसर को ‘हाथ से न जाने देने’ की भी अपील की। प्रधानमंत्री मोदी के इस संदेश को आप किस दृष्टि से देखते हैं?**

- आज वैश्विक मंच पर नरेंद्र मोदी लगातार आर्थिक विकास और निवेश की भाषा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर रहे हैं। मेलबर्न में निवेशकों और प्रमुख उद्योगपतियों (सीईओ) को संबोधित करते हुए उनका संदेश बेहद स्पष्ट था- ‘इस मौके को हाथ से न जाने दें।’ उन्होंने भारत की सबसे बड़ी ताकतों को रेखांकित किया, राजनीतिक स्थिरता, निर्णायक निर्णयों पर आधारित प्रभावी शासन, दुनिया की सबसे तेज बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था और 1.4 अरब की विशाल आबादी वाला बाजार। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि भारत में निवेश करें, मजबूत रिटर्न पाएं और भारत की विकास यात्रा के सहभागी बनें। मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी के इस संदेश को ग्लोबल इन्वेस्टर्स से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी और यह भारत में निवेश के प्रति उनके भरोसे को और अधिक मजबूत बनाएगा।

- **क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा ने प्रशांत क्षेत्र में भारत की रणनीतिक पहुंच को मजबूत किया है और इसके मुख्य नतीजे क्या रहे?**

निश्चित रूप से। नरेंद्र मोदी के न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया दौरे ने प्रशांत क्षेत्र में एक मजबूत संदेश दिया है। छोटे द्वीपीय राष्ट्रों ने भी यह देखा कि क्षेत्र के अनेक देश चीन के बढ़ते प्रभाव का संतुलन बनाने के लिए आपसी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं। आने वाले समय में इनमें से कई देश इस व्यापक रणनीतिक ढांचे से जुड़ सकते हैं। इस दौरे की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को आगे बढ़ाने पर सहमति रही है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, व्यापार, यूपीआई भुगतान व्यवस्था, क्लीन एनर्जी तथा अन्य सहयोग के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण समझौते हुए। कुल मिलाकर लगभग 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। सबसे बड़ी बात यह है कि यह लगभग 40 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का न्यूजीलैंड का पहला दौरा था, जिससे यह यात्रा ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण बन गई।

- **क्या आपको लगता है कि 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में परिसीमन बिल और महिला आरक्षण बिल पास हो सकते हैं?**

मैं हमेशा मानता आया हूं कि अमित शाह के नेतृत्व में बहुत कम ऐसे विधेयक होते हैं, जो संसद से पारित न हो पाते हों। राजनीति अंततः रणनीति का खेल है और अमित शाह ने समय-समय पर यह साबित किया है कि वे आवश्यक समर्थन जुटाने और राजनीतिक समीकरणों को साधने में सक्षम हैं। राजनीतिक स्थिति लगातार बदलती रहती है- कभी सदस्य अनुपस्थित हो जाते हैं, गठबंधन बदलते हैं, पार्टियां टूटती हैं या एकजुट होती हैं और समीकरण बदलते रहते हैं। इसीलिए मुझे अभी भी उम्मीद है कि इस सत्र में परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण विधेयक दोनों पास हो जाएंगे। यह कहना हालांकि मुश्किल है, लेकिन सदन में महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने के मामले में अमित शाह का अब तक का रिकॉर्ड मेरे इस भरोसे को मजबूत बनाता है। यह भी हो सकता है कि मेरा आकलन पूरी तरह सही न हो और इसका अंतिम जवाब समय के साथ ही मिल पाएगा, लेकिन मेरा मानना है कि देर-सवेर ये दोनों विधेयक संसद में मंजूर हो ही जाएंगे।

- **आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के लिए आप क्या संभावनाएं देखते हैं? क्या वह मुख्य रूप से दलित वोटों के दम पर 117 में से 100 सीटें जीतने की उम्मीद कर सकती है?**

पहला प्रश्न मात्र कांग्रेस के बारे में नहीं है बल्कि इस बात से भी जुड़ा है कि भाजपा आगामी चुनावों में किस रणनीति को अपनाती है। यह रणनीति कांग्रेस और आम आदमी पार्टी, दोनों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है। फिलहाल राजनीतिक माहौल शांत दिखाई दे सकता है, लेकिन चुनाव प्रचार के आखिरी दिनों में परिस्थितियां तेजी से बदल सकती हैं, विशेषकर यदि अमित शाह 10 से 15 दिनों तक पंजाब में सक्रिय रूप से चुनाव अभियान का नेतृत्व करें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार कई चुनावी रैलियों को संबोधित करें। जहां तक कांग्रेस की बात है, मैंने आज पढ़ा कि राहुल गांधी तीन हफ्ते की विदेश यात्रा के बाद भारत लौट आए हैं। मेरे हिसाब से यह पार्टी के सामने मौजूद बड़ी लीडरशिप की समस्या को दिखाता है। विदेश यात्रा में कोई बुराई नहीं है, लेकिन जब महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाएं हो रही हों, तो उनकी लंबी गैर-मौजूदगी एक संदेश देती है। नरेंद्र मोदी भी विदेश यात्रा करते हैं, लेकिन वह पहले यह सुनिश्चित कर लेते हैं कि सरकारी कामकाज और राजनीतिक जिम्मेदारियां ठीक से पूरी हो रही हों। कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती आज भी नेतृत्व का अनसुलझा प्रश्न है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की भूमिकाओं को लेकर समय-समय पर होने वाली चर्चाएं यह दिखाती हैं कि पार्टी के अंदर लीडरशिप को लेकर स्पष्टता की कमी है। पंजाब में भी आंतरिक खींचतान देखने को मिल रही है- रंधावा वर्सेज चरणजीत सिंह चन्नी, भूपेश बघेल और राज्य पार्टी नेतृत्व से जुड़े समीकरणों पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। कुल मिलाकर ऐसा नजर आता है कि पार्टी में संगठनात्मक एकजुटता की कमी है। अगर चुनाव नजदीक आने पर कांग्रेस के कुछ बड़े नेता पाला बदलकर बीजेपी में शामिल होने का फैसला करते हैं, तो मुझे हैरानी नहीं होगी। भारतीय राजनीति में इस तरह के राजनीतिक री-अलाइनमेंट असामान्य नहीं हैं। जहां तक दलित मतदाताओं का सवाल है, किसी भी राजनीतिक दल का उन पर एकाधिकार नहीं हो सकता। केवल इसलिए कि चरणजीत सिंह चन्नी दलित समाज से आते हैं तो यह मान लेना बिलकुल भी सही नहीं होगा कि पूरा दलित मतदाता वर्ग कांग्रेस के पक्ष में मतदान करेगा। कह सकते हैं कि पंजाब में कांग्रेस पूरी तरह से अव्यवस्थित लग रही है। राहुल गांधी को स्थिति सुधारने के लिए कोलकाता की तरह यहां भी हफ्तों बिताने पड़ सकते हैं। इसके बावजूद, कांग्रेस को भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों से कड़ा मुकाबला करना पड़ेगा और आम आदमी पार्टी भी अपने आंतरिक मतभेदों से पूरी तरह अछूती नहीं रही है। ज्यादातर वोटर लगातार राजनीतिक अस्थिरता देखने के बजाय किसी एक पार्टी को स्थिर जनादेश देना पसंद करते दिख रहे हैं। मैं पॉलिटिकल सरप्राइज की संभावनाओं को खारिज नहीं करूंगा, जिसमें भाजपा का मजबूत प्रदर्शन भी शामिल हो सकता है। भाजपा का उन जगहों पर खूब विस्तार हो चुका है, जहां के बारे में कई लोगों का आकलन था कि भाजपा का वहां विस्तार नहीं हो पाएगा। लेकिन जैसे कि आज के हालात हैं, मुझे पंजाब में कांग्रेस के सत्ता में वापस आने की संभावना नहीं नजर आती।

सच बेधड़क
fi
भारत 24 Vision of New India
1st इंडिया NEWS

- **मध्य प्रदेश की राजनीति में एक नाटकीय मोड़ आया है। पहले टिकट न मिलने पर नरोत्तम मिश्रा ने बगावत के संकेत दिए, लेकिन बाद में उन्होंने कहा कि पार्टी सबसे ऊपर है और वह एक आम कार्यकर्ता के तौर पर प्रचार करेंगे। आपकी नजर में इस अचानक आए बदलाव के पीछे की असल कहानी क्या है?**

अगर आप मुझसे पूछें कि नरोत्तम मिश्रा के रुख में बदलाव क्यों आया, तो मेरा सीधा जवाब होगा- भारतीय जनता पार्टी में अमित शाह द्वारा स्थापित अनुशासन। उन्हें साफ संदेश दे दिया गया कि पार्टी अपना उम्मीदवार नहीं बदलेगी, टिकट पर लिया गया फैसला अंतिम है और पार्टी अनुशासन की सीमा कोई भी पार नहीं कर सकता। जब यह संदेश स्पष्ट हो गया, तो उनका रुख भी बदल गया। व्यक्तिगत रूप से मेरा मानना है कि नरोत्तम मिश्रा एक सक्षम नेता हैं। एक समय ऐसा भी था जब मुख्यमंत्री पद की दौड़ में उनका नाम प्रमुखता से लिया जाता था। लेकिन राजनीति केवल क्षमता से नहीं, बल्कि समय और भाग्य से भी संचालित होती है। संभव है कि इस समय किस्मत उनका साथ नहीं दे रही हो। फिर भी, किसी भी नेता से ऊपर पार्टी का अनुशासन होता है और उसका सम्मान करना आवश्यक है। उनके समर्थक अक्सर कहा करते थे कि ‘दतिया मतलब मिश्रा और मिश्रा मतलब दतिया’। लेकिन राजनीति में परिस्थितियां समय के साथ बदलती रहती हैं। अब उन्होंने पार्टी अनुशासन में लौटकर एक तरह से ‘घर वापसी’ की है। यह सकारात्मक संकेत है। अब भारतीय जनता पार्टी एकजुट होकर चुनाव लड़ेगी, जबकि जीत-हार का फैसला अंततः राजनीतिक परिस्थितियों और जनता के जनादेश पर निर्भर करेगा।

Click or Scan to watch The JC Show

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स के लिए मुद्रक व प्रकाशक अनिता हाड़ा सागवान द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 304-308 थर्ड फ्लोर, सिटी मॉल, भगवानदास रोड, सी-स्कीम जयपुर-302001 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डीबी कॉर्प लि., शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित। **प्रधान संपादक:** डॉ. जगदीश चंद्र, **प्रबंध संपादक:** पवन अरोड़ा, **संपादक:** मनोज माथुर*, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 **फोन नं. :** 0141-4920504 (ऑफिस), **ई-मेल:** sachbedhadakdaily@gmail.com, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।